जबलपुर शनिवार 08 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, श्रावण कृष्ण पक्ष दशमी

वर्ष 32 अंक 42 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

मौसम

अधिकतम तापमान 31.6°C

न्यूनतम तापमान 25.5°C

सूर्योदय - 5.44 | सूर्यास्त - 6.48

हैवी ब्लास्टिंग से पिपरिया, बिलाईकाप और ... ⏩ 4

सच्चे इरादों के साथ अपने विश्वासों पर डटे ... ⏩ 7

सपना तिवारी को मिली डॉक्टर आफ .. ⏩ 8

अब हर शुक्रवार...समस्याओं पर प्रहार

छिंदवाड़ा जिले से शुरू हुआ मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान, 8 शिक्षकों को मिला नियुक्ति पत्र

छिंदवाड़ा (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में सभी वर्गों के लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उनके नेतृत्व में दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा स्थापित हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने अंत्योदय और जनकल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। मध्यप्रदेश सरकार भी गरीब, किसान, युवा और नारी सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। प्रदेश में शासकीय अधिकारी और कर्मचारियों की पदोन्नति वर्षों से अटकी थी। हमारी सरकार ने कर्मचारियों को पदोन्नति का उनका अधिकार दिलवाया। पदोन्नति के लिए सभी जरूरी प्रक्रियाओं को समय से पूरा करते हुए वर्तमान वर्ष में शेष रह गए अधिकारी-कर्मचारियों की भी पदोन्नति सितंबर-अक्टूबर माह में कर दी जाएगी। सरकार के कार्यों को धरातल पर सफल बनाने और सुशासन स्थापित करने में राज्य के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को छिंदवाड़ा के एफडीडीआई ऑडिटोरियम में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी विभागों में शासकीय पदों पर नई भर्तियों की शुरुआत कर दी है। पुलिस विभाग में ही 18 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की जा रही है। इसमें 1000 पद ड्राइवरों के भी शामिल हैं। स्कूल शिक्षकों के 10 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया संपन्न हुई है। उच्च शिक्षा विभाग में 7 हजार से अधिक व्याख्याताओं की भर्ती की गई है। म.प्र. व्यावसायिक शिक्षा मंडल ने विभिन्न विभागों में 17 हजार पदों पर नई भर्ती के लिए सूचना जारी की है। बीते ढाई साल में एक लाख पदों पर भर्ती की जा चुकी है। अब 2 लाख नई भर्ती करने की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों-कर्मचारियों से जनता की सेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आहवान किया।

छिंदवाड़ा से हो रही है नई शुरुआत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकास और जनकल्याण के लिए राज्य सरकार दूरगामी विजन के साथ कार्य कर रही है। आज छिंदवाड़ा से एक नई शुरुआत की जा रही है। अब प्रत्येक शुक्रवार को किसी भी दफ्तर में कोई मीटिंग नहीं होगी। सभी अधिकारी जनता के बीच मौजूद रहकर मैदानी स्तर पर शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का जायजा लेंगे। जन विश्वास अभियान में आम नागरिकों की बेहतरी और उन्हें सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मैदानी स्तर पर आने वाली कठिनाईयों का समाधान किया जाएगा। अभियान आगामी 7 जनवरी 2027 तक चलेगा। प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति को लाभ दिलवाने और सुशासन के लिए यह 'मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान' मील का पत्थर सिद्ध होगा।

तहसीलदार और पटवारी सस्पेंड

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मीना बंजारा ने शिकायत कर बताया कि परासिया तहसील के पटवारी द्वारा गलत प्रतिवेदन देने के कारण प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ उसे नहीं मिला। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मामले को गंभीर मानते हुए संबंधित पटवारी एवं तहसीलदार को निलंबित करने तथा मुख्यमंत्री आर्थिक सहायता के माध्यम से आवेदिका को एक वर्ष की सहायता राशि देने के निर्देश दिए।

छिंदवाड़ा सीएमएचओ भी निलंबित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को श्रीमती सीमा तुमराम ने बताया कि उन्होंने प्रसूति सहायता राशि नहीं मिलने की शिकायत की थीं। जांच में यह बात सामने आई कि पोर्टल पर दर्ज त्रुटिपूर्ण जानकारी के कारण उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल सका। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने इसे विभागीय लापरवाही मानते हुए संबंधित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी छिन्दवाड़ा को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए।

दो अधिकारियों की वेतनवृद्धि रुकी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मानवती वर्मा ने बताया कि वर्ष 2022 में पति की मृत्यु के बाद उन्हें पात्रता अनुसार मुख्यमंत्री संबल योजना अंतर्गत अंत्येष्टि एवं अनुग्रह सहायता राशि नहीं मिली, जिसकी उन्होंने सीएम हेल्पलाईन में शिकायत दर्ज कराई थीं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रकरण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित जनपद पंचायत के सीईओ चौरई तथा श्रम अधिकारी की एक-एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए।

एसडीएम-पटवारी को शोकाज नोटिस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को गोविंद नायक ने बताया कि उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में भू-अभिलेख दुरुस्तीकरण से संबंधित शिकायत प्रस्तुत की। समीक्षा में पाया गया कि एसडीएम द्वारा आदेश जारी किए जाने के बावजूद अभिलेखों में सुधार नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने एसडीएम चौरई, संबंधित तहसीलदार एवं पटवारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए।

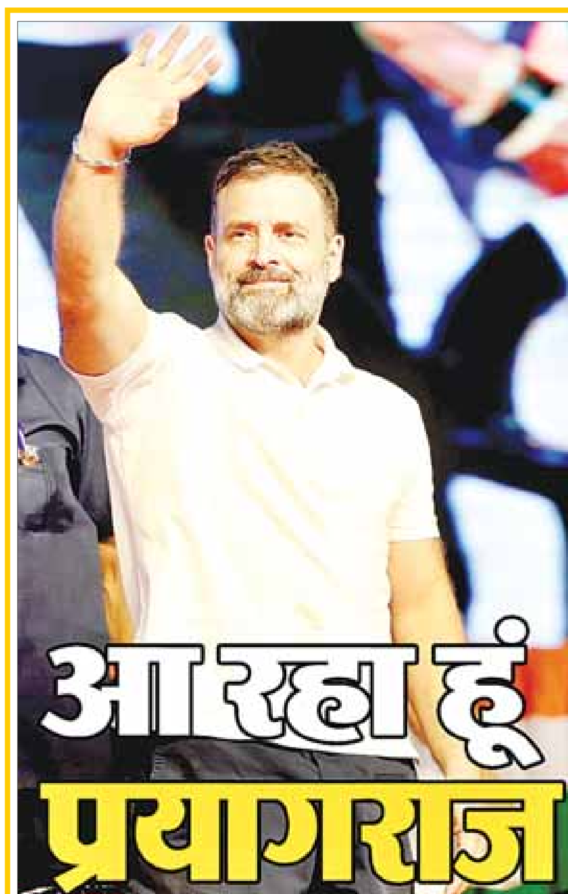

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करके प्रयागराज पहुंचने का ऐलान किया है। उन्होंने लिखा- प्रयागराज आ रहा हूं, देश के उस शहर में जहां सबसे ज़्यादा नौजवान तैयारी करते हैं। उन्होंने 'छात्रों की गूंज' नाम से हैशटैग चलाया है और इस पर देशभर के परीक्षार्थी छात्रों को एकजुट करने के लिए उनके पक्ष में खड़े होने के लिए अपनी आवाज उठाई है। उन्होंने लिखा है कि वह 8 अगस्त शाम पांच बजे प्रयागराज के केपी ग्राउंड पहुंच रहे हैं। बता दें कि कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का प्रयागराज में छात्रों से संवाद कार्यक्रम 'गूंज' के आयोजन का रास्ता साफ हो गया है। केपी ट्रस्ट ने कार्यक्रम स्थल की अनुमति निरस्त करने के अपने पूर्व आदेश को रद्द करते हुए निर्धारित शर्तों के साथ कार्यक्रम की दोबारा अनुमति प्रदान कर दी है। राहुल गांधी ने प्रयागराज दौरे से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर युवाओं और छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने लिखा- यहां का हर छात्र जानता है कि सिस्टम बेईमान हो चुका है। छात्रों की मेहनत में कोई कमी नहीं है, बल्कि कमी उस सिस्टम की नीयत में है जो उनकी मेहनत का उचित परिणाम नहीं देता। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश में पेपर लीक, रुकी हुई भर्तियां, वर्षों का इंतजार और जवाबदेही का अभाव युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि कोटा में छात्रों ने अपनी आवाज उठाई, देहरादून में भी विरोध हुआ और दिल्ली में सवाल पूछने वाले छात्रों पर लाठियां चलाई गईं। उन्होंने दावा किया कि आखिरकार एक मंत्री को पद छोड़ना पड़ा, जिससे साबित होता है कि सरकार जनता की एकजुट आवाज के सामने झुकती है।

ई20 पेट्रोल पर सरकार को घेरा

राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी कर केंद्र सरकार की इथेनॉल मिश्रण नीति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आमतौर पर कहा जाता है कि दाल में कुछ काला है, लेकिन यहां तो पूरी दाल ही काली है। राहुल गांधी ने कहा, यह ई20 का जो मुद्दा है, वह बहुत बड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा कि वह इसके खिलाफ जल्द ही अभियान चलाएंगे। इस मुद्दे को भी हम बड़े स्तर पर उठाएंगे, क्योंकि यह लोगों के वाहनों को खराब कर रहा है।

कांग्रेस ने अपने सांसदों को जारी किया व्हिप

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम) संशोधन विधेयक पर चर्चा से पहले कांग्रेस ने अपने लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। पार्टी ने सभी सांसदों को 10, 11 और 12 अगस्त को सदन में अनिवार्य रूप से मौजूद रहने और पार्टी के रुख का समर्थन करने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को कांग्रेस की ओर से जारी किए गए निर्देश में कहा गया है कि इन तीन दिनों के दौरान संसद में कई अहम मुद्दों पर चर्चा और मतदान हो सकता है। ऐसे में सभी सांसदों को सुबह 11 बजे से लेकर सदन की कार्यवाही स्थगित होने तक उपस्थित रहने और पार्टी के रुख का समर्थन करने के लिए कहा गया है।

5000 की रिश्वत लेते लाइनमैन गिरफ्तार

अशोकनगर। अशोकनगर के विद्युत कार्यालय में शुक्रवार को ग्वालियर लोकायुक्त ने एक लाइनमैन बाबूराम पटेल को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। लाइनमैन ने कुकरेठा गांव निवासी श्रीराम वैरागी से दुर्गा कॉलोनी में चक्की के लिए विद्युत मीटर लगाने के एवज में कुल 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। इसमें से 5 हजार रुपए वह पहले ही ले चुका था।

एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू नहीं

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा- यह सिद्धांत सिर्फ ओबीसी और एसईबीसी पर लागू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू नहीं होता। सरकार ने उन जनहित याचिकाओं का विरोध किया है, जिनमें एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने और सरकारी नौकरियों में अधिक न्यायसंगत आरक्षण नीति बनाने की मांग की गई है। केंद्र ने कहा कि याचिकाओं में संविधान के तहत किसी मौलिक अधिकार के उल्लंघन का जिक्र नहीं है। साथ ही, मौजूदा कानून में कहीं भी यह प्रावधान नहीं है कि क्रीमी लेयर का नियम एससी-एसटी पर लागू होता है। सरकार के मुताबिक, यह अवधारणा सिर्फ ओबीसी और एसईबीसी आरक्षण से जुड़ी है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 11 अगस्त को रमाशंकर प्रजापति और अन्य की जनहित याचिकाओं पर केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया था। याचिका में कहा गया कि अगर किसी एससी-एसटीपरिवार का सदस्य पहले ही संवैधानिक या वरिष्ठ सरकारी पद हासिल कर चुका है, तो उसके बच्चों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इससे आरक्षण का फायदा आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों तक ज्यादा समान रूप से पहुंच सकेगा। याचिकाकर्ताओं ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को उप-श्रेणी (सब-कैटेगरी) बनाकर उन्हें प्रवेश और सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता देने की भी मांग की है।

सिर्फ संसद को बदलाव का अधिकार

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने कहा कि एससी-एसटी की सूची में किसी भी तरह का बदलाव केवल संसद ही कर सकती है। संविधान के अनुच्छेद 341 और 342 के तहत किसी जाति या जनजाति को सूची में शामिल करने या हटाने का अधिकार सिर्फ संसद के पास है। केंद्र ने यह भी कहा कि याचिका स्थापित कानून की अनदेखी करती है। सरकार ने इंदिरा साहनी (मंडल आयोग) मामले का हवाला देते हुए कहा कि एससी-एसटी और ओबीसी की पहचान ऐतिहासिक, सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के आधार पर होती है, सिर्फ आर्थिक स्थिति के आधार पर नहीं।

'यह सस्ती लोकप्रियता का जरिया'

पूर्व जस्टिस यशवंत वर्मा मामले में स्वतंत्र जांच और एफआईआर की जनहित याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज यशवंत वर्मा से जुड़े चर्चित जली हुई नकदी मामले में एफआईआर दर्ज करने और कोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। यह याचिका एक वकील ने दाखिल की थी। कोर्ट ने इसे पब्लिसिटी के लिए दाखिल याचिका बताते हुए सुनवाई से इनकार कर दिया। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की बेंच के सामने यह मामला सुनवाई के लिए आया। याचिका दाखिल करने वाले वकील घनश्याम उपाध्याय ने खुद कोर्ट में पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस मामले में एक शिकायत दर्ज कराई है और वे खुद एक प्रैक्टिसिंग एडवोकेट हैं। जब कोर्ट ने उनसे पूछा कि क्या वे इस मामले में खुद पार्टी की तरह पेश हो रहे हैं तो उपाध्याय ने हां में जवाब दिया। याचिका में मुख्य दलील यह थी कि किसी जज का पद से इस्तीफा दे देना उसे बेहिसाब नकदी से जुड़ी आपराधिक जिम्मेदारी से मुक्त नहीं कर देता। यानी अगर इस्तीफा भी दे दिया जाए तो भी कानूनी जांच होनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि यह याचिका सस्ती पब्लिसिटी हासिल करने के मकसद से दाखिल की गई लगती है। बेंच ने इसे कोर्ट की प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया और याचिका को खारिज कर दिया।

सीमा-पार नदियों पर शीघ्र वार्ता करे चीन

नई दिल्ली (वार्ता)

भारत ने चीन के साथ सीमा-पार नदियों पर विशेषज्ञ-स्तरीय तंत्र की बैठक जल्द आयोजित करने की जरूरत बताते हुए ऊपरी धारा की परियोजनाओं से संबंधित तकनीकी विवरण साझा किए जाने की मांग की है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय के लिए कार्यकारी तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की 36वीं बैठक गुरुवार को यहां हुई। बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) सुजीत घोष ने किया, जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चीन के विदेश मंत्रालय के सीमा एवं महासागरीय मामलों के विभाग की महानिदेशक होउ यानछी ने किया। बैठक में दोनों पक्षों ने विभिन्न विषयों पर स्पष्ट एवं खुली चर्चा की और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति की समीक्षा की।

एफसीआरए भारत का आंतरिक मामला: सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने एफसीआरए (विदेशी फंडिंग विनियमन) संशोधन विधेयक पर साफ कर दिया कि यह भारत का आतंरिक मामला है। किसी दूसरे देश को इस पर कमेंट करने का अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों जिनमें अमेरिका भी शामिल है। वहां विदेशी फंड और विदेशी अंशदान को नियंत्रित करने के लिए कानून और नियम मौजूद हैं। दरअसल भारत ने अमेरिकी सांसद रिले मूर की टिप्पणी का जवाब दिया है। मूर ने 4 अगस्त को एक्स पर लिखा था कि एफसीआरए बिल ईसाइयों के खिलाफ सीधा हमला है। एफसीआरए संशोधन विधेयक इसी साल बजट सत्र में लोकसभा में पेश किया गया था। मानसून सत्र में इस पर चर्चा होनी है। सूत्रों के मुताबिक अमित शाह चर्चा का जवाब दे सकते हैं। अमेरिकी सांसद रिले एम मूर ने सोशल मीडिया पर लिखा, ईसाई धर्म भारत में तब से मौजूद है। जब प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान के कुछ दशकों बाद संत थॉमस मलाबार तट पर पहुंचे थे। लेकिन ईसाई धर्म के इस लंबे इतिहास के बावजूद, भारत की संसद एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन) कानून में ऐसा संशोधन करने पर विचार कर रही है, जिससे सरकार को चर्चों और धार्मिक चैरिटी संस्थाओं का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की अनुमति मिल सकती है। यह ईसाइयों के खिलाफ सीधा हमला है।

चिंता की जरूरत नहीं, मैं साथ हूं

ममता और उद्धव से बागी हुए सांसदों से बोले प्रधानमंत्री

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे से बागी हुए सांसदों के साथ शुक्रवार को ब्रेकफास्ट मीटिंग की। इस बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को संसद की डिबेट में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने का सुझाव दिया। प्रधानमंत्री ने सांसदों को आश्वस्त करते हुए कहा, किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है, मैं आपके साथ हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एनडीए एक परिवार है। उन्होंने शिवसेना में हाल ही में शामिल 6 सांसदों के साथ एक अलग बैठक की। उन्होंने सांसदों से संसदीय इतिहास को पढ़ने, जानने और समझने के लिए कहा। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि संसद में इतिहास से जुड़ा बहुत सारा मैटेरियल उपलब्ध है, डिबेट में तैयारी करने के लिए उसका इस्तेमाल कीजिए। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को अपने-अपने राज्यों के विकास के लिए काम करने की सलाह दी और इस बात पर जोर दिया कि जब राज्य आगे बढ़ेंगे, तभी देश का भी विकास होगा। प्रधानमंत्री ने सांसदों से कहा कि अगर विकास परियोजनाओं से जुड़ी किसी भी प्रकार की समस्या आती है, तो वे सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय से संपर्क करें। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रत्येक सांसद से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और उनके संसदीय क्षेत्र व वहां चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने धाराशिव से सांसद ओमराजे निंबालकर से उनके योग अभ्यास के बारे में भी पूछा। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के शिवसेना शिंदे ग्रुप और एनसीपी अजीत पवार के ग्रुप के कई सांसदों से मराठी में भी बात की।

40 साल बाद बोफोर्स केस बंद

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की आखिरी याचिका

करीब 40 साल पुराने बोफोर्स घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट ने आखिरी याचिका भी खारिज कर दी। इसके साथ ही अब यह मामला पूरी तरह खत्म हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब इस केस में आगे सुनवाई की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने 2005 के दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली अपील भी सुनने से मना कर दिया, जिसमें हिंदुजा ब्रदर्स और बोफोर्स कंपनी को बरी कर दिया गया था। यह मामला 1986 में भारत सरकार और स्वीडन की कंपनी एबी बोफोर्स के बीच हुई 1,437 करोड़ रुपए की तोप खरीद डील से जुड़ा है। 1987 में खुलासा हुआ कि इस सौदे को हासिल करने के लिए कथित रूप से कमीशन (रिश्वत) दिया गया। घोटाले के आरोप से राजीव गांधी 1989 का चुनाव हार गए थे। इसके बाद यह मामला देश के सबसे बड़े राजनीतिक घोटालों में शामिल हो गया। बोफोर्स केस लंबे समय तक चर्चा में रहा, लेकिन अदालत में यह टिक नहीं सका। इसकी सबसे बड़ी वजह जांच और सबूतों से जुड़ी खामियां रहीं। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2005 के फैसले में कहा कि सीबीआई आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त और भरोसेमंद सबूत नहीं दे सकी। आरोप तो लगाए गए, लेकिन उन्हें सीधेतौर पर किसी आरोपी से जोड़ने वाली कड़ी नहीं मिल पाई। जांच में सीबीआई को स्वीडन से जो कागज मिले, वे असली नहीं थे और ठीक से सत्यापित भी नहीं थे। कोर्ट ने कहा कि ऐसे कागजों के आधार पर किसी को आरोपी बनाना सही नहीं है और इससे न्याय प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल होता है। कमीशन का आरोप था, लेकिन यह साबित नहीं हो सका कि जो पैसा मिला, वह सीधेतौर पर इस डील से जुड़ा था या किसी आरोपी तक पहुंचा। जांच और कानूनी प्रक्रिया में सालों की देरी हुई। इससे न सिर्फ सबूत कमजोर पड़े, बल्कि कई अहम गवाह और आरोपी भी समय के साथ उपलब्ध नहीं रहे। इससे केस की विश्वसनीयता पर असर पड़ा।

सीबीआई की आखिरी कोशिश

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले तक भी सीबीआई इस मामले में कुछ नई जानकारियां ढूंढने में लगी हुई थी। एजेंसी ने अमेरिका के माइकल हर्शमैन से जुड़ी जानकारी पाने की कोशिश की। हर्शमैन ने 2017 में कहा था कि बोफोर्स डील की जांच को उस समय की सरकार ने प्रभावित किया था और वो खुद इस मामले में मदद करना चाहते थे। लेकिन जब सीबीआई ने उनसे जुड़े कागज और रिकॉर्ड मांगे तो कुछ खास हाथ नहीं लगा। एजेंसी ने इंटरपोल और अमेरिका के अधिकारियों को कई बार चिट्ठियां भी भेजीं, लेकिन वहां से भी कोई ठोस जवाब नहीं मिला। आखिर में सीबीआईको 2025 में कोर्ट के जरिए 'लेटर रोगेटरी' भेजकर अमेरिका से मदद मांगनी पड़ी। कोर्ट ने भी माना था कि हर्शमैन के दावों की सच्चाई जानने के लिए विदेश में जांच जरूरी है। जब सीबीआई को किसी केस में विदेश से सबूत चाहिए होते हैं तो एजेंसी अदालत के जरिए दूसरे देश से मदद मांगने के लिए आधिकारिक चिट्ठी भेजती है।

हितकारिणी लॉ कॉलेज में सफलतापूर्वक आंतरिक परीक्षाओं का आयोजन सम्पन्न

एलएलबी, बीएएलएलबी एवं एलएलएम के परीक्षार्थियों ने लिया भाग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी लॉ कॉलेज में एलएलबी, बीए एलएलबी एवं एलएलएम पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों की आंतरिक परीक्षाओं का सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्ण आयोजन किया गया। परीक्षा का संचालन महाविद्यालय प्रशासन द्वारा निर्धारित परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार पूर्ण पारदर्शिताए अनुशासन एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराया गया। परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों की सुविधा एवं परीक्षा की गरिमा बनाए रखने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने परीक्षा संचालन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया, जिसके परिणामस्वरूप समस्त परीक्षाएं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुईं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विकास सिंह एवं उप प्राचार्य डॉ भावना वर्मा ने सफल परीक्षा आयोजन पर समस्त शिक्षकों, परीक्षा कार्य में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ष्आंतरिक परीक्षाएं विद्यार्थियों के सतत् शैक्षणिक मूल्यांकन का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इन परीक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर प्राप्त होता है तथा उनकी विषयगत समझ और अध्ययन क्षमता का समुचित आकलन किया जा सकता है।

अनुशासित एवं पारदर्शी वातावरण में आयोजित हुई परीक्षाएं

परीक्षा प्रभारी मोनिका सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में सभी परीक्षाएं विश्वविद्यालय एवं नियामक संस्थाओं के दिशा निर्देशों के अनुरूप अनुशासित एवं पारदर्शी वातावरण में आयोजित की गईं। उन्होंने विद्यार्थियों के अनुशासित व्यवहार तथा परीक्षा कार्य में सहयोग देने वाले समस्त प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। महाविद्यालय प्रबंधन ने परीक्षा के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना की तथा गुणवत्तापूर्ण विधि शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उक्त परीक्षाओं के सुचारु संचालन में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक अभिषेक नेमा, राजेश सेन, लोकेन्द्र सिंह, प्रशांत वर्मा, शिवांगी गोलछा, यामिनी मिश्रा, अश्विनी दोशी, उर्वशी, दीपांकर तिवारी, देवेन्द्र पाडे, नवीन जैनए रामबाबू आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

टेलीकॉम फैक्ट्री भूमि में आधुनिक टेलीकॉम क्लस्टर और सेमीकंडक्टर चिप निर्माण सेंटर बनाने की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

ऐतिहासिक टेलीकॉम फैक्ट्री की भूमि एवं उपलब्ध औद्योगिक अधोसंरचना का उपयोग शहर के औद्योगिक एवं तकनीकी विकास के लिए किया जाना चाहिए। इसे केवल भूमि अथवा परिसंपत्ति के रूप में देखने के बजाय आधुनिक टेलीकॉम, सेमीकंडक्टर चिप निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेक्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने की दिशा में केंद्र एवं राज्य सरकार को ठोस पहल करनी चाहिए। यह कथन है फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष हिमांशु खरे का। डिजिटल इंडिया उन्होंने कहा कि देश में आज मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत तथा स्वदेशी इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकॉम उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे समय में जबलपुर की टेलीकॉम फैक्ट्री का पुनरुद्धार एक बड़े औद्योगिक अवसर के रूप में किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि टेलीकॉम फैक्ट्री को आधुनिक टेलीकॉम क्लस्टर बनाने से यहां 5 जी/6 जी नेटवर्क से संबंधित उपकरण, नेटवर्किंग इक्विपमेंट, राउटर, स्विच, ट्रांसमिशन उपकरण एवं अन्य टेलीकॉम हार्डवेयर का निर्माण किया जा सकता है। इससे ऑप्टिकल फाइबर केबल, फाइबर टर्मिनेशन एवं नेटवर्किंग उपकरणों का निर्माण तथा परीक्षण भी संभव हो सकेगा।

डीपीआर तैयार कर कार्ययोजना बनाने की मांग

अनुसंधान केंद्र इसी तर्ज पर भविष्य की संचार तकनीक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित नेटवर्क तथा स्मार्ट कम्युनिकेशन सिस्टम पर अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित किया जा सकता है। रक्षा संसाधन जबलपुर की रक्षा उत्पादन से जुड़ी मजबूत औद्योगिक पृष्ठभूमि को देखते हुए डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स, सर्विलांस उपकरणों के निर्माण की दिशा में उद्योग स्थापित किए जा सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स के निर्माण की इकाइयां स्थापित की जा सकती हैं। केंद्र सरकार द्वारा इस सेक्टर को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। फेडरेशन के कार्यसमिति सदस्य आशीष सक्सेना, कमल ग्रोवर, बलदीप मैनी, अरुण पवार, अशोक कपूर आदि ने कहा कि जबलपुर में पहले से ही टेलीकॉम क्षेत्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है तथा ऐसे में बंद पड़ी टेलीकॉम फैक्ट्री को इस पूरे इकोसिस्टम का मैन्युफैक्चरिंग हब बनाया जा सकता है। फेडरेशन ने केंद्रीय संचार मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा मप्र सरकार से आग्रह किया है कि टेलीकॉम फैक्ट्री की वर्तमान स्थिति, भूमि एवं भवनों का तकनीकी एवं व्यावसायिक अध्ययन कराकर एक विस्तृत डीपीआर तैयार की जाए और निजी क्षेत्र की भागीदारी से यहां नए उद्योग एवं प्रोजेक्ट लाने की कार्ययोजना बनाई जाए।

महाकौशल विश्वविद्यालय में फ्रॉड प्रिवेंशन व बैंकिंग अवेयरनेस पर व्याख्यान का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। महाकौशल विश्वविद्यालय व आईसीआईसीआई बैंक के संयुक्त तत्वावधान में फ्रॉड प्रिवेंशन एंड बैंकिंग अवेयरनेस पर आयोजित व्याख्यान में आईसीआईसीआई बैंक के कॉर्पोरेट हेड विक्रम पवार ने संबोधित करते हुए कहा कि हम एक ऐसे विषय पर बात करने के लिए एकत्रित हुए हैं, जो सीधे हमारे डिजिटल जीवन और हमारी मेहनत की कमाई से जुड़ा है, फ्रॉड प्रिवेंशन एंड बैंकिंग अवेयरनेस। आज का युवा वर्ग डिजिटल तकनीक का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। हम एक क्लिक पर खाना ऑर्डर करते हैं, कपड़े खरीदते हैं और अपनी फीस जमा करते हैं। लेकिन इसी सुगमता के पीछे डिजिटल ठगों का एक जाल भी छिपा है। साइबर अपराध की दुनिया में गोल्डन आवर (पहले 2 घंटे) सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। आईसीआईसीआई बैंक से शिवांशु तिवारी, रविकांत, रजनीश पांडेय, अंजली सिंह ने बताया कि आपके धन और पहचान की सुरक्षा हमारे लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी आपके लिए। आइए, मिलकर इसकी रक्षा करें। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय परिवार ने आईसीआईसीआई बैंक व टीम के आभार व्यक्त किया।

बाल चित्रकला स्पर्धा आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गुंजन कला सदन मप्र द्वारा बुंदेली दिवस समारोह के तारतम्य में किरन देवी अग्रवाल स्मृति बाल चित्रकला स्पर्धा 8 अगस्त को दोपहर 2 बजे से हितकारिणी हायर सेकंडरी स्कूल गोविंदगंज, दमोहनाका हितकारिणी कन्या शाला बीटी बंगला गढ़ा, स्कॉटिश कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल महाराजपुर, सेंट्रल एकेडमी स्कूल, मथुरा विहार विजयनगर में एक साथ प्रारंभ होगी। प्रतियोगिता 4 आयु वर्गों में केजी स्तर, प्रायमरी, मिडिल एवं हाई/ हायर सेकंडरी स्तर में होगी।

हितकारिणी डेंटल की टीम ने लगाया निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कैंटोनमेंट कटंगा मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क दंत स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग की 4 सदस्यीय चिकित्सक टीम ने शिविर में सक्रिय सहभागिता की। यह सहभागिता कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. राजेश धीरवानी, प्राचार्य डॉ. रोहित मिश्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। शिविर के दौरान माता-पिता एवं अभिभावकों की उपस्थिति में 200 विद्यार्थियों का निःशुल्क दंत एवं मौखिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के दौरान विद्यार्थियों में पाई गई दंत समस्याओं की पहचान कर उन्हें आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया तथा अभिभावकों को भी बच्चों के मौखिक स्वास्थ्य, नियमित दंत जांच एवं समय पर उपचार के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। चिकित्सक दल द्वारा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को सही तरीके से ब्रश करने, उचित मौखिक स्वच्छता बनाए रखने, स्वस्थ खान-पान की आदतें अपनाने तथा दंत रोगों की रोकथाम के संबंध में सरल एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। शिविर का उद्देश्य बच्चों में कम उम्र से ही मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करने के साथ-साथ अभिभावकों को बच्चों की दंत स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील बनाना रहा। इस अवसर पर पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग से डॉ अंकिता सिंह की सक्रिय सहभागिता रही, जिनकेक प्रयासों से शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

लोक कल्याण भूमिका समिति को मिला राष्ट्रीय सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सामाजिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली लोक कल्याण भूमिका समिति को नेशनल सीएसआर टाइम्स द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अवॉर्ड समारोह में प्रतिष्ठित नेशनल सीएसआर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान संस्था द्वारा जबलपुर जिले के कुण्डम विकासखंड में एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से संचालित ग्राम सक्षम परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण विकास, आजीविका संवर्धन एवं कौशल विकास के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया गया।इस गरिमामय समारोह में एसबीआई की ओर से सिद्ध लिंगेस तथा लोक कल्याण भूमिका समिति की अध्यक्ष रेखा कुशवाहा, सचिव नरेंद्र कुमार शर्मा एवं विनीत यति ने संस्था का प्रतिनिधित्व किया।

हितकारिणी कन्या शाला में प्राईड ग्रुप ने लगाई सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। समाज सेवा में अग्रणी जबलपुर प्राईड ग्रुप द्वारा समाज हेतु लगातार सेवा कार्य किए जाते रहे। प्राईड ग्रुप द्वारा लगभग 3 वर्ष पूर्व जबलपुर शहर के सभी महिला स्कूलों और कॉलेज में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन लगाने का संकल्प लिया गया था। उसी कड़ी में हितकारिणी कन्या शाला बीटी तिराहा गढ़ा में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन लगाई गई। प्राईड ग्रुप के लिए बहुत ही गर्व की बात है कि ग्रुप द्वारा यह 41 वीं सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन लगाई गई। इसके साथ ही हितकारिणी कन्या शाला में पढ़ने वाली ऐसी ऐसी बच्चियां जो अपनी फीस चुका पाने में असमर्थ थी उन 6 बच्चियों के लिए जबलपुर प्राइड ग्रुप द्वारा पूरे वर्ष भर की फीस भी प्रदान की गई। इसके साथ ही स्कूल में पौधा रोपण करने के अनुरोध पर बताया गया कि बहुत जल्दी वहां पर पौधारोपण किया जाएगा। इस अवसर पर राइट ग्रुप के अध्यक्ष परमजीत सिंह कलसी, संरक्षक एसपी दत्ता, प्रशासन संचालक जीपी अग्रवाल, उपाध्यक्ष संतोष पटेल, वित्त संचालक महेंद्र सिंह बेदी, सुभाष अग्रवाल, श्रीनिवास महाराणा, श्रीकृष्ण अग्रवाल, सुनील गुप्ता, हितकारिणी विज्ञान, वाणिज्य व कला महाविद्यालय देवताल गढ़ा शासी निकाय अध्यक्ष शिवदत्त मिश्रा, हितकारिणी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्राचार्य व अन्य प्राध्यापक आदि उपस्थित रहे।

जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी के विखंडन पर बढ़ा जनाक्रोश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र के इकलौते आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी जबलपुर के विखंडन और इसे उज्जैन स्थानांतरित करने की प्रशासनिक कवायद के खिलाफ शहर में तीव्र जनाक्रोश भड़क उठा है। स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों ने शासन प्रशासन के इस कदम पर कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए स्पष्ट चेतावनी दी है कि जबलपुर के शैक्षणिक व चिकित्सकीय स्वाभिमान पर यह हमला कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि इस विखंडन प्रक्रिया को तुरंत नहीं रोका गया, तो शहर की जनता सड़कों पर उतरकर आमरण अनशन, उग्र आंदोलन और आगामी चुनावों के पूर्ण बहिष्कार जैसे कठोर निर्णय लेने के लिए बाध्य होगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के विभिन्न संभागों और जिलों में चिकित्सा महाविद्यालय खोले जाने के बावजूद एक समर्पित आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

मप्र राज्य कर्मचारी संघ के अटल उपाध्याय, देवेन्द्र पचौरी, आलोक अग्निहोत्री, मनोज सिंह, बृजेश मिश्रा, छाया पवार, सवाति मिश्रा, कविता येडे, परशुराम तिवारी, वीरेंद्र सिंह आदि ने राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी को जबलपुर में रहने देने कि मांग की है।

एपीएन कॉलेज में ओपन प्लेसमेंट केम्पस का आयोजन, 50 छात्रों को मिला पैकेज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एपीएन महाविद्यालय में आयोजित हुआ ओपन प्लेसमेंट ड्राइव में टीसीएसआईओएन द्वारा ओपन प्लेसमेंट केम्पस का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मध्यप्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र आदि राज्यों से अभ्यर्थियों ने भाग लिया जिनकी संख्या लगभग 200 थी। कार्यक्रम में समन्वयक डॉ पूजा शर्मा, डॉ सुमन मेहरा, एंव डॉ दिव्या पाराशर ने बताया कि महाविद्यालय की इस प्लेसमेट ड्राइव में पहुंचे अभ्यर्थी तकनीक के साथ विभिन्न संकायों से सम्बंधित है जो कि पूरे उत्साह और तैयारी के साथ इस केम्पस का हिस्सा बने। प्लेसमेंट हेतु आये अधिकारीगण सुभीमल मुखर्जी, हिमांशु शर्मा, अशोक पान्डे द्वारा सभी अभ्यर्थियों को सर्वप्रथम मार्ग दर्शित किया गया और उनका साक्षात्कार लिया गया। टीसीएस के समन्वयक आशीष चौबे द्वारा सभी अभ्यर्थियों को केम्पस की प्राथमिक जानकारियों से अवगत कराया गया। इस केम्पस ड्राइव मे लगभग 50 अभ्यर्थियों को चयनित किया गया। इस कार्यक्रम के सफल संचालन पर हर्ष व्यक्त करते हुये संस्था अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने कहा कि छात्रों की शिक्षा पूर्ण होने के साथ यदि उन्हें इसी के सामानांतर रोजगार का अवसर मिलना वाकई हर्ष का विषय है। वहीं महाविद्यालय रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, संस्था डायरेक्टर मयंक श्रीवास्तव, प्राचार्या डॉ सोनल खरे ने कार्यक्रम के सफल संचालन पर महाविद्यालय टीम को बधाई दी।

शराब दुकान के विरोध में ग्रामीणों ने किया जमकर प्रदर्शन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। जनपद पंचायत मझौली की ग्राम पंचायत आलासूर (सिमरिया) सुनगवां में प्रस्तावित शराब दुकान के विरोध में ग्रामीणों ने शुक्रवार दोपहर सिहोरा एसडीएम कार्यालय के सामने धरना दिया। दोपहर 3 से 4 बजे तक चले धरने में ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद कलेक्टर के नाम तहसीलदार विश्वास भंडारी को ज्ञापन सौंपकर शराब दुकान नहीं खोलने की मांग की। महिला सरपंच सुमन लता दहिया, जिला पंचायत सदस्य प्रदीप पटेल, उपसरपंच जोहरी प्रसाद कुर्मी, अनिल पटेल, राजू पटेल, मनोज पटेल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष धरने में शामिल हुए। ग्रामीणों का कहना है कि जहां शराब दुकान खोली जा रही है, वहीं से गांव के बच्चे स्कूल आते-जाते हैं। दुकान खुलने के बाद महिलाओं, बेटियों और बुजुर्गों का रास्ते से निकलना मुश्किल होगा। ग्रामीणों ने छेड़खानी और गांव का माहौल खराब होने की आशंका जताई।

धरने में शामिल राजकुमारी ने कहा कि सरकार नशे से दूर रहने का अभियान चला रही है, दूसरी ओर गांवों में शराब दुकानें खोली जा रही हैं। मीराबाई ने कहा कि दुकान किसी भी कीमत पर नहीं खुलने देंगे और जरूरत पड़ी तो पूरा गांव भूख हड़ताल करेगा। ग्रामीणों ने दुकान खुलने की स्थिति में उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। तहसीलदार विश्वास भंडारी ने बताया कि ज्ञापन एसडीएम को भेज दिया गया है। मालूम हो कि गुरुवार को आबकारी विभाग पुलिस बल के साथ कलेक्टर का आदेश लेकर पहुंचा था, जहां ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा था।

38 वर्ष पुराने 132 केवी विनोबा भावे जबलपुर सबस्टेशन का हुआ उन्नयन

रीमॉडलिंग-अपग्रेडेशन कार्य पूर्ण, वैकल्पिक विद्युत आपूर्ति व्यवस्था हुई मजबूत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने जबलपुर के 132 केवी विनोबा भावे सबस्टेशन का रीमॉडलिंग एवं अपग्रेडेशन कार्य पूर्ण कर लिया है। लगभग 38 वर्षों से जबलपुर स्थित मप्र के उच्च न्यायालय, सिविल लाइन्स, रेलवे, कमीशनरी, कलेक्ट्रेट, सिविक सेंटर आदि जैसे अति महत्वपूर्ण क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा यह सबस्टेशन अब उन्नत तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित हो गया है। उन्नयन कार्य के तहत सबस्टेशन की क्षमता, विश्वसनीयता तथा वैकल्पिक विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत किया गया है, जिससे आने वाले वर्षों में बढ़ती मांग को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सकेगा।

डबल 132 केवी सप्लाई की हुई व्यवस्था

जबलपुर क्षेत्र के इस अति महत्वपूर्ण सब स्टेशन से विद्युत आपूर्ति की निरंतरता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सबस्टेशन में 132 केवी की नई ऑग्ज़ीलियरी बस विकसित की गई है, जिससे आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक (डबल) सप्लाई व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त पुराने ब्रेकरों के स्थान पर नवीन तकनीक आधारित ब्रेकर स्थापित किए गए हैं, जो फॉल्ट की स्थिति में त्वरित ट्रिप होकर विद्युत प्रणाली की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। उन्नयन कार्य के दौरान आवश्यक सिविल एवं तकनीकी कार्य भी गुणवत्तापूर्वक संपादित किए गए हैं।

लगाए गए जेबरा कंडक्टर

अपग्रेडेशन के तहत 132 केवी का नया डबल सर्किट फीडर बे निर्मित किया गया तथा बस कप्लर स्थापित किए गए हैं, जिससे सबस्टेशन की ऑपरेशनल कैपेसिटी में वृद्धि हुई है। इसके साथ ही पुराने पैंथर कंडक्टर के स्थान पर उच्च क्षमता वाले जेब्रा कंडक्टर लगाए गए हैं, जिससे भविष्य में बढ़ने वाले विद्युत लोड को सुगमता से वहन किया जा सकेगा। सबस्टेशन के दोनों पावर ट्रांसफार्मरों की रिकंडीशनिंग एवं री-पेंटिंग भी की गई है, जिससे उनकी कार्यक्षमता और उपयोगी आयु में वृद्धि होगी। जबलपुर शहर के लिए इस महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने में एमपी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता आर सी शर्मा, कार्यपालन अभियंता नरेंद्र पटेल, सहायक अभियंता चेतन यादव,सबस्टेशन सुपरवाइजर आरके श्रीवास्तव आदि का योगदान रहा।

सावन : जब लोक परंपराएं बन जाती हैं...

सावन का महीना भारतीय जीवन में केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि उत्साह, आस्था और लोक संस्कृति के नए रंग लेकर आता है। रिमझिम बारिश, मिट्टी की सौंधी खुशबू, हरियाली से लहलहाते खेत और पेड़ों पर झूलते झूले इस महीने की पहचान हैं। प्रकृति का यह मनमोहक रूप लोगों के मन में नई ऊर्जा और उल्लास का संचार करता है। यही कारण है कि सावन को भारतीय संस्कृति का सबसे जीवंत और रंगों से भरा महीना माना जाता है।

लोक परंपराओं की अनमोल विरासत

इस महीने हरियाली तीज, नाग पंचमी, हरियाली अमावस्या और रक्षाबंधन जैसे पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाए जाते हैं। महिलाएं पारंपरिक परिधान पहनकर मेहंदी रचाती हैं, पेड़ों पर झूले झूलती हैं और कजरी, मल्हार तथा सावनी लोकगीतों के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त करती हैं। गांवों में लगने वाले मेले, लोकनृत्य और सांस्कृतिक आयोजन सामाजिक मेल-जोल और भाईचारे को मजबूत बनाते हैं।

प्रकृति से जुड़ने का अवसर

इस दौरान हरियाली अमावस्या पर पौधारोपण, जल संरक्षण और स्वच्छता अभियान जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वर्षा से नदियां, तालाब और जलाशय भर जाते हैं, जिससे जल स्रोतों का संरक्षण होता है। यह महीना हमें प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने और हरियाली बढ़ाने का संदेश देता है।

परिवार और समाज को जोड़ता है सावन

पूजा-अर्चना, पारंपरिक व्यंजन, लोकगीत और सामूहिक उत्सव रिश्तों में अपनापन और प्रेम बढ़ाते हैं। बच्चे अपनी संस्कृति और परंपराओं से परिचित होते हैं, जबकि बुजुर्ग अपने अनुभवों के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कारों का महत्व बताते हैं। यही परंपराएं सामाजिक एकता और सांस्कृतिक निरंतरता को मजबूत करती हैं।

आज भी बरकरार है सावन का महत्व

आधुनिक जीवनशैली और तकनीक के दौर में भी सावन का महत्व कम नहीं हुआ है। यह महीना हमें प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीने, परिवार के साथ समय बिताने और अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की प्रेरणा देता है।

कंचन बलैया

शिक्षक, हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविंदगंज, दमोह नाका, जबलपुर

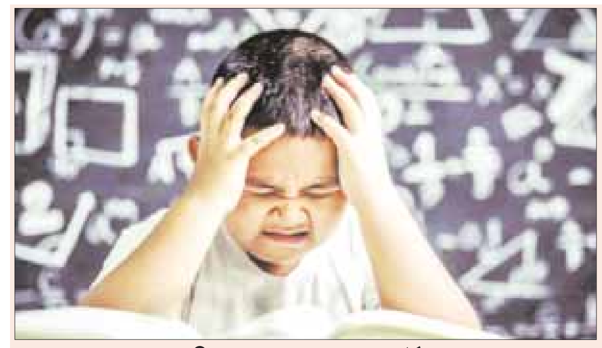

बाल मन की समस्याएं और समाधान

बचपन जीवन का सबसे संवेदनशील दौर होता है। इसी उम्र में बच्चों का मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास होता है। यदि इस दौरान उन्हें सही मार्गदर्शन और सहयोग मिले, तो उनका व्यक्तित्व सकारात्मक दिशा में विकसित होता है। वहीं उपेक्षा, अत्यधिक दबाव या संवाद की कमी कई व्यवहार संबंधी समस्याओं को जन्म दे सकती है।

बच्चों में क्यों आती हैं व्यवहार संबंधी समस्याएं ?

बच्चों की समस्याओं के पीछे कई कारण हो सकते हैं। परिवार में तनावपूर्ण माहौल, माता-पिता का पर्याप्त समय न दे पाना, बच्चों से जरूरत से ज्यादा अपेक्षाएं, स्कूल में उपेक्षा, साथियों से तालमेल की कमी और पढ़ाई का दबाव उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। ऐसे बच्चे कई बार चिड़चिड़े, गुस्सैल, आत्मविश्वास की कमी वाले या पढ़ाई में कमजोर दिखाई देते हैं।

समय पर पहचान है सबसे जरूरी

हर बच्चे की क्षमता और रुचि अलग होती है। इसलिए सबसे पहले उसकी योग्यता, सीखने की गति और व्यवहार को समझना जरूरी है। यदि किसी बच्चे में सीखने, बोलने, ध्यान लगाने या व्यवहार संबंधी कठिनाइयां दिखाई दें, तो उन्हें नजरअंदाज करने के बजाय समय पर मनोवैज्ञानिक या विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए।

सकारात्मक मार्गदर्शन से मिलता है समाधान

बच्चों को डांटने या दंड देने के बजाय उनसे खुलकर बातचीत करना, उनकी भावनाओं को समझना और उनकी रुचि के अनुसार सीखने का अवसर देना अधिक प्रभावी होता है। खेलकूद, रचनात्मक गतिविधियां, कौशल विकास और परिवार का सहयोग बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उज्ज्वल भविष्य की कुंजी

यदि परिवार, विद्यालय और विशेषज्ञ मिलकर बच्चों को सहयोगपूर्ण वातावरण दें, तो वे न केवल अपनी समस्याओं पर विजय पा सकते हैं, बल्कि जीवन में बेहतर निर्णय लेने और अपने लक्ष्य हासिल करने में भी सफल हो सकते हैं। यही सशक्त मार्गदर्शन उन्हें जिम्मेदार, संवेदनशील और आत्मनिर्भर नागरिक बनने की दिशा देता है।

डॉ. श्रद्धा तिवारी

सीनियर साइकोलॉजिस्ट
नेताजी सुभाषचंद्र बोस गवर्मेंट मेडिकल कालेज, जबलपुर।

क्यों गुस्सैल होती जा रही है नई पीढ़ी?

आज के समय में बच्चों और किशोरों के स्वभाव में बढ़ती आक्रामकता समाज के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करना, मारपीट करना या सोशल मीडिया पर हिंसक व्यवहार दिखाना पहले की तुलना में अधिक देखने को मिल रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इसके पीछे बदलती जीवनशैली, डिजिटल दुनिया का बढ़ता प्रभाव और पारिवारिक परिस्थितियां प्रमुख कारण हैं।

बच्चों का अधिकांश समय अब मोबाइल फोन, ऑनलाइन गेम और सोशल मीडिया पर बीतता है। हिंसक गेम, आक्रामक वीडियो और लगातार स्क्रीन के सामने रहने से उनके व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कई शोध बताते हैं कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों में चिड़चिड़ापन, गुस्सा और आवेगपूर्ण व्यवहार को बढ़ा सकता है।

कामकाजी माता-पिता, छोटे होते परिवार और बच्चों के साथ कम समय बिताने की प्रवृत्ति के कारण कई बच्चे भावनात्मक रूप से अकेलापन महसूस करते हैं। वहीं, स्कूलों में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, अच्छे अंक लाने का दबाव और भविष्य की चिंता भी मानसिक तनाव का कारण बन रही है। यह तनाव कई बार गुस्से और आक्रामक व्यवहार के रूप में सामने आता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि हर गुस्सैल बच्चा गलत नहीं होता, बल्कि उसका व्यवहार किसी मानसिक तनाव या संवाद की कमी का संकेत भी हो सकता है। इसलिए बच्चों को डांटने के बजाय उनकी बात सुनना, उनके साथ समय बिताना, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित करना तथा जरूरत पड़ने पर मनोवैज्ञानिक की सलाह लेना अधिक प्रभावी उपाय हैं।

उज्ज्वला कौर

शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी
देवताल, गढ़ा, जबलपुर

बेटियां: सशक्त समाज की मजबूत नींव

बेटियां परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वे बेटी, बहन, पत्नी और मां जैसे अनेक रूपों में अपने प्रेम, त्याग और जिम्मेदारियों से परिवार तथा समाज को सशक्त बनाती हैं। एक बेटी जहां माता-पिता का सहारा बनती है, वहीं शिक्षित मां के रूप में आने वाली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण भी करती है। इसलिए कहा जाता है कि बेटी है तो भविष्य है।

समाज में लंबे समय तक बेटियों के प्रति भेदभाव और शिक्षा से वंचित रखने जैसी समस्याएं सामने आती रहीं। इन्हीं चुनौतियों को दूर करने के लिए वर्ष 2015 में केंद्र सरकार ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत की। इसका उद्देश्य बालिकाओं के जन्म को प्रोत्साहित करना, उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना और समाज में उनके प्रति सम्मान की भावना विकसित करना है।

आज बेटियां शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, सेना, चिकित्सा और अंतरिक्ष जैसे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। वे न केवल अपने परिवार का नाम रोशन कर रही हैं, बल्कि देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। एक शिक्षित और सशक्त बेटी ही विकसित, समृद्ध और संवेदनशील भारत की मजबूत नींव रख सकती है। इसलिए आइए, बेटियों का सम्मान करें, उन्हें शिक्षित बनाएं और उनके सपनों को नई उड़ान दें।

रूपाली सोनी

कक्षा नवमीं
हितकारिणी कन्या शाला, बी. टी. तिराहा, गढ़ा, जबलपुर।

घर पर बनाएं स्वादिष्ट तिरंगा बर्फी

15 अगस्त के अवसर पर घर में कुछ खास और देशभक्ति के रंगों से सजी मिठाई बनाना चाहते हैं, तो तिरंगा बर्फी बेहतरीन विकल्प है। यह स्वादिष्ट होने के साथ दिखने में भी आकर्षक होती है। सबसे अच्छी बात यह है कि यह कम समय में आसानी से तैयार हो जाती है।

आवश्यक सामग्री- 2 कप मावा, 1 कप नारियल का बुरादा, आधा कप पिसी चीनी, 2 बड़े चम्मच दूध, 1 छोटा चम्मच इलायची पाउडर, 2-3 बूंद केसर या ऑरेंज फूड कलर, 2-3 बूंद हरा फूड कलर या पालक की गाढ़ी प्यूरी, 1 बड़ा चम्मच घी, पिस्ता, बादाम की कतरन सजावट के लिए

बनाने की विधि- सबसे पहले एक कड़ाही में घी गर्म करें और उसमें मावा डालकर 2 से 3 मिनट तक हल्का भून लें। अब इसमें पिसी चीनी, नारियल का बुरादा, दूध और इलायची पाउडर मिलाकर अच्छी तरह चलाएं। मिश्रण तैयार होने पर इसे तीन बराबर हिस्सों में बांट लें। पहले हिस्से को सफेद ही रहने दें। दूसरे हिस्से में केसर या ऑरेंज फूड कलर मिलाकर केसरिया रंग तैयार करें। तीसरे हिस्से में हरा फूड कलर या पालक की प्यूरी मिलाकर हरा रंग तैयार करें। अब एक घी लगी ट्रे या प्लेट में सबसे पहले हरे रंग की परत फैलाएं। इसके ऊपर सफेद मिश्रण की परत और सबसे ऊपर केसरिया मिश्रण की परत समान रूप से बिछाएं। हल्के हाथों से दबाकर ऊपर से पिस्ता बादाम की कतरन डालें। इसे 30 से 40 मिनट के लिए फ्रिज में सेट होने दें। इसके बाद काटकर परोसें।

छोटे गमले, बड़ी हरियाली

बालकनी को दें नेचुरल और शानदार लुक

शहरों में अधिकांश लोग सीमित जगह के कारण बालकनी में ही गार्डन तैयार करते हैं। अक्सर यह धारणा होती है कि छोटे गमलों में केवल छोटे पौधे ही लगाए जा सकते हैं, लेकिन सही देखभाल, पर्याप्त धूप और बड़े गमले के साथ कई पौधे आश्चर्यजनक रूप से बड़े आकार में विकसित हो सकते हैं। ये पौधे न केवल आपकी बालकनी की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि घर को प्राकृतिक और ताजगी भरा वातावरण भी देते हैं।

1 मॉन्स्टेरा- ट्रॉपिकल लुक का शानदार पौधा

मॉन्स्टेरा अपनी अनोखी कटावदार पत्तियों के कारण बेहद लोकप्रिय है। बड़े गमले और मॉस पोल का सहारा मिलने पर यह पौधा 6 फीट या उससे अधिक ऊंचाई तक बढ़ सकता है। इसकी बड़ी-बड़ी हरी पत्तियां बालकनी को आकर्षक ट्रॉपिकल गार्डन जैसा रूप देती हैं।

2 एलिफेंट ईयर- विशाल पत्तियों की खूबसूरती

यदि आप बालकनी में अलग और प्रभावशाली पौधा चाहते हैं, तो एलिफेंट ईयर बेहतरीन विकल्प है। इसकी दिल के आकार की चौड़ी पत्तियां दो फीट तक फैल सकती हैं। पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी, नियमित सिंचाई और पर्याप्त धूप मिलने पर यह पौधा तेजी से बढ़ता है।

3 बर्ड ऑफपैराडाइज- हरियाली के साथ रंगों का संगम

बर्ड ऑफ पैराडाइज अपनी केले जैसी चौड़ी पत्तियों और आकर्षक फूलों के लिए प्रसिद्ध है। बड़े गमले में यह 5 से 6 फीट तक ऊंचा हो सकता है। पर्याप्त धूप मिलने पर कुछ वर्षों बाद इसमें नारंगी और नीले रंग के सुंदर फूल भी खिलते हैं, जो इसकी खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देते हैं।

4 पपीता- गमले में भी मिलेगा ताजा फल

यदि आपके पास थोड़ा बड़ा ग्रो बैग या गहरा गमला है, तो पपीते का पौधा भी आसानी से लगाया जा सकता है। अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी और भरपूर धूप मिलने पर यह तेजी से बढ़ता है और एक-दो वर्ष में फल देना भी शुरू कर सकता है। यह बालकनी को हराभरा बनाने के साथ ताजे फलों का आनंद भी देता है।

5 करी पत्ता- सुंदरता और उपयोगिता का अनोखा मेल

करी पत्ता का पौधा धीरे-धीरे घनी झाड़ी का रूप ले लेता है। नियमित छंटाई, पर्याप्त धूप और बड़े गमले में यह कई फीट ऊंचा हो सकता है। इसकी ताजी पत्तियां रसोई में रोजाना उपयोगी होती हैं, वहीं इसकी हरियाली बालकनी की शोभा भी बढ़ाती है।

शब्द पहेली - 8943

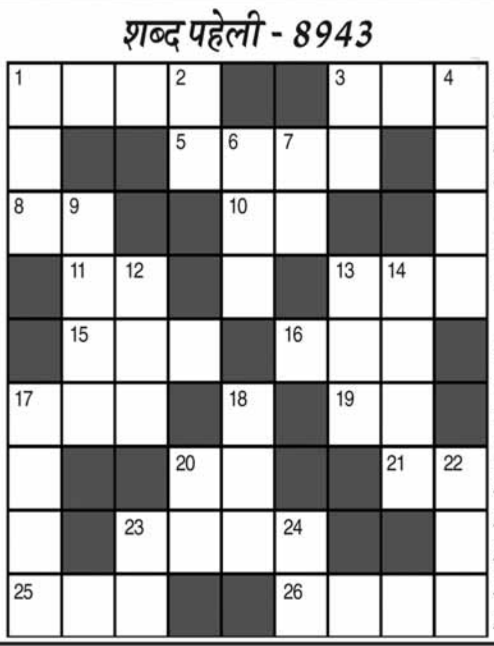

बाएँ से दाएँ

1. ओस की बूंदे (उर्दू-4)
3. आसमान, गगन-3
5. निम्न, जो स्तरीय न हो-4
8. रात्रि, निशा-2
10. सिलना, छाती
11. नश, नाड़ी-2
13. एक समाज सुधारक जिनके दोहे काफी प्रसिद्ध हैं-2
15. इसे आंखों में लगाते हैं-3
16. प्रभाव-3
17. समीप, पास, नजदीक-3
19. भगवान, खुदा-2
20. जानवर इसे खाते हैं-2
21. होठ, अधर-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. प्रकार-3
26. बेबस, लाचार-4

ऊपर से नीचे

1. चिंगारी, अंगारा-3
2. मस्ती में चूर-2
3. इज्जत, साख-2
4. तलवार (उर्दू-4)
6. रसदार, रस से भरा-3
7. मेहंदी, ऋषि कपूर की फिल्म-2
9. सब्जी, भाजी-4
13. कमी-3
14. अकबर के एक हिंदू सलाहकार-4
17. अचरज भरा कार्य-4
18. वायुसेना के एक विमान का नाम-3
20. चाहत, प्रेम-2
22. ऋतुराज, मौज-मस्ती-3
23. रास्ता, डगर-2
24. एक पेड़ जिसकी टहनी से दातुन करते हैं-3

शब्द पहेली -8942 का हल

	ब	र	ग	द		स		
	द		म		कि	फ़ा	य	त
अ	ना	प		कि	श	या		ह
	म	र	ना		ये		श	जी
प्र		स	म	झ	दा	र		ब
त्या	ग		क		र	स	ना	
रो		ज	मा	त		म	म	ता
प	न	प	ना		चो		ची	
		ना		अ	र	मा	न	

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेत में किसान पर बाघ का हमला, दो जान बचाकर भागे

विधायक मधु भगत मालखेड़ी पहुंचे, ग्रामीणों में दहशत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन वन मंडल अंतर्गत खापा परिक्षेत्र के कुमादेही बीट के ग्राम मालखेड़ी में जंगल किनारे बाघ ने तीन से चार लोगों को दौड़ाया। जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल राजकुमार परते 40 वर्ष को सिविल अस्पताल बैहर में भर्ती किया गया हैं। इस घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह मालखेड़ी निवासी राजकुमार परते, गर्जन सिंह, अमृत सिंह जंगल तरफ गए थे। तभी बाघ ने पहले अमृत सिंह, गर्जन सिंह को दौड़ाया। जिससे दोनों भाग गए, लेकिन राजकुमार परते पर बाघ ने हमला कर दिया। राजकुमार घायल अवस्था में किसी तरह से अपनी जान बचाकर गांव तक पहुंचा और घटना की जानकारी घर परिवार और गांव के लोगों को दी गई। घटना की जानकारी मिलने पर

ग्रामीणों ने उन्हें तत्काल बैहर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। इस हमले के पूर्व सुबह ही बाघ ने चार लोगों पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन किसी तरह वे भी भाग निकले। बताया जा रहा है कि पिछले एक सप्ताह के भीतर बाघ के हमले की यह तीसरी घटना है। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में बाघों की गतिविधियां बड़ गई हैं, जिससे खेतों और जंगल की ओर जाने में लोगों को डर लग रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गश्त बड़ाने, बाघ की लगातार निगरानी करने और प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की हैं।

जनपद पंचायत अध्यक्ष सम्मल सिंह धुर्वे ने बताया कि यह क्षेत्र कान्हा का बफर जोन है। जिसके कारण बाघों की अधिक संख्या है। दो अगस्त की रात में पर्रापुर स्कूलटोला में एक मकान में घुसकर बाघिन ने सुगनी बाई धुर्वे का शिकार कर लिया। इसके बाद बाघिन का रेस्क्यू कर वन विभाग ने वन विहार भोपाल भेज दिया, लेकिन अब दूसरे बाघ लोगों पर हमला कर रहे है। आरोप है कि वनकर्मी घटना के बाद से ठीक तरीके से गश्ती नहीं कर रहे है। बीएमओ डा. अनंत लिल्हारे ने बताया कि बाघ के हमले से घायल राजकुमार परते को नाक और आंख के नीचे चोटें आई है। उसकी हालत अभी ठीक है और वह खतरे से बाहर है।

विधायक ने पांच हजार की दी आर्थिक सहायता राशि

विधायक मधु भगत घायल से मिलने बैहर अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मिलकर घायल युवक के बेहतर इलाज का भरोसा देकर उन्हे तत्काल 05 हजार रूपये की सहायता राशि प्रदान की। इसके बाद वे ग्राम पर्रापुर पहुंचे और उस परिवार से मिले, जिस परिवार की एक महिला की बाघ के हमले से मौत थी। इस दौरान उन्होंने मृतिका सगनी बाई के बेटे से भी मुलाकात की और उन्हे तत्काल घर में दरवाजे की व्यवस्था किए जाने हेतु 03 हजार की सहायता प्रदान की। साथ ही कहा कि उन्हे शासन स्तर पर मुआवजा दिलवाया जायेगा। विधायक मधु भगत ग्राम मालखेड़ी भी पहुंचे और घायल राजकुमार परते के परिजनों से भी मुलाकात की और घटना के बारे में पूरी जानकारी ली।

विधायक को गांव में पाकर क्षेत्रीय लोगों का हुजूम लग गया। इस दौरान विधायक मधु भगत विभागीय अमले पर बिफर पड़े। उन्होंने तत्काल दूरभाष पर कान्हा टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर से सख्त लहजे में कहा कि जिस तरह से विभागीय अमले की कार्यप्रणाली की जमीनी हकीकत सामने आ रही है, वह कतई बर्दाश्त करने लायक नहीं है। यहां पर लोगों की जान से विभाग खिलवाड़ कर रहा है। सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर विभागीय अमला महज खानापूर्ति कर रहा है, जिसका परिणाम यह है कि बाघ लोगो पर हमले कर रहा है। वही ग्रामीणो ने वन विभाग मुदार्बाद के साथ बाघ भगाओ-आदिवासी बचाओ के नारे भी लगाए।

इनका कहना हैं

मालखेड़ी में तीन से चार लोग जंगल तरफ गए थे। तभी बाघ ने उन में से एक पर हमला कर घायल कर दिया। एक घायल का इलाज बैहर अस्पताल में चल रहा है। उसके इलाज का पूरा खर्चा वन विभाग वहन करेगा। फिलहाल में आसपास क्षेत्र में मुनादी कराकर गश्त बड़ा दी गई है।

सुनील कुमार पंद्रे, एसडीओ
कान्हा टाइगर रिजर्व

अर्जुननाला में कुएं में गिरने से पालतू भैंस की मौत

कटंगी (स्वतंत्र मत)।

कटंगी शहर के वार्ड क्रमांक 1 अर्जुननाला में शुक्रवार सुबह एक पालतू भैंस के कुएं में गिर जाने से उसकी मौत हो गई। घटना से पशु मालिक को करीब 70 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्जुननाला निवासी चैनलाल गौतम की पालतू भैंस शुक्रवार सुबह' करीब 5 बजे घर से निकल गई। चारा चरते-चरते वह बाड़ी में बने कुएं के पास पहुंच गई। स्थानीय लोगों का अनुमान है कि कुएं के ऊपर घास उगी होने के कारण भैंस को कुएं का अंदाजा नहीं लग पाया और वह सीधे उसमें जा गिरी। अंदर फंस जाने के कारण वह बाहर नहीं निकल पाई और उसकी मौत हो गई। जब काफी देर तक भैंस घर वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान दोपहर करीब 12 बजे भैंस कुएं में फंसी हुई मिली। ग्रामीणों की मदद और जेसीबी मशीन की सहायता से रस्सियों के जरिए काफी मशक्कत के बाद भैंस के शव को कुएं से बाहर निकाला गया। घटना की सूचना तुरंत पशु चिकित्सा विभाग को दी गई। विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पशु मालिक चौनलाल गौतम ने बताया कि मृत भैंस की अनुमानित कीमत लगभग 70 हजार रुपये थी।

स्कूल में शिक्षक की बिगड़ी हालत, जिला अस्पताल में मौत

हार्टअटैक या और कोई वजह, पुलिस ने कराया पीएम

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। प्राथमिक स्कूल शिक्षक लालचंद राठौर 54 वर्ष की स्कूल में हालत बिगड़ने के बाद, बिरसा अस्पताल से रिफर पर जिला अस्पताल लाया गया। यहां शिक्षक की मौत हो गई। शुक्रवार को शिक्षक का शव बरामद कर अस्पताल चौकी पुलिस ने शव का पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। शिक्षक की मौत की वजह, हार्ट अटैक है या और अन्य कारण, यह तो पीएम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगा। अस्पताल चौकी पुलिस ने बताया कि मामले में शून्य पर मर्ग कायम कर डायरी, संबंधित थाना भेजी जाएगी। जहां से मामले की अग्रिम जांच की जाएगी। बताया जाता है कि शिक्षक लालचंद पिता अनूपचंद राठौर, बालाघाट के भटेरा खैरी निवासी है, जो स्कूल में पड़ाते हुए बेहोश हो गए थे। जिसके बाद शैक्षणिक स्टॉप ने उन्हें पहले बिरसा अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उन्हें रिफर पर जिला अस्पताल लाया गया। यहां ड्युटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन रवि ने बताया कि हमें जानकारी मिली थी कि जीजाजी बेहोश हो गए है। जिसके बाद हम बिरसा अस्पताल पहुंचे। जहां से उसे जिला अस्पताल लाया। यहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आशंका है कि हार्ट अटैक से मौत हुई होगी, लेकिन मौत की वास्तविक वजह पता करने के लिए पीएम कराया जा रहा है।

बलात्कार के आरोपी को 10 वर्ष का कठोर कारावास

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। विशेष न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम ने न्यायालय के विशेष प्रकरण थाना लामता के अप0कं0 105/2023 में आरोपी दानियल पिता प्रेमलाल उम्र 40 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 17. ग्राम दुरेन्दा को धारा 376 भादवि में 10 वर्ष का कठोर कारावास एवं 10 हजार रूपये अर्थदंड से दंडित किया। जानकारी अनुसार पीडिता ने थाना लामता में उपस्थित होकर रिपोर्ट लेख कराई थी कि वह कक्षा 9वीं की पड़ाई कर रही है तथा साईकिल से स्कूल आना-जाना करती है। वह स्कूल की छुट्टी होने के बाद साईकिल से अपने घर वापस जा रही थी। जहां रास्ते में बंजारी माता मंदिर के पास शाम करीब 4.30 से 5.00 बजे के बीच उसकी साईकिल की चेन निकल गई तो वह ठीक कर रही थी। तभी गांव का दानियल मडावी आया और उसे जबरन करीब के जंगल ले जाकर बलात्कार किया।

अल्पवर्षा से प्रभावित पठार अंचल में सूख रही धान की फसल

राजीव सागर बांध से पानी छोड़ने की मांग, किसानों ने 8 अगस्त को बांध गेट पर धरने का किया ऐलान

कटंगी(स्वतंत्र मत)।

औसत अनुमान से कम यानी अल्पवर्षा के कारण तिरोड़ी तहसील के पठार अंचल में कृषि कार्य ठप पड़ गया है। धान की पौध नहीं लग पा रही है और जहां लगी है वह सूखने की कगार पर है। इससे परेशान होकर पठार अंचल के कई गांवों के किसानों ने दो राज्यों की संयुक्त सिंचाई परियोजना राजीव सागर बांध से नहर में तत्काल पानी छोड़ने की मांग उठाई है। किसानों ने 8 अगस्त को राजीव सागर बांध के मेन गेट पर धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। पठार अंचल के अंतर्गत तिरोड़ी तहसील के करीब 50 गांव आते हैं। इस साल समय पर मानसून न आने और कम बारिश होने के कारण अधिकांश गांवों में खेती प्रभावित हुई है। ग्राम पंचायत गोरेघाट के सरपंच नंदकिशोर जामुनपाने और कुड़वा के पूर्व सरपंच गुलाब सिंह कुमरे ने शुक्रवार की शाम 05 बजे जानकारी देते हुए बताया कि करीब 15 गांवों में स्थिति सबसे ज्यादा गंभीर है। सरपंच नंदकिशोर जामुनपाने ने कहा, अल्पवर्षा के कारण किसान इस बार धान की पौध ही नहीं लगा पाए हैं। जिन खेतों में किसी तरह पौध रोप दी गई थी, वह भी पानी के अभाव में पीली पड़कर सूख रही है। अगर अगले 3-4 दिनों में नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया तो पूरी फसल बर्बाद हो जाएगी। एक साल की मेहनत और लागत सब बेकार चली जाएगी।

किसानों का कहना है कि इस क्षेत्र में खेती वर्षा ऋतु पर आधारित है। इसके साथ ही राजीव सागर बांध की नहरों पर निर्भर है। बांध में पानी पर्याप्त मात्रा में होने के बावजूद अभी तक नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया है, जिससे किसानों में आक्रोश है। समस्या को लेकर पठार अंचल के किसानों ने एकजुटता दिखाई है। सरपंच नंदकिशोर जामुनपाने और पूर्व सरपंच गुलाब सिंह कुमरे ने प्रभावित गांवों के किसानों से अपील की है कि वे 8 अगस्त को राजीव सागर बांध के मेन गेट पर आयोजित धरना स्थल पर बड़ी संख्या में पहुंचें और प्रदर्शन में सहयोग करें।

गुलाब सिंह कुमरे ने कहा, हम प्रशासन और सिंचाई विभाग से कई बार अनुरोध कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। किसानों के पास अब धरना देने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। हमारा एक ही मांग है कि राजीव सागर बांध से तुरंत पानी नहरों में छोड़ा जाए ताकि पौध बचाई जा सके। राजीव सागर बांध मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की संयुक्त सिंचाई परियोजना है। इस बांध से तिरोड़ी, कटंगी और आसपास के सैकड़ों गांवों की हजारों हेक्टेयर जमीन सिंचित होती है। खासकर पठार अंचल के किसान खरीफ की फसल के लिए इसी नहर के पानी पर निर्भर रहते हैं। किसानों ने जिला प्रशासन और सिंचाई विभाग से मांग की है कि वे स्थिति की गंभीरता को समझते हुए बिना देरी किए नहरों में पानी छोड़ें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। अब सभी की निगाहें 8 अगस्त को होने वाले धरना प्रदर्शन और उसके बाद प्रशासन के निर्णय पर टिकी हैं। किसानों को उम्मीद है कि उनका आंदोलन रंग लाएगा और राजीव सागर से पानी छोड़कर उनकी फसल बचाई जा सकेगी।

सराफा दुकान में बीती रात चोरों ने किया हाथ साफ, लाखों का जेवरात पार

उमरिया (स्वतंत्र मत)। नौरोजाबाद में बीती रात अज्ञात चोरों ने ब्लॉक रोड स्थित राजा ज्वेलर्स की दुकान में ताला शटर तोड़कर लाखों का जेवरात चोरों ने पार कर दिया। घटना को लेकर सुबह राहगीर निकले तो देखा तो तत्काल दुकान मालिक राजा सोनी को फोन कर सूचित किया गया। मौके पर दुकान मालिक पहुंचा तो देखा कि बगल से शूटर को तोड़कर एक तरफ का भाग ऊपर उठाकर चोरों ने बड़ी सावधानी से अंदर घुसा और कई सामान के साथ सोना चांदी चोरी का अंदेशा लगाया गया है हालांकि सीसी कैमरा भी दुकान में लगा हुआ था लेकिन चोरों ने सीसी कैमरा को भी निकाल ले गए हैं। घटना की जानकारी लगते ही राजा सोनी ने तत्काल नौरोजाबाद थाना पहुंचकर इस मामले को लेकर रिपोर्ट दर्ज कराई है लेकिन जब तक पुलिस घटनास्थल पर नहीं पहुंचती तब तक यह अंदाजा नहीं लगाया जा सकता की चोरों ने कितने लागत का सोना चांदी चोरी कि है जांच के बाद स्पष्ट हो पाएगा।

शिक्षक संघ ने सहायक आयुक्त को सौंपा मांगों का ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ, जिला इकाई उमरिया ने सोमवार 3 अगस्त को जनजातीय कार्य विभाग के शिक्षकों की विभिन्न लंबित समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग को लेकर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती पूजा द्विवेदी को ज्ञापन सौंपा। जिला अध्यक्ष कैलाश प्रसाद गौतम ने बताया कि विभागीय शिक्षकों के लंबे समय से लंबित वित्तीय एवं प्रशासनिक मामलों के समाधान की आवश्यकता है। ज्ञापन में महंगाई भत्ता (डीए) एरियर, मकान किराया भत्ता (एचआरए) एरियर, क्रमोन्नति एरियर, पदोन्नति की लंबित प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने तथा सेवानिवृत्त शिक्षकों के अर्जित

अवकाश सहित अन्य देयकों का समय पर भुगतान करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।

संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि इन मामलों के लंबित रहने से शिक्षकों को आर्थिक एवं प्रशासनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विभाग से सभी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने का आग्रह किया। सहायक आयुक्त पूजा द्विवेदी ने शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करने तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कर समाधान का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर त्रिभुवन कुमार सोनी, अभय कुमार द्विवेदी, सोमप्रकाश शुक्ला, हेतराम यादव, लाला प्रसाद यादव, कमलेश प्रसाद सोनी, अर्जुल खान, नरोत्तम लाल, नंदाराम कुशवाहा, वीरेंद्र दुबे, प्रकाश चंद्र भट्ट, विजय सिंह, राजाराम सिंह, रामनिवास पटेल, आनंद स्वरूप तिवारी, सुजीत तिवारी, आर.सी. मिश्रा, रामसरोवर मिश्रा, धर्मेंद्र नाथ शर्मा, शिवप्रसाद पांडे, रविंद्र तिवारी, सुरेश दुबे, महेंद्र मिश्रा, दुर्गा सोनी, तरुण वर्मा, राजकुमार महोबिया, नीलिमा दुबे, भागवती भट्ट, ममता शर्मा, लीलावती कुशवाहा, सुधा गुप्ता, राजेंद्र तिवारी, रयुफ खान तथा मनोज शुक्ला सहित शिक्षक संघ के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

संदीपनी स्कूल चंदिया में नारी शसक्तीकरण पर कार्यक्रम आयोजित

उमरिया (स्वतंत्र मत)। शुक्रवार 7 अगस्त को सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंदिया में नारी शसक्तीकरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें स्कूल स्टॉफ के साथ नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए। इस अवसर पर उमरिया जिले से एमपीपीएसई से चयनित एनसीसी की भूतपूर्व कैडेट्स यशु तिवारी की माता जी द्वारा बताया गया कि एनसीसी कैडेट्स होने से उनकी बच्ची में सहनशीलता और लगन से ये परीक्षा उत्तीर्ण कर उमरिया जिले की पहली माईनिंग इंस्पेक्टर बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर आये हुए आगंतुकों द्वारा नारी शसक्तीकरण विषय पर प्रकाश डाला गया। श्रीमती अशोक सिंह जी के द्वारा बच्चों एवं स्टॉफ को मेडिटेशन एवं हार्टफुलनेस द्वारा आयोजित होने वाली निबंध प्रतियोगिता की जानकारी प्रदान की गई। प्राचार्य श्री एन के कचेर द्वारा आए हुए आगंतुकों का आभार व्यक्त् किया गया। एनसीसी शहडोल द्वारा इस प्रकार के आयोजन की नागरिकों के द्वारा प्रशंसा की गई। मंच का सफल संचालन एनसीसी अधिकारी इस्तेखार अहमद द्वारा किया गया।

बस और पिकअप की जोरदार टक्कर, हादसे में चालक फंसा, लोगों ने बचाई जान

उमरिया (स्वतंत्र मत)। शुक्रवार 7 अगस्त को जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत जोहिला पुल के पास एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया है। यहां पिकअप वाहन और यात्री बस के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप वाहन का चालक अंदर ही फंस गया। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकाला।

बताया जा रहा है कि जोहिला पुल के समीप दोनों वाहनों के बीच टक्कर इतनी तेज थी कि पिकअप वाहन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद वाहन चालक केबिन में फंस गया, जिसे बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों और समाजसेवियों ने काफी

प्रयास किया। इस दौरान लोगों ने घायल चालक का हौसला बढ़ाया और लगातार मदद करते रहे। काफी देर की मशक्कत के बाद चालक को वाहन से बाहर निकाला गया। इसके बाद उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में चालक को चोटें आई हैं। फिलहाल उसकी हालत और उपचार से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। घटना के बाद सड़क पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों की मदद से यातायात व्यवस्था को सामान्य कराया गया।

सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्रारंभिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि दुर्घटना तेज गति, वाहन चालकों की लापरवाही या किसी अन्य कारण से हुई।

हैवी ब्लास्टिंग से पिपरिया, बिलाईकाप और सेमरिया के ग्रामीण परेशान, विधायक मीना सिंह को सौंपा ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

पिपरिया अंडरग्राउंड कोल् माइंस में हो रही हैवी ब्लास्टिंग से पिपरिया, बिलाईकाप और सेमरिया गांव के ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि लगातार हो रही तेज ब्लास्टिंग के कारण उनके मकानों में दरारें पड़ रही हैं तथा कंपन से जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

शुक्रवार, 7 अगस्त को पिपरिया गांव के ग्रामीणों ने मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह के निवास पहुंचकर शिकायत पत्र सौंपा और हैवी ब्लास्टिंग पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि रात के समय होने वाली ब्लास्टिंग से छोटे बच्चे डर जाते हैं और पूरे क्षेत्र में दहशत का वातावरण बना रहता है।

वही पिपरिया निवासी दीपेंद्र गौतम ने बताया कि पहले बहुत नीचे ब्लास्टिंग होती थी उससे इतना असर नहीं होता था लेकिन 3 - 4 माहीने से जमीन से कुछ ही नीचे ब्लास्टिंग हो रही हैं जिससे आस पास के कई गाँव के लोग प्रभावित हो रहे हैं।

वे इस संबंध में सभी ग्रामवासियों ने कलेक्टर को भी आवेदन पत्र दिया है जिस पर कलेक्टर ने जीएम को पत्र लिखा है लेकिन कोई ठोस कार्यवाही न होने के कारण अपने क्षेत्र की विधायक के पास आना पड़ा। वही मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए बताया कि उन्होंने इस संबंध में कलेक्टर से चर्चा की है तथा एसईसीएल जोहिला क्षेत्र के महाप्रबंधक (जीएम) से भी बात कर मामले में आवश्यक कार्रवाई करने और तुरंत हैवी ब्लास्टिंग रोकने के निर्देश दिए जायेगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सुरक्षा और समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि हैवी ब्लास्टिंग पर प्रभावी नियंत्रण किया जाए और मकानों में आई दरारों की जांच कर उचित मुआवजा एवं राहत उपलब्ध कराई जाए। ज्ञापन देने वालो में दीपेंद्र गौतम,रामेश्वर प्रजापति, अंकुश राय, विकास राय,वीरेन्द्र साहू, विकास साहू,सरपंच राजू कोल सहित दर्जनों ग्रामवासी मौजूद रहे।

जिले में फर्जी समूह गैंग का जाल

मासिक वेतन का झांसा देकर महिलाओं को बना रहे शिकार, एसडीएम से महिला पार्षदों ने की शिकायत

मण्डला(स्वतंत्रमत)

इन दिनों एक संस्था जिसका नाम यूनिफाइड ट्रस्ट हैं घर-घर जाकर महिलाओं का समूह बना रही है उनसे आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों के साथ धन राशि लिए जाने की भी चर्चा सुनाई दे रही है। यह संस्था कहां की है और कहां से इसे मान्यता मिली है इस पर भी चर्चा चल पड़ी है लेकिन संस्था के चेला चपाटी गांव देहात से लेकर नगर मुख्यालय के घरों में दस्तक दे रहे है महिलाओं को यूनिफाइड ट्रस्ट द्वारा समूहों की महिलाओं को 12000 देने का जो दावा किया जा रहा है। जिसको लेकर नगरपालिका की महिला पार्षदों ने एसडीएम से मुलाकात की और सम्पूर्ण जानकारी दी। बताया गया कि नगर पालिका आजीविका मिशन या कोई बैंक किसी भी सरकारी संस्था से कोई संबंध नहीं है। उनके द्वारा यह कहा जा रहा है कि यह कार्य महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत हो रहा है। इस दावे की पूरी सच्चाई जानने के लिए महिला सशक्तिकरण केंद्र से इसकी उचित व आधिकारिक जानकारी प्राप्त करने पर इस तरह की कोई भी योजना सरकार के द्वारा नही चलाई जा रही है। आपके पास किसी ग्रुप या समूह से जुड़ने के लिए कोई मैसेज या व्यक्ति आता है और वह आपसे आपका आधार कार्ड मांगता है तो सुरक्षित रहने के लिए सबसे पहले नीचे लिखी बातों की पूरी जानकारी लें आने वाले की पहचान वह व्यक्ति कौन है और कहां से आया है दस्तावेजों की जांच उसके खुद के सभी पर्सनल डॉक्यूमेंट और आधार कार्ड को चेक करें। कंपनी की जानकारी वह किस कंपनी से जुड़ा है कंपनी का पूरा नाम क्या है लोकेशन की पुष्टि कंपनी किस जगह पर खुली हुई है उसका सटीक ऑफिस एड्रेस क्या है अधिकारियों की डिटेल उनके बॉस सीनियर सर या मैनेजर की पूरी जानकारी और उनका एक्टिव मोबाइल नंबर लें। स्वयं जाकर जांच करें अगर सामने वाला अपनी ऑफिस का पता बताता भी है तो जब तक आप खुद स्वयं उस जगह पर जाकर न देख लें कि वहां वाकई ऑफिस स्थित है और काम चल रहा है तब तक उनकी बातों पर बिल्कुल भरोसा न करें। पूरी वेरिफिकेशन आने वाले व्यक्ति के खुद के डॉक्यूमेंट उसकी कंपनी का नाम और उसके सीनियर अधिकारियों की पूरी जानकारी लें वहीं आजीविका मिशन के अधिकारियों से चर्चा करने पर बताया गया कि अभी कोई भी ऐसी योजना समूह के लिए नही आई है उन्होंने कहा कि समूहों के माध्यम से शिकायत मिल रही है जिसकी स्थानीय थानों में शिकायत भी दर्ज कराई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार जिले में इन दिनों एक कथित कंपनी यूनिफाइड ट्रस्ट नाम की जो उसके एजेंट गांव-गांव घूमकर महिलाओं और युवतियों को रोजगार का झांसा दे रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि उन्हें अजीविका समूह में नौकरी दिलाई जाएगी और हर महीने 12 हजार रुपये वेतन मिलेगा। इतना ही नहीं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और सरकारी योजनाओं से जोड़ने का लालच देकर उनसे दस्तावेज, मोबाइल नंबर और अन्य जानकारियां भी मांगी जा रही हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह पूरा नेटवर्क संदेह के घेरे में है और लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी और आर्थिक तंगी का फायदा उठाकर कुछ लोग खुद को किसी कंपनी या संस्था का प्रतिनिधि बताकर महिलाओं को अपने जाल में फंसा रहे हैं। गांवों में बैठकें आयोजित कर बड़े-बड़े वादे किए जा रहे हैं कि बिना किसी कठिन परीक्षा या अनुभव के सीधे नौकरी मिलेगी और हर महीने 12 हजार रुपये का वेतन बैंक खाते में आएगा। कई जगह यह भी कहा जा रहा है कि सीमित सीटें हैं इसलिए जल्द से जल्द पंजीयन कराना होगा। सबसे चिंताजनक बात यह है कि महिलाओं को विश्वास में लेने के लिए सरकारी योजनाओं और अजीविका मिशन का नाम लिया जा रहा है जिससे ग्रामीण आसानी से भ्रमित हो रहे हैं। कई परिवार इसे सरकारी रोजगार योजना समझकर अपने दस्तावेज सौंप रहे हैं। यही स्थिति आगे चलकर आर्थिक और साइबर ठगी का कारण बन सकती है। सूत्रों के अनुसार कथित एजेंट महिलाओं से आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर, पासपोर्ट फोटो और अन्य व्यक्तिगत दस्तावेज मांग रहे हैं। कुछ मामलों में पंजीयन या फाइल तैयार करने के नाम पर राशि लेने की भी शिकायतें सामने आ रही हैं। यदि ऐसा हो रहा है तो यह गंभीर मामला है और संबंधित एजेंसियों को इसकी जांच करनी चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि कोई भी सरकारी या अधिकृत संस्था इस प्रकार गांव-गांव घूमकर बिना निर्धारित प्रक्रिया के नौकरी नहीं देती। किसी भी रोजगार के लिए आधिकारिक सूचना चयन प्रक्रिया और विभागीय आदेश होते हैं। इसलिए केवल मौखिक वादों के आधार पर किसी भी व्यक्ति या संस्था पर भरोसा करना बेहद जोखिम भरा हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि कथित कंपनी के लोग महिलाओं को जल्द निर्णय लेने का दबाव बना रहे हैं। कहा जा रहा है कि यदि अभी नाम नहीं लिखा तो बाद में मौका नहीं मिलेगा। यही तरीका अक्सर फर्जी गिरोह अपनाते हैं ताकि लोगों को सोचने और सत्यता जांचने का समय न मिले। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान संस्था या कंपनी के बहकावे में न आएं। पहले संबंधित जनपद पंचायत, जिला प्रशासन, पुलिस या राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के स्थानीय कार्यालय से जानकारी अवश्य प्राप्त करें। यदि कोई संस्था वास्तव में अधिकृत है तो उसकी पूरी जानकारी सरकारी अभिलेखों में उपलब्ध होगी। महिलाओं को विशेष रूप से सलाह दी जा रही है कि किसी भी व्यक्ति को अपने बैंक खाते की जानकारी, ओटीपी, एटीएम विवरण या अन्य गोपनीय जानकारी बिल्कुल न दें।

महाकाल बाबा की शाही पालकी झंडा यात्रा 17 को

मण्डला (स्वतंत्रमत)

धार्मिक आस्था और शिवभक्ति का विराट संगम 17 अगस्त को नगर में देखने को मिलेगा झंडा यात्रा समिति के तत्वाधान में झंडा महाकाल बाबा शाही पालकी यात्रा का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह यात्रा दोपहर 2 बजे माहिष्मती घाट से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए व्यास नारायण मंदिर किला में संपन्न होगी आयोजकों के अनुसार यात्रा की शुरुआत माहिष्मती घाट से होगी इसके बाद पालकी यात्रा नेहरू स्मारक, बैगा-बैगी चौंक लालीपुर, बस स्टैंड, चिलमन चौक, उदय चौंक बुधवारी चौक से होकर व्यास नारायण मंदिर पहुंचेगी यात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर श्रृद्धालुओं द्वारा स्वागत, पुष्पवर्षा एवं जलपान की व्यवस्था की जाएगी यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण उज्जैन की तर्ज पर बाबा महाकाल की शाही पालकी होगी जिसमें भगवान महाकाल की दिव्य झांकी श्रृद्धालुओं के दर्शनार्थ निकाली जाएगी इसके साथ ही विशाल एवं भव्य भगवा ध्वज यात्रा की शोभा बढ़ाएगा आयोजन में भोपाल का प्रसिद्ध डीजे नटराज, शिवशक्ति डमरू दल, मध्यप्रदेश की पारंपरिक संस्कृति का प्रतीक गुदुम नगाड़ा, शहर का सुप्रसिद्ध बजरंग पंजाबी ढोल एवं कृष्णा बैंड अपनी विशेष प्रस्तुतियां देंगे वहीं जय अंबे एलईडी द्वारा नगर के प्रमुख मार्गों पर यात्रा का लाइव प्रसारण भी किया जाएगा धार्मिक एवं सांस्कृतिक झांकियों में विशेष रूप से आदियोगी झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगी इसके अलावा शहर की विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक झांकियां भी यात्रा में शामिल होंगी उदय चौक में पंच चौकी महाआरती का विशेष आयोजन किया जाएगा जिसमें बड़ी संख्या में श्रृद्धालुओं के शामिल होने होंगे। यात्रा को भव्य स्वरूप देने के लिए आर्या इवेंट्स शान इवेंट्स आशीष लाइट तथा सत्यम फ्लावर द्वारा विशेष सजावट एवं आकर्षक प्रस्तुतियां की जाएंगी आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बाबा महाकाल की शाही पालकी यात्रा में सहभागिता निभाने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। शहर में इस आयोजन को लेकर व्यापक उत्साह का माहौल है। प्रशासन एवं आयोजन समिति द्वारा यात्रा के दौरान सुरक्षा, यातायात और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की भी तैयारी की जा रही है।

बनी सहमति हड़ताल स्थगित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश बस एसोसिएशन ने राज्यभर में प्रस्तावित अनिश्चितकालीन बस हड़ताल को स्थगित करने घोषणा की है। एसोसिएशन के अनुसार 55 जिलों की बैठक के बाद 7 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया था और चेतावनी दी गई थी कि यदि 7 अगस्त तक मांगों का समाधान नहीं हुआ तो 7 अगस्त की रात्रि 12 बजे से प्रदेश भर के बस ऑपरेटर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे एसोसिएशन के महामंत्री जयकुमार जैन ने बताया कि पिछले पांच दिनों के दौरान परिवहन मंत्री से चार दौर की चर्चा हुई। इसके बाद 6 अगस्त की शाम को सभी 7 सूत्रीय मांगों पर सहमति बन गई और उनका निराकरण कर दिया गया मध्यप्रदेश बस एसोसिएशन ने मांगों के समाधान पर मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है।

एसपी ने किया औचक निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक ने शुक्रवार को थाना मोहगांव एवं चौकी लिंगा पौड़ी का औचक निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्थाओं का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना कार्यालय मालखाना शस्त्रागार हवालात सीसीटीएनएस शाखा रकॉर्ड कक्ष थाना परिसर आवासीय परिसर तथा चौकी के अभिलेखों का निरीक्षण कर उनके संधारण रखरखाव और कार्यप्रणाली की समीक्षा की एसपी ने अपराधों की विवेचना लंबित प्रकरणों की प्रगति वारंट एवं समंस की तामील गुमशुदा व्यक्तियों के मामलों तथा महिला एवं बाल अपराधों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए उन्होंने लंबित अपराधों एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर दिया निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आगंतुकों के साथ संवेदनशील एवं शालीन व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए।

आतंकी बंदरों ने ली एक की जान

मण्डला/नारायणगंज (स्वतंत्रमत)

जिले के नारायणगंज नगर में बंदरों का आतंक अब जानलेवा साबित होने लगा है। बंदरों के झुंड से बचने के प्रयास में छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए 45 वर्षीय छोटेलाल सोनी की जबलपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। उनकी मौत की खबर फैलते ही पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गई। घटना से नाराज व्यापारियों और नागरिकों ने नगर बंद रखकर प्रशासन और वन विभाग के खिलाफ अपना आक्रोश जताया तथा बंदरों की समस्या का स्थायी समाधान करने मांग की। जानकारी के अनुसार, छोटेलाल सोनी अपने घर की छत पर थे। इसी दौरान बंदरों का एक झुंड वहां पहुंच गया। बंदरों के हमले और उनके आक्रामक व्यवहार से बचने की कोशिश में उनका संतुलन बिगड़ गया और वे छत से नीचे गिर पड़े। हादसे में उनके सिर में गंभीर चोट आई। परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल ले गए जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया। कई दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मौत की सूचना मिलते ही नारायणगंज में शोक के साथ-साथ लोगों का गुस्सा भी फूट पड़ा। व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपनी दुकानें बंद रखीं और नागरिकों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। लोगों का कहना है कि नगर में बंदरों का आतंक लंबे समय से बना हुआ है। आए दिन बंदरों के झुंड घरों में घुस जाते हैं छतों पर उत्पात मचाते हैं और राह चलते लोगों पर हमला कर देते हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि बंदरों के कारण महिलाएं बुजुर्ग और छोटे बच्चे सबसे अधिक भय के साये में जी रहे हैं। कई लोग घर की छत पर जाने से भी डरते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों और बाजार आने-जाने वाले लोगों को भी हर समय बंदरों के हमले का डर बना रहता है। इसके बावजूद समस्या के स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया।

सांदीपनि में दो दिवसीय सृजन संवाद

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)

सांदीपनि मॉडल विद्यालय निवास में यूनिसेफ एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय सृजन संवाद कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस का शुभारंभ अनुविभागीय पुलिस अधिकारी डीएसपी सतीश चतुर्वेदी द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया इसके पश्चात विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य वेदप्रकाश अवधिया द्वारा मुख्य अतिथि सतीश चतुर्वेदी का पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया गया वहीं कार्यक्रम प्रभारी उपप्राचार्य प्रभात कुमार द्वारा थाना प्रभारी निवास धर्मेन्द्र धुर्वे का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया तत्पश्चात विद्यालय स्तर पर सृजन संवाद कार्यक्रम के नोडल प्रभारी हनुमत मनौतिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस सहायक उपनिरीक्षक एएसआई श्री तिवारी ने विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए पुलिस सहायता सेवाओं, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया, आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों की भूमिका, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर हेल्पलाइन, पुलिस मित्र योजना तथा जनसहयोग आधारित पुलिस व्यवस्था की विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य वेद प्रकाश अवधिया, कार्यक्रम प्रभारी प्रभात कुमार, नोडल प्रभारी हनुमत मनौतिया, सह-नोडल प्रभारी रोहिताष सिंगरौरे, समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

फरार वारंटी पुलिस गिरफ्त में

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में लंबित वारंटों की तामील के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना महाराजपुर पुलिस ने प्रभावी कार्यवाही करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे कुटुंब न्यायालय के चार गिरफ्तारी एवं वसूली वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन में यह अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है इसी क्रम में थाना प्रभारी डॉ. जयसिंह यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर वारंटियों की तलाश की लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने पप्पू उइके, नितिन बैरागी, अनिकेत कछवाहा एवं योगेश चक्रवर्ती को गिरफ्तार कर विधिवत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

विद्युत विभाग में दलाल सक्रिय, टीसी कनेक्शन के नाम पर वसूली का आरोप

आउटसोर्स कर्मचारी कर रहे हेराफेरी कार्य वाही की माग

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नगर में इन दिनों विधुत विभाग से जुड़े कुछ आउटसोर्स कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि ये कर्मचारी अधिकारियों के नाम पर उपभोक्ताओं से टीशी (अस्थायी/विशेष) कनेक्शन दिलाने के नाम पर मोटी रकम वसूल रहे हैं और राशि का विभागीय खातों में जमा नहीं किया जा रहा।

सूत्रों के अनुसार ऐसे एक-दो नहीं बल्कि कई मामले सामने आए हैं, लेकिन सुविधा पाने की मजबूरी में अधिकांश उपभोक्ता खुलकर शिकायत नहीं कर रहे। खासतौर पर वे उपभोक्ता जिनके पास पूर्ण दस्तावेज उपलब्ध नहीं होते और वे दुकान, मकान या अन्य स्थानों पर मीटर लगवाना चाहते हैं, इस स्थिति का लाभ उठाकर कथित दलाल सक्रिय हो गए हैं।

मामले का खुलासा तब हुआ जब एक उपभोक्ता ने करीब 40 से 45 हजार रुपये एक आउटसोर्स कर्मचारी (झारिया) को दिए। उपभोक्ता को बताया गया कि यह राशि विभागीय अधिकारियों (जेई/एई) को जमा की जाएगी और ऑनलाइन रसीद भी उपलब्ध कराई जाएगी। हालांकि, लंबे समय तक न तो कोई रसीद दी गई और न ही राशि विभाग के खाते में जमा हुई।

हैरानी की बात यह रही कि संबंधित उपभोक्ता को बाद में 30,397 रुपये का बिजली बिल थमा दिया गया, जबकि वह पहले ही 45 हजार रुपये नकद और 3,500 रुपये कनेक्शन जोड़ने व काटने के नाम पर सेवा शुल्क दे चुका था। जब उपभोक्ता को विभाग से नोटिस मिला और उसने कार्यालय में संपर्क किया, तब जाकर खुलासा हुआ कि उक्त राशि विभाग में जमा ही नहीं की गई है। इस घटना के बाद विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। एक साधारण कर्मचारी द्वारा इतनी बड़ी राशि लेकर अधिकारियों के नाम का हवाला देना, पूरे तंत्र की पारदर्शिता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है।

इनका कहना है

मामला संज्ञान में आया है इसकी जांच कराकर संबंधित पर उचित कार्यवाही की जाएगी।

डी ई मण्डला अजीत चौहान

5 फरार वारंटी को किया पेश

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। जिले में लंबित गिरफ्तारी वारंटों की तामील के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना टिकरिया पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए पांच गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में संचालित अभियान के तहत थाना प्रभारी प्रदीप पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया।

संयुक्त संचालक ने निरीक्षण कर दिए निर्देश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण भोपाल एचपी नेमा द्वारा मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का सघन निरीक्षण कर विभागीय योजनाओं एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं पर समीक्षा की है। निरीक्षण के दौरान सहायक संचालक शिक्षा एलएस मसराम उपस्थित रहे। श्री नेमा ने कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास सांदीपनि विद्यालय निवास का निरीक्षण करते हुए छात्रावास के रखरखाव, स्वच्छता, खानपान एवं छात्राओं के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने छात्रावास की व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार एवं बेहतर रखरखाव के संबंध में निर्देश दिए। इसके बाद पीएम श्री हाई स्कूल सेमरखापा एवं पीएम श्री शासकीय रानी अवंती बाई उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय मंडला का निरीक्षण हुआ। उन्होंने पीएम श्री योजना के निर्धारित मानकों के अनुसार विद्यालयों में संचालित गतिविधियों एवं उपलब्ध संसाधनों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कक्षों का व्यवस्थापन प्रयोगशालाओं का उपयोग स्मार्ट क्लास वोकेशनल क्लास स्किल डेवलपमेंट वोकेशनल रूम तथा एक पेड़ मां के नाम अभियान की प्रगति देखी। श्री नेमा ने विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों का विद्यार्थियों के हित में अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने तथा जिन व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता है उनमें शीघ्र सुधार करने के निर्देश दिए। अंत में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण कर कार्यालयीन व्यवस्थाओं एवं विभागीय अभिलेखों का अवलोकन किया। उन्होंने अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण एवं विभागीय कार्यों के प्रभावी संचालन के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री नेमा ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। पीएम श्री योजना के उद्देश्यों को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारने के लिए विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों एवं सुविधाओं का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

कार्यालय प्राचार्य सांदीपनि मॉडल विद्यालय निवास
विकासखण्ड-निवास जिला मण्डला (म.प्र.)

Email Id-23421211003@vimarsh.mp.nic.in

Dise code 23421211003 School Code:- 741176

क्र./सं.विद्या./अति.शि./2026/1785 निवास दिनांक 07.08.2026

// अतिथि शिक्षक विज्ञापन आदेश //

लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल का पत्र क्र./अति.शि./2026-27/20 भोपाल दिनांक 06.08.2026 शैक्षणिक सत्र 2026-27 में रिक्त पदों के विरूद्ध अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था के संबंध जी. एफ.एम.एस.पोर्टल 3.0 के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन किया जाना है। विषयावार रिक्त पदों की जानकारी निम्नानुसार है:-

क्र.	विषय	वर्ग	रिक्त पद संख्या	शैक्षणिक योग्यता
1	भौतिकी	01	1	बी.एड एवं संबंधित विषय में स्नातकोत्तर
2	इतिहास	01	1	बी.एड एवं संबंधित विषय में स्नातकोत्तर
3	अर्थशास्त्र	01	1	बी.एड एवं संबंधित विषय में स्नातकोत्तर
4	हिन्दी	02	1	डी.एड/बी.एड एवं संबंधित विषय में स्नातक
5	गणित	02	1	डी.एड/बी.एड एवं संबंधित विषय में स्नातक
6	विज्ञान	02	1	डी.एड/बी.एड एवं संबंधित विषय में स्नातक
7	अंग्रेजी	02	03	डी.एड/बी.एड एवं संबंधित विषय में स्नातक
8	सा.विज्ञान	02	02	डी.एड/बी.एड एवं संबंधित विषय में स्नातक
9	नृत्य शिक्षक	03	1	संबंधित विषय से उत्तीर्ण
10	लैब शिक्षक	03	1	संबंधित विषय से उत्तीर्ण
11	पीटीआई/ खेल शिक्षक	03	1	संबंधित विषय से उत्तीर्ण

टीप - 1. उक्त विज्ञापन के अंतर्गत केवल एवं केवल GFMS Portal 3.0 पर प्रदर्शित रिक्त पदों पर ही भर्ती की प्रक्रिया संपादित की जाएगी। 2. यदि किसी विज्ञापन अथवा अन्य माध्यम में GFMS Portal 3.0 पर प्रदर्शित रिक्तियों से अधिक पद दर्शाए गए हों, तो वे मान्य नहीं होंगे। भर्ती हेतु केवल GFMS Portal 3.0 पर प्रदर्शित रिक्त पद ही मान्य माने जाएंगे। 3. भर्ती की संपूर्ण प्रक्रिया लोक शिक्षण संचालनालय, मध्य प्रदेश, भोपाल द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार पूर्णतः ऑनलाइन माध्यम से ही संपादित की जाएगी। 4. किसी भी प्रकार के ऑफलाइन आवेदन, दस्तावेज अथवा ऑफलाइन प्रक्रिया को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्राचार्य
सांदीपनी विद्यालय निवास, जिला मण्डला (म.प)

संपादकीय

युवाओं में कांग्रेस की पैठ

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा शुरू किया गया 'छात्रों की गूंज' अभियान देश के युवाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं के परीक्षार्थियों और छात्रों की बुनियादी समस्याओं को मुखरता से उठाने वाला एक महत्वपूर्ण जन-आंदोलन बनता जा रहा है। राजस्थान के कोटा से शुरू हुआ यह सफर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज तक पहुंच गया है, जो यह बताता है कि शिक्षा और रोजगार के मुद्दे आज देश की राजनीति के केंद्र में आ गए हैं। आज देश का छात्र वर्ग एक गहरे मानसिक दबाव और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। आए दिन होने वाले पेपर लीक, रद्द होती परीक्षाएं, नतीजों में देरी और पारदर्शी भर्ती प्रक्रियाओं का अभाव युवाओं के सपनों को दीमक की तरह चाट रहा है। मध्यम वर्गीय परिवारों द्वारा अपनी गाढ़ी कमाई का एक बड़ा हिस्सा बच्चों की पढ़ाई और कोचिंग पर खर्च किया जाता है, लेकिन सिस्टम की नाकामी के चलते हाथ निराशा ही लगती है। 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम महज एक राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि उस घुटन और व्यवस्थागत विफलता की अभिव्यक्ति है, जिसे लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया है। प्रयागराज के कार्यक्रम स्थल को लेकर प्रशासन या स्थानीय स्तर पर जो प्रशासनिक पेंच और अनुमतियों का संशय देखने को मिल रहा है, वह इस बात का प्रतीक है कि युवा ताकत की मुखरता से सत्ता पक्ष असहज है। इतिहास गवाह है कि जब-जब युवा और छात्र सड़कों पर उतरे हैं, सियासत के सिंहासन हिले हैं। आयोजकों का डेढ़ लाख से अधिक युवाओं के पंजीकरण का दावा इस बात का प्रमाण है कि छात्र अब चुप बैठने को तैयार नहीं हैं। एक स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष की यह जिम्मेदारी है कि वह युवाओं के दर्द को राष्ट्रीय पटल पर रखे और सत्ता को जवाबदेह बनाए। सरकार चाहे जो भी हो, उसे यह समझना होगा कि देश की शिक्षा प्रणाली को 'रिजेक्शन सिस्टम' (छांटने की व्यवस्था) के बजाय एक समावेशी और न्यायसंगत अवसर प्रदान करने वाला तंत्र बनाना होगा। 'छात्रों की गूंज' केवल एक राजनीतिक दल का अभियान न बनकर, संपूर्ण भारतीय शिक्षा और रोजगार नीति में आमूल-चूल सुधार का आधार बनना चाहिए, ताकि देश का भविष्य अंधकारमय न हो। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कोटा कार्यक्रम के बाद पार्टी ने 'छात्रों की गूंज' अभियान को केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे संगठनात्मक अभियान के रूप में पूरे देश में चलाया। पार्टी ने अपने सभी अग्रिम और प्रकोष्ठ संगठनों को निर्देश दिए कि वे एनएसयूआई के साथ मिलकर जिला स्तर तक छात्रों के बीच पहुंचें और पेपर लीक, भर्ती घोटालों, महंगी शिक्षा और शिक्षा व्यवस्था की कमियों जैसे मुद्दों पर संवाद करें। महिला कांग्रेस ने भी इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के मुताबिक संगठन ने 28 शहरों के लिए 28 महिला कोऑर्डिनेटर नियुक्त किए हैं। इनकी जिम्मेदारी छात्राओं और युवाओं के बीच पहुंचकर शिक्षा और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर जागरूकता फैलाना और कांग्रेस के अभियान को आगे बढ़ाना है। ओबीसी कांग्रेस ने भी अभियान को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार दिया। राहुल गांधी के निर्देश पर बेंगलुरु समेत कई राज्यों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही कश्मीर से कन्याकुमारी तक संगठन ने कोऑर्डिनेटर के जरिए छात्रों के बीच पहुंचकर अभियान चलाया। इसके अलावा, कांग्रेस के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति विभागों ने भी 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत देशभर में छात्र संवाद, नुक्कड़ सभाओं और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए। इन विभागों ने भी 28 चिन्हित शहरों में कोऑर्डिनेटर के माध्यम से अभियान को आगे बढ़ाया। कुल मिलाकर राहुल गांधी के इस अभियान से कांग्रेस ने युवाओं के बीच मजबूत पैठ बनाने की कोशिश में है।

शिक्षा सुधार के साथ सफलता के अर्थ बदलने की जरूरत

डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव
लेखक

नीट पेपर लीक पर आंदोलन खत्म हुआ और कॉकरोच पार्टी की मांग पर शिक्षा मंत्री का इस्तीफा भी हो गया। आनन फानन में पेपर लीक पर कानून भी बन गया। आंदोलनकारी खुश हुये और सरकार को राहत मिली लेकिन इस आपा धापी में तथाकथित बढ़िया करियर के पीछे आज की युवा पीढ़ी की चूहा दौड़ का मुद्दा कहीं गुम हो गया। आंदोलन के दौरान एक चर्चित मुद्दा यह था कि पेपर लीक के कारण 12 छात्रों ने आत्महत्या कर ली लेकिन तथ्य यह है कि नीट यूजी का पेपर लीक होना और उसके बाद परीक्षा निरस्त होना ही परीक्षार्थियों की आत्महत्या का कारण नहीं है। ऐसी प्रतियोगी परीक्षाओं में असफल होने के बाद आत्महत्या की घटनाएं कोई नई बात नहीं। राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार देश में हर साल 13000 से अधिक छात्र आत्महत्या कर लेते हैं और पिछ्ले 14 सालों में करीब डेढ़ लाख छात्र निराशा, तनाव और अवसाद के कारण आत्महत्या के चुके हैं। पिछले दशक की तुलना में इस दशक में इस संख्या में लगभग 65 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। भारत की कोचिंग कैपिटल कोटा में कई छात्र आत्महत्या कर चुके हैं । यहां तक कि मनचाहे मेडीकल और इंजीनियरिंग संस्थान में प्रवेश पाने के बाद भी आत्मघात की ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं। परीक्षा में पास न होने या अच्छे अंक अथवा वांछित रैंक न आने पर होने वाली आत्महत्याओं की संख्या सबसे ज्यादा है।

इस त्रासदी के पीछे कई कारण हैं। माता पिता का दबाव, अच्छी नौकरियों की कमी, समान अवसरों का अभाव और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ आदि ऐसे फैक्टर हैं जिन्होंने छात्रों की मानसिकता पर सबसे अधिक प्रभाव डाला है। सामाजिक और आर्थिक संक्रमण काल के इस कठिन दौर में हमारे समाज ने सफलता की परिभाषा ही बदल दी है। हर बोर्ड परीक्षा में 95 फीसदी से ज्यादा मार्क्स और हर प्रतियोगी परीक्षा में 99 पर्सेंटाइल से ज्यादा स्कोर ही सफलता के पर्याय बना दिये गये हैं क्योंकि इनके पीछे डॉक्टर, इंजीनियर बनने और लाखों के पैकेज की गारंटी छिपी हुई है। और यही अंत नहीं है। डॉक्टर, इंजीनियर बनने के बाद बहुत से महत्वाकांक्षी युवा खुद को यूपीएससी की पागल कर देने वाली परीक्षा में झोंक देते हैं। लाखों छात्रों का आईएएस, आईपीएस और ऐसे ही अन्य ग्लैमरस पदों तक पहुंचने का सपना पूरा होना वास्तव में असंभव है क्योंकि हर साल इन पदों के लिये लगभग एक हजार का चयन होता है जबकि प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने वालों की संख्या करीब दस लाख है।

एक हैरान कर देने वाली बात यह भी है कि जो कोचिंग माफिया इस सामाजिक समस्या के मूल में है उसके खिलाफ किसी आन्दोलन अथवा मंच से कोई आवाज नहीं उठायी जाती। देश की कठिनतम प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता की राह कोई भी हो, इसकी अनिवार्य सीढ़ी कोचिंग को बना दिया गया है। कोचिंग का जाल इस कदर फैल चुका है कि बोर्ड परीक्षाओं के रिजल्ट आने के साथ ही कोचिंग संस्थानों के विज्ञापन अखबार का अधिकांश हिस्सा घेर लेते हैं। नामी कोचिंग संस्थानों की फीस काफी ज्यादा है जिस पर समाज के सम्पन्न वर्ग का एकाधिकार है लेकिन खेदजनक तथ्य यह है कि इस खर्चीले प्रशिक्षण से उन छात्रों का भी कुछ भला नहीं हो रहा। मल्टीपल चॉइस पर आधारित परीक्षा प्रणाली में छात्रों को अकादमिक ज्ञान देने के बजाय तेजी से प्रश्न हल करने के तरीके बताये जाते हैं जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं में ज्यादा से ज्यादा स्कोर कर सकें। आईआईटी के कई प्रोफेसर यह चिन्ता जाहिर कर चुके हैं कि कोचिंग संस्थानों के मशीनी प्रशिक्षण ने छात्रों की सोचने की क्षमता बहुत कम कर दी है इसीलिये बहुत से छात्र प्रवेश परीक्षा में टॉप स्कोर करने के बावजूद आईआईटी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते। यही हाल कमोबेश मेडिकल ग्रेजुएट्स का है जो क्लीनिकल ज्ञान में इतने कमजोर हैं कि किसी भी रोग के निदान के लिये पूरी तरह महंगे परीक्षणों पर निर्भर हो गये हैं।

यह देश के शिक्षा तंत्र के लिये विचारणीय मुद्दा है लेकिन हमारे नीति निर्धारकों को इस बात की कोई फ़िक्र ही नहीं है। इंजीनियरिंग, मेडीकल और मैनेजमेंट की पढ़ाई को ही करियर मान लिया गया है। कला, वाणिज्य, विज्ञान, विधि, कृषि आदि विषयों की पढ़ाई उतनी प्रतिष्ठित नहीं क्योंकि इनके लिये कोई गलाकाट प्रतियोगी परीक्षा नहीं होती। चूंकि बच्चों को मौलिक सोच के प्रति निरुत्साहित किया जाता है इसलिये अधिकांश छात्र अपने माता पिता की महत्वाकांक्षा के शिकार होते हैं जो अपने बेटे या बेटी की क्षमता से परिचित होने के बावजूद उसे अत्यन्त कठिन प्रतिस्पर्धा में झोंक देते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की अतार्किक व्यवस्था से निकल कर ऊंचे संस्थानों में आकर्षक पैकेज हासिल करने वाले वर्कर तो तैयार हो रहे हैं लेकिन मौलिक विचारक और अनुसंधानकर्ता नहीं। इसी का नतीजा है कि इतनी बड़ी आबादी में से गिने चुने वैज्ञानिक निकलते हैं और नोबेल पुरस्कार की फेहरिस्त में भारत का कोई सम्मानजनक उल्लेख नहीं है।

खेदजनक तथ्य यह है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था ने राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की दिशा में कोई कार्य नहीं किया और न ही कोचिंग के कुचक्र और पैकेज की मृगतृष्णा को खत्म करने के प्रयास भी नहीं किये। उपभोक्तावाद के दौर में शिक्षा भी एक टूल बना दी गयी है जिससे संपन्नता हासिल की जा सके। समाज और सिस्टम में व्याप्त भ्रष्टाचार, बढ़ते हुये अपराध, राजनीतिक मूल्यों में गिरावट और आत्म-केन्द्रित जनमानस ने एक ऐसा वातावरण तैयार कर दिया है कि अब सच्चाई, नैतिकता और सद्भाव को दरअसल किसी इन्सान की कमजोरी की तरह देखा जाता है। अल्बर्ट आइंस्टीन का प्रसिद्ध कथन है कि स्कूल में पढ़ाया हुआ भूल जाने के बाद भी जो याद रहे वही शिक्षा है। लेकिन इस के विपरीत हमारे देश में स्कूली शिक्षा को बिल्कुल महत्वहीन बना दिया गया है। पुराने दौर की अव्वल दर्जे की स्कूली शिक्षा अब इतिहास बन कर रह गयी है जबकि उसी पद्धति में छात्रों के व्यक्तित्व का समुचित विकास बेहतर तरीके से होता था। ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों सरकारी स्कूल बन्द हो चुके हैं और जो बचे हैं उनमें से अधिकांश में न तो शिक्षक हैं और न ही छात्र। बुनियादी सुविधाओं के अभाव में बहुत से स्कूलों में छात्र सिर्फ मिड डे मील खाने आते हैं। फर्जी आंकड़ों के अनुसार शिक्षा का व्यापक प्रसार हो चुका है लेकिन जमीनी हक़ीकत कुछ और है। प्रायमरी और मिडिल स्कूल पास बच्चे भाषा, विषय और सामान्य ज्ञान में बेहद कमजोर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के हाल बेहद खराब हैं क्योंकि वहां प्राइवेट स्कूलों की पहुंच नहीं है। शहरों के प्राइवेट स्कूल आम लोगों की क्षमता से बाहर हैं इसलिये बेहतर स्कूली शिक्षा देश के लगभग 5 फीसदी बच्चों को ही उपलब्ध है। हाई स्कूल तक पहुंचते पहुंचते कोचिंग की कवायद भी शुरू हो जाती है। छात्र अधिकांश समय कोचिंग क्लास में बिताते हैं और उनका प्रवेश ऐसे डमी स्कूलों में करवाया जाता है जहां उनकी उपस्थिति दिखायी जाती है। छात्र पारंपरिक स्कूल के वातावरण से वंचित रहते हैं। यही किशोरावस्था उनके सामंजस्य, समझौता, सहयोगिता, भाईचारा और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सीखने की उम्र रहती है लेकिन इसके बजाय वे छात्र कोचिंग क्लॉस में अलग अलग तरीकों से एक दूसरे से हर हाल में आगे निकलने के हुनर सीखते रहते हैं। परिणामस्वरूप छात्रों का सर्वांगीण मानसिक और भावनात्मक विकास नहीं हो पाता जिसका प्रभाव टूटते परिवारों और नैतिक मूल्यों में गिरावट के रूप में देखा जा सकता है। सिर्फ स्कूल शिक्षा में व्यापक सुधार के जरिये ही ऐसा वातावरण तैयार किया जा सकता है कि छात्र रोजगार की पात्रता के साथ व्यावहारिक योग्यता और भावनात्मक मजबूती भी हासिल कर सकें। दरअसल प्रतियोगी परीक्षाओं का पागलपन पूरे समाज पर इस कदर हावी है कि कोई पीछे नहीं छूटना चाहता। अक्सर माता पिता के बड़े सपनों को पूरा करने और कड़ी मेहनत के बाद भी जब छात्र असफल होते हैं तो कभी कभी आत्मघात जैसा कठोर कदम भी उठा लेते हैं।

कहा जाता है कि सफलता की कोई अन्तिम परिभाषा नहीं क्योंकि इसके मायने हर किसी के व्यक्तिगत नजरिये के मुताबिक बदल जाते हैं। लेकिन इतना तय है कि सफलता किसी भी क्षेत्र में ओहदे और हैसियत की ऊँचाई तक पहुंचने के बजाय इस उपलब्धि में ज्यादा है कि आप दुनिया को बेहतर कैसे बना सकते हैं। अगर व्यक्तिगत उपलब्धि के पैमाने पर आंका जाये तो भी भौतिक सुविधाओं, बैंक बैलेंस और रुतबा हासिल करने के बाद भी कोई भी व्यक्ति अंततः आत्मिक सन्तोष, प्रसन्नता और आत्म सम्मान की ज्यादा आकांक्षा रखता है। हमारी व्यवस्था ने पिछली दो-तीन पीढ़ियों को ऐसी भीषण प्रतिस्पर्धा में झोंक दिया है जिसके परिणाम सामाजिक विघटन में परिलक्षित हो रहे हैं। यह समझना जरूरी है कि देश की प्रगति के लिये केवल आर्थिक सम्पन्नता नहीं बल्कि सामाजिक बेहतरी भी जरूरी है। आर्थिक सुधारों के बाद के तीन दशकों में सम्पन्नता जरूर आई परन्तु शिक्षा को सिर्फ विदेश में मोटे पैकेज वाले रोजगार से जोड़ने की मुहिम में सामाजिक मूल्य कहीं गुम होते गये। किसी भी देश और समाज की उन्नति के लिये शिक्षा अनिवार्य तत्व है लेकिन जब इसे व्यक्तिगत उपलब्धि और धनोपार्जन तक सीमित कर दिया जाये तो शिक्षा का मूल सामाजिक उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है।

उपभोक्तावाद से प्रेरित समाज की सोच माता पिता की महत्वाकांक्षा पर तक पहुँच कर रुक गयी है। छात्रों का मानस पैसे कमाने पर केन्द्रित है क्योंकि प्रतिस्पर्धा की चक्की में जीवन के उद्देश्य धुँधला गये हैं। छात्रों को इस जाल से निकालना आज के नीति निर्धारकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। यह कोई आसान काम नहीं है। शुरुआत में प्रायमरी और हाई स्कूल शिक्षण में आमूलचूल परिवर्तन करना समय की माँग है। स्कूली शिक्षा को ही इतना बेहतर बनाना जरूरी है कि कोचिंग की जरूरत ही खत्म हो जाये। प्रतियोगी परीक्षाओं का फॉर्मेट भी बदलाव मांगता है जिसमें छात्रों का मशीनी रिस्पॉन्स आंकने के बजाय उनकी बौद्धिक क्षमता का आकलन हो सके। पिछली सदी के प्रसिद्ध स्विस मनोवैज्ञानिक जाँ प्याज़े ने शिक्षा के विषय में बड़ी उपयोगी बात कही थी। उनके अनुसार शिक्षा का मुख्य उद्देश्य ऐसे स्त्री पुरुष बनाना है जो नये काम कर सकें, ना कि पुरानी पीढ़ियों को बस दोहराते रहें। आज की पीढ़ी के लिये यह जरूरी सबक है। छात्रों को चाहिये कि वे प्रतियोगिता की भेड़चाल से हट कर कुछ ऐसे काम करें जो देश और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में सहायक हों। एक अच्छा जीवन जीने के लिये धन कमाना भी जरूरी है लेकिन साथ ही दुनिया को बेहतर बनाने के लिये अपना योगदान भी उतना ही जरूरी है। यह केवल अनुभव से ही जाना जा सकता है कि जब सक्रिय जीवन गुजर चुका होता है तो हर व्यक्ति खुद ही अपने जीवन का मूल्यांकन करता है। अगर आपके हिस्से में देश, समाज और दुनिया की बेहतरी के थोड़े से भी काम होंगे तो आप बेशक प्रसन्नतापूर्वक जीवन बिता पायेंगे और वही वास्तविक सफलता होगी। इसलिए शिक्षा का उद्देश्य व्यक्तिगत उपलब्धियों से आगे बढ़कर देश और समाज के प्रति जिम्मेदारी का निर्वाह होना चाहिये। जैसा कि दक्षिण अफ्रीका के क्रांतिकारी नेता और विचारक नेल्सन मंडेला ने कहा था; शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका इस्तेमाल करके आप दुनिया बदल सकते हैं।

परमाणु हथियारों के प्रतिबंध की वकालत करती है हिरोशिमा त्रासदी

डॉ. रमेश ठाकुर

मानव इतिहास में '6 अगस्त 1945' की मनहूस तारीख को शायद ही कोई भूल पाए। हिरोशिमा दिवस के रूप में मनाई जाती है ये तारीख। इस तारीख में सिर्फ तबाही लिखी थी। तारीख में ऐसा मुकर्रर वक्त था जिसने मात्र 16 मिनट के भीतर 1,30,000 लोगों की सांसें एक साथ रोकी थी। हताहतों का आकंड़ा फिलहाल सरकारी है, पर वास्तिवक संख्या इससे कहीं अधिक बताई जाती है। हिरोशिमा पर किए परमाणु हमले में मरने वालों में बूढ़े, बच्चे, नौजवान, औरतें भी थीं। सुबह करीब 8:15 बजे अमेरिका ने हिरोशिमा पर अपने 'बी-29 'एनाला गे' विमान द्वारा आसमान से परिमाणु बमों की बारिश करके पूरा शहर जिंदा जला दिया था। घटना के वक्त ज्यादातर लोग सोए हुए थे, परमाणु बम ने उन्हें सोता ही मार दिया। हिरोशिमा में जब परमाणु बम फोड़ा गया, तो जापानियों को लगा कि सूरज फटा है। जबकि, वह सूरज नहीं, बल्कि तथाकथित विकसित, सभ्य और मुट्ठी भर लोगों का निर्णय तथा एक महाशक्ति द्वारा निर्मित कृत्रिम सूरज था जिसकी आग में लाखों निर्दोष लोग भाप बनकर चंद मिनटों में उड़ गए। घटना का सामूहिक हत्यारा अमेरिका था।

अगस्त माह की जब 6 तारीख आती है या फिर परमाणु हथियारों की बढ़ती तादात पर वैश्विक मंचों पर विमर्श होता है, तो जापान की दिल दहला देने वाली यह घटना आंखों के सामने अनायास उमड़ पड़ती हैं। घटना को श्रृधालजि के तौर पर ही सालाना 6 अगस्त को 'हिरोशिमा दिवस' के रूप में विश्व मनाता है। यह दिन उन मुल्कों को संकल्पित होने को आहवान भी करवाता है, जो परमाणु बम फोड़ने की अनाअवश्यक धमकी दिया करते हैं। साथ ही अहिंसा, त्रासदी, को छोड़कर भाईचारा अपनाने और शांति के पथ पर चलने को जागरूश्क भी करता है। 1945 में अमेरिका द्वारा जापान के दो शहरों पर गिराए गए अलग-अलग तारीखों पर परमाणु बम की यह कहानी काले अध्याय के रूप में तबतक दर्ज रहेगी, जबतक दुनिया इस धरती पर वास करेगी। 6 अगस्त को गिराए पहले बम का नाम

'एनाला गे' था। वहीं, 9 अगस्त वाले बम का नाम 'लिटिल बॉय' यानी यूरेनियम-आधारित परमाणु बम था।

जापान का जब तक अस्तित्व रहेगा, उनके लोग अमेरिका को माफ नहीं करेंगे। जापान के अलावा पूरे विश्व में इस मानव त्रासदी की निंदा प्रत्येक 6 अगस्त को की जाती है। नागासाकी पर गिराए बम से भी लाखों की संख्या में बेकसूर नागरिक मरे थे। हिरोशिमा दिवस वैश्विक स्तरीय पर परमाणु हथियारों के विरुद्ध एकजुट होने एवं समूचे संसार में अमन-शांति की वकालत के लिए भी याद किया जाता है। साथ ही भविष्य में ऐसे विनाशकारी युद्धों को रोकने के लिए परमाणु हथियारों को नष्ट करने की पुरजोर अपील भी करता है। हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति फ्रैंकलिन 'डेलानो रूजवेल्ट' के सन्दर्भ में 'लिटिल ब्वाय' और नागासाकी के बम को विन्सटन चर्चिल के सन्दर्भ में 'फैट मैन' भी कहा जाता है। फ्रैंकलिन डेलानो रूजवेल्ट अमेरिका के 32वें राष्ट्रपति हुआ करते थे। वह द्वितीय विश्वयुद्ध और वैश्विक आर्थिक मंदी के दौरान बीसवीं सदी के सबसे क्रूर व्यक्तियों में गिने जाते रहे। यह त्रासदी उनकी ही देन थी।

पाकिस्तान, अमरिका जैसे मुल्क आज भी परमाणु बमों को फोड़ने की धमकी देते हैं। इसलिए हिरोशिमा दिवस उनके लिए चेतावनी के अलावा सीख जैसा भी है। हिरोशिमा की घटना को आज 81 वर्ष हो गए, लेकिन दुर्भाग्य संसार आज भी युद्ध-हिंसा में संलग्न है। यूं कहें कि परमाणु हथियारों के ढेर पर बैठा है। हाल में, अमेरिका द्वारा ईराक पर परमाणु हमले की धमकी देना, दुनिया भर में बढ़ती हिंसा की घटनाएं और हथियारों को इकट्ठा करने की होड़ के बीच हमारे सामने यह प्रश्न खड़ा होता है कि हम हिरोशिमा और नागासाकी की घटनाओं से क्या कुछ सबक सीख पाए या नहीं? 81 साल पहले 2,50,000 हजार लोगों को मारकर भी अमेरिका को शांति नहीं मिली? अमेरिका की दादागिरी को जवाब देने का वक्त आ चुका है इसके लिए वैश्विक स्तर पर सभी मुल्कों को एकजुट होना होगा। साथ ही परमाणु हथियारों के निर्माणों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने की दिशा में सभी देशों को सामूहिक पहल करने की जरूरत है।

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतो की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरु होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चप्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है।

चिंतन

जीवन में भौतिक शरीर की मूल आवश्यकताओं और इच्छाओं से ऊपर उठते हुए उच्चतम शिखरों को छूते हुए अंत में स्वयं से और इस संसार से भी ऊपर उठना होता है। सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंग पूर्णतया सम्मिलित हैं। गुरु के सानिध्य में इस क्रिया को करने से निम्न चप्रों से आज्ञा चप्र व उससे आगे तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट हो जाता है। किसी युग में चप्रों पार करने और अंतिम स्थिति तक तक पहुंचना आसान रहा होगा पर आज हम जिस युग में रह रहे हैं, उसमें ऊंचाई तक पहुंचने के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करने की जरूरत रहती है। शास्त्रों और उन्हें जानने वाले ज्ञानीजनों के अनुसार कलियुग के इस अंतिम चरण में हम सब में से अधिकतर व्यक्ति स्वाधिष्ठान के स्तर पर ही अटके हुए हैं। कुछ ही अनाहद तक पहुंच सके हैं और उससे भी कम विशुद्धियां तक का मार्ग तय कर पाए हैं। जो आज्ञा चप्र तक पहुंच चुके हैं, उन्हें आनंद की अनुभूति हो चुकी है और वे दिव्य शक्ति के साथ एक हो चुके हैं। वे गहन चिंतन के साथ अनंत आनंद की अवस्था में हैं।

आज्ञा चप्र तक पहुंचने के लिए विभिन्न युगों में कठिन और प्रखर साधन करने होते थे। इस युग में स्थितियां ऐसी नहीं है कि कठिन साधनाएं की जा सकें। एक ध्यान ही ज्यादा समर्थ है। आज्ञा चप्र तक पहुंचने और इसे जागृत करने में भी यही उपाय काम आता है।

संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मर्यादा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास-दोनों का अपमान है।

लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों

पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो 'संवाद से समाधान' का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ-हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना।

देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है। यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें। विपक्ष अपने विरोध को रचनात्मक बनाए, सरकार अपने संवाद को व्यापक बनाए और दोनों मिलकर संसद की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करें। लोकतंत्र का भविष्य टकराव में नहीं, संवाद में सुरक्षित है। संसद की गरिमा नारेबाजी से नहीं, विचार-विमर्श से बढ़ती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यदि संसद ही गतिरोध का प्रतीक बन जाएगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। समय की पुकार है कि राजनीति चुनावों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़े। पक्ष और विपक्ष दोनों यह स्मरण रखें कि वे किसी दल के नहीं, पहले भारत के प्रतिनिधि हैं। संसद की प्रत्येक घड़ी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उसे हठ, अहंकार और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। यदि लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, संसद की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करनी है और भारत को विकसित राष्ट्र नाना है, तो केवल एक ही मार्ग है-संवाद, सहमति और राष्ट्रहित। यही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही संसदीय मर्यादा का सर्वोच्च आदर्श।

अमेरिका बदल रहा अपनी परमाणु नीति, रूस-चीन से हुई जंग तो छोटे एटम बम से करेगा हमला

वाशिंगटन

चीन और रूस से संभावित टकराव को देखते हुए अमेरिका अपनी परमाणु रणनीति में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। अमेरिका इन दोनों देशों से जंग की स्थिति में छोटे परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा। एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पेंटागन ऐसी नई नीति पर काम कर रहा है जिसमें लंबी दूरी के रणनीतिक परमाणु हथियारों के साथ-साथ कम दूरी के टैक्टिकल न्यूक्लियर हथियारों को भी अहम विकल्प बनाया जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की नई नीति की समीक्षा का नेतृत्व पेंटागन के नीति प्रमुख एल्ब्रिज कोल्बी कर रहे हैं। उनका मानना है कि मौजूदा नीति राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के सामने महज दो ही विकल्प छोड़ती है। बड़ा परमाणु हमला या फिर कोई कार्रवाई नहीं।

ऐसे में नई रणनीति का मकसद राष्ट्रपति को ज्यादा व्यावहारिक और भरोसेमंद विकल्प देना है। इसके तहत सहयोगी देशों से जुड़े क्षेत्रीय युद्ध में दुश्मन के सैन्य ठिकानों पर छोटे परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किया जा सकेगा। यानी पूरी कहानी यह है कि अब अमेरिका एटम बम सिर्फ दुश्मन को डराने के लिए नहीं, बल्कि व्यवहारिक रूप से भी इस्तेमाल करेगा।

नई नीति को लेकर पेंटागन का तर्क है कि चीन और रूस के बढ़ते सैन्य प्रभाव के बीच सहयोगी देशों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रपति के पास ज्यादा लचीले परमाणु विकल्प होने चाहिए। इससे विरोधी देशों को हमले से पहले रोका जा सकेगा।

एक्सपर्ट्स ने इसे लेकर चेतावनी दी है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर छोटे परमाणु हथियारों को सैन्य योजना का हिस्सा बना दिया गया तो उनके इस्तेमाल की संभावना बढ़ जाएगी। इससे पारंपरिक युद्ध के परमाणु युद्ध में बदलने का जोखिम भी बढ़ सकता है।

ये कम क्षमता और कम दूरी वाले परमाणु हथियार होते हैं। इन्हें पूरे शहर को तबाह करने के बजाय युद्धक्षेत्र, सैन्य ठिकानों या सीमित सैन्य लक्ष्यों पर इस्तेमाल के लिए बनाया जाता है।

गौरतलब है कि 1945 में हिरोशिमा और नागासाकी के बाद दुनिया में परमाणु हथियार का इस्तेमाल नहीं हुआ है।

बच्चों की सुरक्षा मामले में मेटा पर 56.7 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त जुर्माना लगा

न्यू मैक्सिको, (वार्ता)। अमेरिका के न्यू मैक्सिको की स्थानीय अदालत ने बच्चों को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े खतरों के बारे में जानकारी न देने के मामले में मेटा पर 56.7 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त जुर्माना लगाया है। बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों में कंपनी के खिलाफ यह अब तक का सबसे बड़ा फैसला है। इसके साथ ही इस मामले में मेटा पर कुल जुर्माना बढ़कर 94.2 करोड़ डॉलर हो गया है। न्यायाधीश ब्रायन बीडशीड ने मेटा को सार्वजनिक नुकसान पहुंचाने वाली कंपनी बताया और कहा कि कंपनी के प्लेटफॉर्म बच्चों को हानिकारक सामग्री एवं यौन शिकारियों के संपर्क में ला रहे हैं, जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। अदालत ने मेटा को बच्चों की सुरक्षा और उनके इलाज के लिए एक बड़ा कोष बनाने का आदेश दिया है। इस राशि का एक बड़ा हिस्सा बच्चों के स्वास्थ्य कार्यक्रमों और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर खर्च किया जाएगा। फैसले के तहत मेटा को 18 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कई सख्त नियम लागू करने होंगे।

पहले दादा-दादी का किया मर्डर, फिर छात्र ने स्कूल पहुंचकर 5 शिक्षकों को उतार दिया मौत के घाट

बैंकॉक

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के ठीक उत्तर में एक हाई स्कूल में हुई गोलीबारी में कम से कम पांच शिक्षकों की जान लेने वाले संदिग्ध शूटर ने स्कूल जाने से पहले कथित तौर पर अपने दादा-दादी की भी हत्या कर दी। थाईलैंड के जन स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि ये दोनों बुजुर्ग अपने घर में मृत पाए गए। बीबीसी के अनुसार, थाईलैंड के स्वास्थ्य मंत्रालय न बताया कि सबसे पहले 9वीं कक्षा के 14 वर्षीय छात्र ने अपने दादा-दादी की गोली मारकर हत्या कर दी, और फिर थाईलैंड के नोंथाबुरी प्रांत में स्थित डेबसिरिन स्कूल की नोंथाबुरी शाखा में जाकर पाँच शिक्षकों की जान ले ली। मंत्रालय ने बताया कि इसके बाद उस किशोर ने खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बताया कि किशोर ने जिस 9एमएम हैंडगन का इस्तेमाल किया, वह उसके दादा की थी, जो खुद एक शिक्षक थे। पुलिस ने यह भी बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 10:00 बजे के ठीक बाद गोली चलने की सूचना मिली थी। थाईलैंड के प्रमुख बचाव समूह पोह टेक तुंग फाउंडेशन की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में 7 लोगों की मौत हुई है और 15 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत बेहद गंभीर है। फाउंडेशन ने अपने एक बयान में कहा कि अधिकारी तत्काल प्रभाव से छात्रों को स्कूल परिसर से सुरक्षित बाहर निकाल रहे हैं।

यह गोलीबारी बैंकॉक के उत्तर में स्थित नोंथबुरी प्रांत के बैंग क्रुई जिले में एक व्यस्त राजमार्ग पर मौजूद देबसिरिन नोंथबुरी स्कूल में हुई। यह एक प्रसिद्ध माध्यमिक विद्यालय है, जहां लगभग 3,000 छात्र पढ़ते हैं। शूटर स्कूल में हमला करने से पहले घर पर दो हत्या करके आया था, जिसमें उसके ग्रांडपरेंट्स की मौत हो गई। नोंथबुरी प्रांतीय पुलिस कमांडर

लेफ्टिनेंट कर्नल देचरापी कोंगडी ने बताया कि संदिग्ध हमलावर ने खुद की भी जान ले ली है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने हमलावर की पहचान एक छात्र के रूप में की है। इमरजेंसी कर्मचारियों द्वारा जारी तस्वीरों में एक व्यक्ति एम्बुलेंस के बाहर स्ट्रेचर पर लेटा हुआ दिख रहा है, जबकि एक मेडिकल कर्मचारी दूसरे व्यक्ति का इलाज कर रहा है। 18 साल के छात्र ने रॉयटर्स को बताया कि उसे शुरू में लगा कि पटाखे फूट रहे हैं या कोई किसी चीज़ को पटक रहा है। उसने कहा कि मुझे पहले नहीं लगा कि यह बंदूक है। कई बार गोली चलने की बैंग-बैंग-बैंग की आवाज आई। फिर सब शांत हो गया। फिर दोबारा आवाज आने लगी। नेशनल पुलिस के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल ट्रिरोंग फोफान ने रॉयटर्स को बताया कि संदिग्ध शूटर भी मरने वाले सात लोगों में शामिल था। उन्होंने कहा कि पंद्रह लोग घायल हुए हैं।

सोलर पावर अपग्रेड का रास्ता साफ

अनिल मेनन और जेसिका मीर ने पूरी की आईएसएस की स्पेस वॉक

वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के बाहर नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन और जेसिका मीर ने सफल स्पेस वॉक पूरी की। इस दौरान दोनों ने स्टेशन के पावर सिस्टम में महत्वपूर्ण बदलाव किए, जिससे भविष्य में नए सोलर एरे लगाने की तैयारी पूरी हो गई है। यह स्पेस वॉक छह घंटे 27 मिनट तक चली। दोनों अंतरिक्ष यात्री क्वेस्ट एयरलॉक से बाहर निकलकर स्टेशन के बाहरी हिस्से में पहुंचे और स्टारबोर्ड 6 ट्रस सेगमेंट पर लगे 3बी पावर चैनल के लिए माउंटिंग हार्डवेयर स्थापित किया। इस काम से भविष्य में रोल-आउट सोलर एरे लगाने में मदद मिलेगी। नासा के अनुसार, नए सोलर एरे से अंतरिक्ष स्टेशन को अतिरिक्त ऊर्जा मिलेगी। इससे स्टेशन के महत्वपूर्ण सिस्टम को बेहतर तरीके से चलाने में सहायता मिलेगी और भविष्य में स्टेशन को सुरक्षित रूप से डी-ऑर्बिट करने की योजना में भी मदद मिलेगी। यह मिशन जेसिका मीर की छठी और अनिल मेनन की पहली स्पेस वॉक थी। वहीं, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के इतिहास में यह 281वीं स्पेस वॉक रही। काम के दौरान मेनन को एक विशेष पोर्टेबल फुट रेस्ट पर तैनात किया गया, जिससे उन्हें ट्रस पर उपकरण लगाने में स्थिरता मिली। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों ने सोलर एरे से जुड़े भविष्य के बिजली कनेक्शन के लिए केबलिंग का काम भी पूरा किया। इसके बाद उन्होंने जरूरी हिस्सों को मल्टी-लेयर इंसुलेशन से ढका। स्पेस वॉक के दौरान दोनों ने अंतरिक्ष से चांद को देखा और भविष्य के चंद्र अभियानों को लेकर भी बातचीत की। 2021 से अब तक अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष स्टेशन पर छह आईआरओएसएअसेंबली स्थापित कर चुके हैं। अब दो और असेंबली भेजी जानी बाकी हैं, जिन्हें इस साल के अंत तक स्टेशन पर पहुंचाने की योजना है। यह स्पेस वॉक एक्सपेडिशन 75 अभियान के तहत निर्धारित तीन बाहरी अभियानों में पहली थी। आने वाले दिनों में दो और स्पेस वॉक प्रस्तावित हैं। इनमें अंतरिक्ष संचार के लिए जरूरी एंटीना बदलना और पावर चैनल केबल व डेटा सिस्टम को जोड़ने जैसे कार्य शामिल होंगे। इन तकनीकी सुधारों का उद्देश्य अंतरिक्ष स्टेशन की ऊर्जा क्षमता और संचार व्यवस्था को मजबूत करना है, ताकि भविष्य के वैज्ञानिक प्रयोगों और अंतरिक्ष अभियानों को बेहतर समर्थन मिल सके।

केदारनाथ हाईवे पर मलबे का कहर तिलवाड़ा में भूस्खलन से एनएच-107 बंद

रुद्रप्रयाग, (वार्ता)

उत्तराखंड में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भूस्खलन का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को रुद्रप्रयाग जिले के तिलवाड़ा क्षेत्र में नगर पंचायत शौचालय के समीप बरसाती नाले में अचानक भारी मलबा और विशाल बोल्डर आने से केदारनाथ हाईवे (राष्ट्रीय राजमार्ग-107) पूरी तरह बाधित हो गया। घटना के बाद यात्रियों और स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) विभाग और राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचे। जेसीबी मशीनों की मदद से युद्धस्तर पर मलबा हटाने का कार्य शुरू किया गया और मार्ग को जल्द से जल्द सुचारु करने के प्रयास किए गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी विशाल मिश्रा स्वयं मौके पर पहुंचे और राहत एवं मार्ग बहाली कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संवेदनशील स्थल पर 24 घंटे जेसीबी मशीनों सहित सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध रखे जाएं, ताकि दोबारा मलबा आने की स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। साथ ही तकनीकी टीमों को पहाड़ी का विस्तृत सर्वेक्षण कर संभावित जोखिम का आकलन करने और स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि लगातार हो रही बारिश को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने यात्रियों से मौसम विभाग की चेतावनियों और प्रशासन की एडवाइजरी का पालन करने, अनावश्यक यात्रा से बचने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरतने की अपील की।

प्रशासन के अनुसार, मार्ग बहाली का कार्य लगातार जारी है और स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

'डबल इंजन' अब बन गया है 'ट्रबुल इंजन': अखिलेश

लखनऊ, (वार्ता)

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर मॉडल और गुजरात मॉडल को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है।श्री यादव ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए आरोप लगाया कि गोरखपुर मॉडल की पोल खुलने के साथ ही तुलना के रूप में गुजरात मॉडल में घपलेबाजी की बातें भी सामने आ गई हैं। उन्होने एक्स पर जारी बयान में कहा, दोनों मॉडलों में एक समान बात यह है कि दोनों राज्यों में भाजपा की सरकार है और दोनों जगह महाभ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं। आपसी टकराहट ने 'डबल इंजन' को 'ट्रबल इंजन' बना दिया है। उन्होने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के दावों और उसकी कार्यशैली के बीच बड़ा अंतर है तथा अब उसके मॉडल की वास्तविकता जनता के सामने आ रही है।

कावेरी जल विवाद का राजनीतिकरण नहीं करना चाहती तमिलनाडु सरकारः विजय

चेन्नई, (वार्ता)

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) का कावेरी नदी जल जैसे संवेदनशील मुद्दे को राजनीतिक रंग देने का कोई इरादा नहीं है। श्री विजय ने यह बात विपक्षी दलों द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक), अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) और अन्य दलों के नेताओं द्वारा कावेरी जल मुद्दे पर लाये गये विशेष ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कही। विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने पूछा था कि सरकार सर्वदलीय बैठक बुलाने से क्यों बच रही है, जबकि कर्नाटक पिछले एक महीने से ऐसी बैठकें कर रहा है और मेकेदातु परियोजना को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इसके जवाब में मुख्यमंत्री ने 1969 में विधानसभा में हुई चर्चा का उल्लेख किया, जब कर्नाटक द्वारा बांध निर्माण की कोशिशों के बीच केंद्र और दोनों राज्यों के बीच त्रिपक्षीय बातचीत का सुझाव दिया गया था।

श्री विजय ने कहा, हम इसे एक बार कोशिश करके क्यों न देखें...

मैंने केवल कावेरी मुद्दे का कोई सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने की उम्मीद के साथ मुख्यमंत्री-स्तर की बातचीत का प्रस्ताव रखा था। यही वजह है कि मैंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के साथ बातचीत करने के लिए बेंगलुरु जाने का फैसला किया था। अपने फैसले को उचित ठहराते हुए श्री विजय ने कहा कि जब युद्धरत देश बातचीत के जरिए समाधान ढूंढ रहे हैं, तो एक पड़ोसी राज्य होने के नाते उन्हें लगा कि बातचीत की कोशिश जरूर की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि इस बातचीत से कुछ सकारात्मक संकेत मिलेंगे। कुछ लोगों के इस सवाल पर कि अगर बातचीत के दौरान राज्य का अपमान हुआ तो क्या होगा, मुख्यमंत्री ने कहा, तमिलनाडु के लोगों के हित में मैं इसे सहने के लिए तैयार हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कावेरी नदी तमिलनाडु और वहां के किसानों के लिए जीवन रेखा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीवीके सरकार इस मुद्दे पर राज्य के अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेज दिया गया है। साथ ही, उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जल शक्ति राज्य मंत्री के उस बयान को वापस लेने की मांग की है, जिसमें कहा गया था कि कावेरी नदी पर निर्माण के लिए कर्नाटक को निचले राज्यों की सहमति की जरूरत नहीं है। श्री विजय ने यह भी कहा कि राज्य इस मुद्दे पर तमिलनाडु के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी कानूनी रास्ते अपनाना जारी रखेगा।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

वरुण धवन निभाएंगे वाईआरएफ की पहली हॉरर फिल्म में मुख्य भूमिका

यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) पहली बार हॉरर जॉनर में कदम रखने जा रही है। इस फिल्म में अभिनेता वरुण धवन मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि निर्देशन और पटकथा की जिम्मेदारी रॉकेट बॉयज़ से चर्चित अभय पन्नू संभालेंगे।फिल्म की शूटिंग इस वर्ष के अंत में शुरू होने की योजना है और इसे वर्ष 2027 में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ किया जाएगा। फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के अनुसार, वाईआरएफ की पहली हॉरर फिल्म के लिए वरुण धवन को मुख्य अभिनेता के रूप में चुना गया है। सूत्रों का कहना है कि यश राज फिल्म्स ने अब तक लगभग हर प्रमुख जॉनर में फिल्में बनाई हैं, लेकिन हॉरर ऐसा जॉनर था, जिसमें स्टूडियो ने अब तक कदम नहीं रखा था। यह फिल्म उसी दिशा में वाईआरएफ की पहली पेशकश होगी। सूत्रों के अनुसार , अभय पन्नू के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म को अक्षय विधानी रणनीतिक रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। रॉकेट बॉयज़ की सफलता के बाद यह अभय पन्नू की पहली थिएटरिकल फिल्म होगी। इसके साथ ही यह परियोजना नई पीढ़ी के फिल्मकारों को अवसर देने की वाईआरएफ की रणनीति को भी आगे बढ़ाती है। सैयार की सफलता के बाद आदित्य चोपड़ा के मार्गदर्शन में स्टूडियो मोहित सूरी, समीर सक्सेना और अब अभय पन्नू जैसे निर्देशकों के साथ काम कर रहा है। सुई धागा के बाद यह वरुण धवन की यश राज फिल्म्स के साथ दूसरी फिल्म होगी। इस बार वह स्टूडियो की पहली थिएटरिकल हॉरर फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे।

फिल्म द पैराडाइज का टीजर रिलीज़

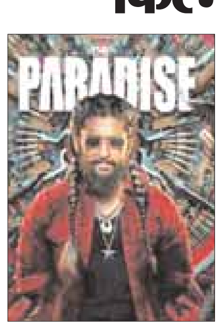

अभिनेता नानी और राघव जुयाल अभिनीत बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्म द पैराडाइज का टीजर रिलीज़ हो गया है, जिसमें दोनों कलाकारों के बीच दमदार टक्कर की झलक देखने को मिली है।श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बनी इस फिल्म का टीजर एक्शन, ड्रामा और शानदार विजुअल्स से भरपूर है। स्लम की पृष्ठभूमि पर आधारित कहानी में नानी दमदार और खौफनाक अंदाज में नजर आ रहे हैं, जबकि राघव जुयाल एक खतरनाक विलेन की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं। टीजर में दोनों के आमने-सामने आने से फिल्म के रोमांचक होने के संकेत मिलते हैं। दसरा की सफलता के बाद नानी और श्रीकांत ओडेला की यह दूसरी फिल्म है। फिल्म का गीत आया शेर पहले ही यूट्यूब पर 20 करोड़ से अधिक व्यूज़ और 18 लाख से ज्यादा लाइक्स हासिल कर चुका है। सोशल मीडिया पर भी यह गीत तेजी से लोकप्रिय हुआ है और इस पर हजारों रील्स बनाई जा चुकी हैं।

'सच्चे इरादों के साथ अपने विश्वासों पर डटे रहने की ताकत मिलती है' : करुणा पांडे

सोनी सब के लोकप्रिय शो पुष्पा इम्पॉसिबल में आने वाले एपिसोड्स में पुष्पा और कदंबरी के बीच संघर्ष और भी दिलचस्प होने वाला है। सच और बदले की इस लड़ाई में पुष्पा के सामने एक ऐसा कठिन फैसला आने वाला है, जहां उसे अपने सिद्धांतों और परिवार की सुरक्षा के बीच चुनाव करना होगा। शो में पुष्पा (करुणा पांडे) कदंबरी (ब्रिंदा त्रिवेदी) को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने की तैयारी कर रही है। वहीं कदंबरी पुष्पा को रोकने के लिए नई-नई चालें चलती है। वह दिलीप (जयेश मोरे) को बिना बताए अपनी योजना में शामिल करती है और ऐसी परिस्थितियां पैदा करती है, जिससे पुष्पा के बेटे अश्विन (समृद्ध बावा) की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है। कदंबरी के लगातार दबाव के बीच पुष्पा को अपने सिद्धांतों पर कायम रहने और अपने परिवार को बचाने के बीच कठिन निर्णय लेना पड़ता है। जैसे-जैसे दोनों के बीच टकराव बढ़ता है, पुष्पा के हर कदम की कीमत और भी बड़ी होती जाती है आगामी ट्रैक के बारे में करुणा पांडे ने कहा, यह सीक्वेंस पुष्पा को ऐसी स्थिति में ला खड़ा करता है, जिसका सामना कोई भी नहीं करना चाहेगा। एक तरफ वह न्याय है जिसके लिए वह लगातार लड़ रही है और दूसरी तरफ उसके सबसे प्रिय लोगों की सुरक्षा। यही इस सफर को इतना भावनात्मक बनाता है, क्योंकि यहां कोई आसान विकल्प नहीं है।

हुमा कुरैशी ने 'बयान' के आईएफएफएम 2026 में ऑस्ट्रेलियन प्रीमियर पर जताई खुशी

अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपनी आगामी फिल्म बयान के 2026 इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) में ऑस्ट्रेलियन प्रीमियर को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की है।बिकास रंजन मिश्रा के लेखन और निर्देशन में बनी हिंदी पुलिस प्रोसीजरल ड्रामा बयान फेस्टिवल की आधिकारिक लाइन-अप में शामिल की गई है। फिल्म का ऑस्ट्रेलियन प्रीमियर मेलबर्न में होगा। फिल्म में हुमा कुरैशी ने रूही नामक एक दृढ़ निश्चयी पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है, जो अपने पहले बड़े मामले की जांच करती है। यह मामला एक प्रभावशाली धार्मिक गुरु पर लगे यौन शोषण के आरोपों से जुड़ा है। जांच के दौरान रूही को व्यवस्था की बाधाओं, गवाही देने से हिचकिचाने वाले लोगों और न्याय की राह में आने वाली कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हुमा कुरैशी ने कहा, 'बयान' मेरे करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण और भावनात्मक रूप से संतोष देने वाली फिल्मों में से एक है। रूही एक ऐसी महिला है, जो हर तरह के दबाव के बावजूद अपने सिद्धांतों पर अडिग रहती है। इस किरदार को निभाने से मुझे एक कलाकार के रूप में बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। फिल्म की खासियत केवल इसकी रोमांचक जांच नहीं है, बल्कि यह सत्ता, सच और न्याय से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल भी उठाती है। मुझे बेहद खुशी है कि बयान का प्रदर्शन इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में होने जा रहा है। यह ऐसा मंच है, जिसने हमेशा साहसी और सार्थक सिनेमा को प्रोत्साहित किया है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस फिल्म से जुड़ेंगे और इसकी कहानी लंबे समय तक उनके साथ बनी रहेगी।

जिला स्तरीय शालेय तैराकी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाए अपने जौहर

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

गत दिवस कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला नरसिंहपुर के वार्षिक खेल कैलेण्डर सत्र 2026-27 के अनुसार जिला स्तरीय शालेय तैराकी,ड्राइविंग, वाटरपोलो अंडर 14 17 एवं 19 आयु वर्ग बालक/ बालिका क्रीडा प्रतियोगिता अशासकीय काबरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल गाडरवारा में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विकासखंडो से आये छात्र छात्राओं ने तैराकी कौशल का प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने तैराकी की विभिन्न विधाओं में अपने जौहर दिखाते हुए दमदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता उपरांत कटनी में आयोजित होने वाली संभाग स्तरीय तैराकी स्पर्धा हेतु छात्र छात्राओं का चयन उनके बेहतर खेल के आधार पर किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन में सांदीपनी स्कूल साईखेड़ा के विद्यार्थी आगे रहे। इस आयोजन में प्राचार्य डॉ संपा दास,ब्लॉक खेल प्रभारी सत्यप्रकाश ढिमोले, डॉ अजिता वर्मा, मधुसूदन पटैल, अजय सोनी,सीमा कुशवाहा, ज्योति धानक,आदित्य द्विवेदी, यूनिश हुसैन, तरुण भास्कर,, देवेंद्र रजक आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा। उक्त आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी डॉ अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन एवं जिला खेल अधिकारी अनुज जैन के निर्देशन में किया गया।

नाबालिग बच्ची को झूठ बोलकर स्कूल से बुलाया और जंगल में दुष्कर्म के बाद की हत्या

नरसिंहपुर पुलिस की रातभर चली कार्यवाही, आरोपी गिरफ्तार

ग्राम एवं जंगल क्षेत्र में रातभर सघन सर्च अभियान चलाया गया

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

थाना गोटेगांव क्षेत्र के एक ग्राम में 8 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म एवं हत्या की घटना सामने आई है। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को चंद घंटों गिरफ्तार कर लिया है। स्कूल से निकली बालिका घर नहीं पहुंची, परिजनों ने दर्ज करायी एफआईआर- परिजनों के अनुसार दिनांक 05 अगस्त 2026 को बालिका विद्यालय से यह कहकर छुट्टी लेकर निकली थी कि उसके पिता ने उसे बुलाया है। किंतु वह घर नहीं पहुंची। परिवार द्वारा गांव एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तलाश की गई, परंतु बालिका का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने चैकी झौतेश्वर, थाना गोटेगांव में एफआईआर दर्ज कराई। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय, वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे मौके पर, तत्काल शुरू हुई तलाश- शिकायत प्राप्त होते ही चैकी झौतेश्वर, थाना गोटेगांव पुलिस ने वैधानिक कार्यवाही करते हुए बालिका की तलाश प्रारंभ कर दी। प्रारंभिक खोजबीन के बावजूद कोई जानकारी प्राप्त नहीं होने पर वरिष्ठ अधिकारियों ने संभाली कमान एवं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया एवं अन्य अधिकारी तत्काल घटनास्थल पहुंचे गांव वालों के साथ मिलकर वैज्ञानिक पद्धति से जंगल में सर्च ऑपरेशन को और व्यापक रूप दिया गया। डॉग स्क्वॉड और वैज्ञानिक तकनीक से चलाया गया व्यापक सर्च अभियान- बालिका की तलाश में डॉग स्क्वॉड की सहायता ली गई तथा संभावित स्थानों की गहन तलाशी कराई गई। पुलिस बल ने देर रात तक लगभग 7 से 8 घंटे जंगल, झाड़ियां, खेत एवं निर्जन क्षेत्रों में लगातार खोजबीन जारी रखी। झाड़ियों में मिला बालिका का शव, दुष्कर्म और हत्या की आशंका- देर रात्रि तलाशी के दौरान गांव से करीब 1.5 किलोमीटर दूर घने जंगल में एक बालिका का शव दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा निकट जाकर जांच करने पर पाया गया कि बालिका की मृत्यु हो चुकी है। घटनास्थल की परिस्थितियों के आधार पर घटना स्थल को सुरक्षित किया गया। एफएसएल एवं फिंगर प्रिंट विशेषज्ञों ने जुटाए महत्वपूर्ण साक्ष्य-घटनास्थल को तत्काल सुरक्षित कर फिंगर प्रिंट विशेषज्ञों द्वारा फिंगर प्रिंट संकलित किए गए तथा एफएसएल टीम द्वारा वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए गए। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, परिस्थितिजन्य प्रमाणों एवं मुखबिर तंत्र के आधार पर संदिग्ध व्यक्तियों की गहन जांच प्रारंभ की। प्रथम दुष्टया यह प्रतीत हुआ कि बालिका के साथ पहले दुष्कृत्य किया गया विराध करने पर उसकी हत्या कर दी गई। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि हत्या दोपहर लगभग 2 बजे से 3:30 के मध्य की गई है। पूछताछ से जांच को मिली महत्वपूर्ण दिशा-घटना के संबंध में विद्यालय के शिक्षकों एवं अन्य व्यक्तियों से पूछताछ के दौरान यह तथ्य सामने आया कि बालिका को अंतिम बार अन्नू नामक व्यक्ति के साथ देखा गया था। इसके अतिरिक्त एक प्रत्यक्षदर्शी ने जानकारी दी कि जंगल की ओर जाते समय एक व्यक्ति, जिसने लाल रंग की शर्ट पहन रखी थी, अपने साथ एक बालिका को मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले जाते हुए दिखाई दिया था। इस महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्ति की पहचान एवं पतासाजी की कार्यवाही तत्काल प्रारंभ की गई। तकनीकी जांच से आरोपी की पहचान, फरार होने से पहले दबोचा गया- जांच के दौरान आरोपी की पहचान अनिल यादव के रूप में हुई जे कि गांव का ही रहने वाला है। पुलिस टीम ने आरोपी को पकड़ने के लिए संभावित स्थानों पर प्रभावी घेराबंदी की। सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी एक स्थान पर मौजूद है। पुलिस टीम तत्काल वहां पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपी ने मोटरसाइकिल से भागने का प्रयास किया, किंतु पुलिस की सतर्कता एवं त्वरित कार्यवाही के चलते उसे ग्राम के पास अन्य जंगल से गिरफ्तार कर लिया गया। घटना के पश्चात आरोपी कुछ समय तक गांव वालों के साथ मिलकर बालिका की तलाश करने का दिखावा करता रहा- घटना के बाद आरोपी ने स्वयं को संदेह से दूर रखने के उद्देश्य से कुछ देर तक ग्रामीणों के साथ मिलकर बालिका की खोजबीन में शामिल होने का प्रयास किया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया अपराध- पुलिस पूछताछ में आरोपी द्वारा अपराध करना स्वीकार किया गया है।

सपना तिवारी को मिली डॉक्टर आफ फिलॉसोफी की उपाधि

रीवा, स्वतंत्र मत। । डाक्टर सपना तिवारी को अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा द्वारा महादेवी वर्मा के साहित्य में नारी चिंतन विषय पर डाक्टर आप फ़िलॉसोफ़ी की उपाधि प्रदान की गयी है । डॉ सपना तिवारी जिला पंचायत रीवा के पूर्व उपाध्यक्ष राहुल गौतम की पत्नी हैं और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम की पुत्रवधू हैं । डाक्टर सपना तिवारी लगातार समाजसेवा लगातार दो दशक से समाजसेवा में सक्रिय भूमिका का निर्वाहन करती आ रही हैं उनके द्वारा लगातार गांवों में जाकर लोगों की मदद की जाती है महिलाओं की शिक्षा और उनके सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक सफलता के लिए समाज में सक्रिय भूमिका का बराबर निर्वाहन किया जा रहा है। उनका शोध-पत्र शिक्षाविद अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के हिन्दी विभाग के प्रोफेसर डाक्टर दिनेश कुशवाह के मार्गदर्शन में किया गया है। डाक्टर सपना को पीएचडी की उपाधि मिलने पर उनके परिवार इष्टमित्रों और शुभचिंतकों ने खुशी जाहिर की है।

त्रिशक्ति राष्ट्रीय मंच ने मनाया अपना सावन महोत्सव

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

त्रिशक्ति राष्ट्रीय मंच की गाडरवारा प्रभारी श्रीमति अनिता मिश्रा के तत्वाधान में श्रावण माह के शुभ अवसर पर अपना सावन महोत्सव मनाया गया। जिसमें सभी महिलाओं ने उमंग और उत्साह से भाग लिया। सभी महिलाओ ने हरे रंग की भिन्न-भिन्न वेशभूषा में आकर कार्यक्रम की रौनक बढ़ाई। त्रिशक्ति मंच के होरा महिलाओं के लिये सावन क्वीन प्रतियोगिता, डांस एवं गेम्स भी रखे गये। सावन क्वीन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रीमति पूजा जैन, द्वितीय स्थान श्रीमति दीप्ति हबे एवं तृतीय स्थान पूजा तिवारी ने प्राप्त किया। इस महोत्सव का मंच संचालन श्रीमति पूजा तिवारी द्वारा किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमति अनुराधा काबरा, श्रीमति मृदुला अग्रवाल, श्रीमति मधुमलानी, श्रीमति सुधा पत्लोद, श्रीमति सपना सोनी ने अपना अमूल्य समय देकर कार्यक्रम को सफल बनाया। श्रीमति शालिनी त्रिपाठी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम में श्रीमति प्रिया शर्मा चाँदनी दीक्षित, भारती तिवारी, अंजना मिढ़ोतिया, पूजा जैन, फूला विश्वकर्मा, मीना रघुवंशी, रेखा रघुवंशी सुषमा राजौरिया, खुलेखा श्रीवास्तव, संध्या शर्मा, सुरक्षा सोनी, रचना तिवारी, एकता तिवारी, संगीता लवानिया, रीना लंबानिया, कुसुम दुबे, प्रियंका दुबे, दीप्ति दुबे, सुखदेवी तिवारी, आरती नामदेव आदि सभी ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया ।

पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने विधायक निवास पर आयोजित की जनसुनवाई

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा प्रत्येक गुरुवार को विधायक निवास पर आयोजित जनसुनवाई में इस सप्ताह 297 आवेदन प्राप्त हुए। विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं मांगें श्री पटेल के समक्ष रखीं। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया।जनसुनवाई आमजन और जनप्रतिनिधि के बीच प्रभावी संवाद का सशक्त माध्यम बनती जा रही है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर यहां पहुंचते हैं। त्वरित कार्रवाई और सकारात्मक पहल से लोगों में जनसुनवाई के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है।जालम सिंह पटेल ने कहा कि जनता की समस्याओं का स्थायी समाधान उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि इस सप्ताह आयोजित जनसुनवाई में कुल 297 आवेदन प्राप्त हुए। सभी आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अभिनव पहल का विस्तार

बरगवां एवं चितरंगी के विद्यालयों में भी स्थापित हुए आधुनिक प्रोफेशनल टेलीस्कोप

सिंगरौली, स्वतंत्र मत।

कलेक्टर गौरव बैनल की अभिनव पहल से जिले में विज्ञान शिक्षा को नई दिशा मिल रही है। उत्कृष्ट विद्यालय बैढ़न एवं कन्या विद्यालय बैढ़न में 10-इंच प्रोफेशनल डोबसोनियन टेलीस्कोप की स्थापना के बाद अब इस पहल का विस्तार करते हुए कन्या शिक्षा परिसर बरगवां तथा संदीपनि विद्यालय चितरंगी में भी आधुनिक प्रोफेशनल टेलीस्कोप स्थापित कर दिए गए हैं। इससे इन विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को भी अंतरिक्ष विज्ञान का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होगा तथा उनकी वैज्ञानिक जिज्ञासा को नया आयाम मिलेगा। कलेक्टर गौरव बैनल के मार्गदर्शन में संचालित इस पहल का उद्देश्य जिले के विद्यार्थियों को आधुनिक विज्ञान एवं खगोल विज्ञान से जोड़ना है। टेलीस्कोप के माध्यम से छात्र अब चंद्रमा के क्रेटर, शनि के वलय, बृहस्पति की पट्टियों सहित ओरियन नेबुला, प्लीएड्स जैसे गहरे आकाशीय पिंडों का प्रत्यक्ष अवलोकन कर सकेंगे। इससे कक्षा में पढ़ाए जाने वाले विज्ञान विषय को व्यवहारिक रूप से समझने का अवसर मिलेगा और विद्यार्थियों में अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति रुचि विकसित होगी। उल्लेखनीय है कि 10 अप्रैल 2026 को उत्कृष्ट विद्यालय बैढ़न में इस अभिनव पहल का शुभारंभ किया गया था। उसी अवसर पर कलेक्टर गौरव बैनल ने चितरंगी एवं देवसर विकासखंड के मॉडल विद्यालयों में भी टेलीस्कोप स्थापित किए जाने की घोषणा की थी। अब कन्या शिक्षा परिसर बरगवां एवं संदीपनि विद्यालय चितरंगी में टेलीस्कोप की स्थापना के साथ यह घोषणा साकार हो गई है। यह पहल अडानी सीएसआर के सहयोग तथा भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (ढ्ढढ्ढस्श्वक्र) के तकनीकी परामर्श एवं मार्गदर्शन से संचालित की जा रही है। संस्थान द्वारा टेलीस्कोप के संचालन एवं रखरखाव के साथ-साथ चयनित शिक्षकों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा, ताकि विद्यालयों में नियमित रूप से खगोल विज्ञान संबंधी गतिविधियां संचालित हो सकें। जिला प्रशासन का उद्देश्य आने वाले समय में जिले के अधिक से अधिक विद्यालयों तक इस सुविधा का विस्तार करना है, ताकि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थी भी आधुनिक वैज्ञानिक संसाधनों से जुड़कर अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया को नजदीक से समझ सकें और विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकें।

वार्ड क्रमांक 18 में पीएम स्वनिधि योजना का शिविर आयोजित

सिंगरौली। पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत आज वार्ड नंबर 18 (सुदर्शन जयंत) स्थित दाऊ कुवर अर्जुन सिंह की प्रतिमा के समीप शेड पर एक दिवसीय विशेष कैंप का आयोजन किया गया। यह शिविर स्थानीय पार्षद अखिलेश सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर निगम के कर्मचारी एवं संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रात: 11:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक चले इस शिविर में योजना का लाभ उठाने के लिए वार्ड की आम जनता और हितग्राहियों की भारी भीड़ उपस्थित रही। दिनभर लोगों का आना-जाना बना रहा,पार्षद अखिलेश सिंह, स्थानीय कार्यकर्ताओं और नागरिकों के पूर्ण सहयोग एवं उत्साह से यह योजना शिविर अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

एनटीपीसी विंध्याचल में संविदाकर्मियों के लिए पॉश अधिनियम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सिंगरौली, स्वतंत्र मत।

एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिंगरौली के सहयोग से संविदाकर्मियों के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संविदाकर्मियों को पॉश अधिनियम के प्रावधानों, शिकायत निवारण व्यवस्था तथा सुरक्षित एवं सम्मानजनक कार्यस्थल के महत्व से अवगत कराना था।

कार्यक्रम में श्री अतुल कुमार खंडेलवाल, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिंगरौली, श्री खालिद मुहतरम अहमद, विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम), श्री मनोरम तिवारी, न्यायाधीश एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा श्रीमती तनु गुप्ता, प्रधान मजिस्ट्रेट, किशोर न्याय बोर्ड एवं सदस्य, आंतरिक शिकायत समिति ने पॉश अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों, कर्मचारियों के अधिकारों एवं कर्तव्यों, शिकायत निवारण प्रक्रिया तथा सम्मानजनक एवं सुरक्षित कार्यस्थल की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक एवं समावेशी कार्य वातावरण सुनिश्चित करना प्रत्येक कर्मचारी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ने कार्यस्थल पर लैंगिक संवेदनशीलता, नैतिक मूल्यों एवं सम्मानजनक व्यवहार को बढ़ावा देने में ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों की महत्ता पर बल दिया। इस अवसर पर श्रीमती रूमा डे शर्मा, मानव संसाधन प्रमुख(विंध्याचल), डॉ. देबस्मिता त्रिपाठी, अपर महाप्रबंधक (आरएलआई), श्री प्रणव वर्मा, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), श्रीमती कामना शर्मा, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), श्री अजय कुमार मीणा, वरिष्ठ प्रबंधक (विधि) सहित मानव संसाधन विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में संविदाकर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने सुरक्षित, सम्मानजनक एवं लैंगिक समानता पर आधारित कार्य संस्कृति को सुदृढ़ बनाने का संकल्प लिया।

एनसीएल ने कोयला गुणवत्ता पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया आयोजन

सिंगरौली, स्वतंत्र मत।

गुरुवार को सिंगरौली स्थित भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने एमडीआई, सिंगरौली में कोयला गुणवत्ता पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। एनसीएल द्वारा यह कार्यक्रम कोयला गुणवत्ता नियंत्रण के विभिन्न पहलुओं तथा गुणवत्ता के प्रति जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम का उद्घाटन एनसीएल के निदेशक (तकनीकी), आशुतोष द्विवेदी द्वारा किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि गुणवत्ता नियंत्रण केवल एक तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि राष्ट्र की सतत प्रगति, ऊर्जा सुरक्षा तथा औद्योगिक विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण कोयले की आपूर्ति से न केवल देश के विद्युत उत्पादन एवं औद्योगिक विकास को गति मिलती है, बल्कि उपभोक्ताओं का विश्वास भी सुदृढ़ होता है। साथ ही द्विवेदी ने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे अपने दैनिक कार्यों में गुणवत्ता के उच्चतम मानकों का पालन करते हुए स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर्स (एसओपी), वैज्ञानिक सैंपलिंग प्रणाली तथा प्रभावी निगरानी व्यवस्था को अपनाएँ। उन्होंने एनसीएल की कोयला गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता को उत्कृष्टता का द्योतक बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कोयला गुणवत्ता के मूलभूत मानकों, इन-पिट गुणवत्ता नियंत्रण, कोल हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) संचालन, साइजिंग, सैंपलिंग एवं परीक्षण, तृतीय पक्ष सैंपलिंग प्रोटोकॉल, शिकायत निवारण, मूल कारण विश्लेषण तथा सुधारात्मक उपायों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन गुणवत्ता नियंत्रण विभाग द्वारा महाप्रबंधक (गुणवत्ता नियंत्रण), डॉ. सी. पी. सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ओवरमैन, माइनिंग सरदार, विद्युत फोरमैन तथा कोयला प्रेषण एवं सीएचपी (सीएचपी) संचालन से जुड़े फ्रंटलाइन सुपरवाइजरों सहित 38 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

मुस्लिम समाज ने राज्यपाल के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

मुस्लिम समाज ने शुक्रवार की नमाज के बाद तहसील कार्यालय पहुँचकर श्रीधाम गोटेगांव में 8 साल की मासूम बच्ची के साथ बलात्कार कर हत्या की घटना का पुरजोर विरोध करते हुए घोर निंदा की है जामा मस्जिद व मुस्लिम समाज द्वारा में मध्य प्रदेश महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौपकर फांसी की सजा की मांग की है । ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि 6 अगस्त 2026को नरसिंहपुर जिले के श्रीधाम गोटेगांव में एक अत्यंत निंदनीय एवं हृदयविदारक घटना घटित हुई है। तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली 8 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ पहले दुष्कर्म किया गया और उसके पश्चात उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस जघन्य कृत्य ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। मासूम की असमय मृत्यु और उसके साथ हुई क्रूरता ने प्रत्येक नागरिक के मन में आक्रोश एवं भय उत्पन्न कर दिया है। मुस्लिम समाज, गाडरवारा इस घटना की घोर निंदा करता है और आपसे करबद्ध प्रार्थना करता है कि इस प्रकरण में लिप्त आरोपी के विरुद्ध कठोरतम धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध सजा सुनिश्चित की जाए। प्रकरण की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से कराई जाकर दोषी को शीघ्र फांसी की सजा दिलाई जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस प्रकार की घिनौनी हरकत करने से पहले हजार बार सोचे। पीड़ित परिवार को शासन द्वारा समुचित आर्थिक सहायता एवं सुरक्षा प्रदान की जाए। मुस्लिम समाज शांति और कानून में विश्वास रखता है। हम शासन- प्रशासन से मांग करते हैं कि दो ी को ऐसी सजा मिले जिससे उसकी आत्मा भी कांप जाए और समाज में एक कड़ा संदेश जाए। अत: आपसे अनुरोध है कि हमारे इस ज्ञापन को संज्ञान में लेकर त्वरित एवं कठोर कार्यवाही करने की कृपा करें, जिससे पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और समाज में विश्वास बना रहे। ज्ञापन का वाचन मुस्लिम विकास परिषद के अब्दुल फिरोज खान ने किया । ज्ञापन देने वालो में जामा मस्जिद के अध्यक्ष अबरार खान, महमूद पहलवान, फैजाने मदीना मस्जिद से मकसूद खान मेहबूब अत्तारी, आशिक हुसैन, फारूक खान, शाहिद ठेकेदार, वसीम खान, अरबाब अली, महमूद खान, आजम खान, इस्तेयाक अली, मकसाद अली, अफजल खान, आविद खान,सहित हसनी हुसैनी सोयायटी के युवा व मुस्लिम जमात के अनेको लोग प्रमुख थे । सभी ने गोटेगांव श्रीधाम में हुई इस घटना की घोर निंदा की ।

सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण क्षेत्र में शिक्षा के नए युग की शुरुआत : संजय पाठक

विधायक संजय पाठक के मुख्यातिथ्य में 33 करोड़ से निर्मित सांदीपनि विद्यालय हुआ लोकार्पण

कटनी (स्वतंत्रमत)

विजयराघवगढ़ विधानसभा के बरही तहसील के ग्राम पंचायत करेला में 33 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक के मुख्यातिथ्य में हुआ। इस अवसर पर छात्रों एवं उनके परिवारजनों से संवाद करते हुए विधायक संजय पाठक ने कहा है कि करेला में सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण केवल नए विद्यालय भवन का शुभारंभ नहीं, बल्कि खितौली करेला के दस किलोमीटर क्षेत्र में शिक्षा के नए युग और विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य ओर नए युग की शुरुआत है। यह विद्यालय विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेगा और उन्हें ज्ञान, संस्कार, आत्मविश्वास और कौशल से संपन्न बनाकर जीवन में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराएगा। उन्होंने आगे संवाद करते हुए स्कूल के बच्चों से कहा कि स्कूल के लोकार्पण के अवसर पर जिला कलेक्टर आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीओ के हरमनप्रीत कौर, डीएफओ गर्वित गंगवार जैसे आईएएस, ईपीएस अधिकारियों की उपस्थिति है सभी के लिए ये प्रेरणा स्त्रोत होने चाहिए। विद्यालय में अर्जित ज्ञान जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है आपकी संपत्ति खत्म हो सकती है, लेकिन ज्ञान, विवेक और बुद्धि की संपदा को कोई छीन नहीं सकता। शिक्षा से प्राप्त विवेक ही व्यक्ति को चुनौतियों का सामना करने, सही निर्णय लेने और निरंतर प्रगति करने की शक्ति देता है। विद्यार्थी अपने विद्यालयीन समय का सदुपयोग करें तथा ज्ञान के साथ अच्छे संस्कार भी ग्रहण करें। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। पढ़-लिखकर अच्छा डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, पत्रकार और प्रशासनिक अधिकारी बनने के साथ आधुनिक किसान, सफल उद्यमी, कुशल व्यापारी तथा जिम्मेदार नागरिक भी बना जा सकता है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुरूप क्षेत्र चुनकर उसमें उत्कृष्टता प्राप्त करने का संकल्प लेना चाहिए। जिसे उच्च शिक्षा के लिए जो सहयोग चाहिए मैं आपके साथ हमेशा हूँ। आप जिस भी क्षेत्र में जाएं, पूरी लगन, ईमानदारी और परिश्रम के साथ कार्य करते हुए श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करें। मेरा प्रयास होगा कि खितौली में शासकीय कॉलेज खुलें जिससे बच्चों को बरही न जाना पड़े। जिला कलेक्टर आशीष तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा का अर्थ है सीखना। स्कूल में पढ़ाई करने के पश्चात आपने ऐसा क्या सीखा जिसका उपयोग आप जीवन को सार्थक बनाने के लिए करते हैं, यही स्कूली शिक्षा का आधार है। इसलिए रटने से अच्छा है कि किसी बात को गहराई से समझें जिससे वो बात आपके दिमाग में अच्छी तरह से बैठ जाए और बौद्धिक क्षमता बढ़े। इस दौरान विधायक संजय पाठक ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विद्यालय परिसर का अवलोकन किया और विद्यार्थियों को नवीन सर्वसुविधायुक्त विद्यालय की शुभकामनाएं दीं। लोकार्पण कार्यक्रम में कलेक्टर आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीओ के हरमनप्रीत कौर, डीएफओ गर्वित गंगवार, जनपद अध्यक्ष बड़वारा सुधा जायसवाल, विजयराघवगढ़ अध्यक्ष सुधा कोल, उपाध्यक्ष उदयराज सिंह चौहान, पीयूष अग्रवाल, काशी गुप्ता, रंगलाल पटेल, अरविंद बडगैया, राजेश पटेल, तीर्थ पटेल, मनोज तिवारी, अमर सिंह आदि मंचासीन रहे।

राजस्व वसूली न होने पर मुख्य अभियंता नाराज

कटनी बिजली विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)

06 अगस्त को मुख्य अभियंता जबलपुर क्षेत्र द्वारा अधीक्षण अभियंता कटनी की उपस्थिति में चरणबद्ध तरीके से कटनी वृत्त के तीनों संभागों की समीक्षा बैठक ली गई जिसमें प्रथम चरण में कटनी, दक्षिण संभाग द्वितीय चरण में कटनी संचा/संधा संभाग एवं तृतीय चरण में कटनी शहर संभाग के समस्त अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली गई, जिसमें संभागों के कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता एवं सभी कनिष्ठ अभियंता उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य अभियंता द्वारा विभिन्न वितरण केन्द्रों के माह जुलाई 2026 में प्राप्त राजस्व संग्रहण शत प्रतिशत अर्जित न होने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की गई। माह अगस्त 2026 में प्रदाय किये लक्ष्यों एवं राजस्व संग्रहण की समीक्षा की गई, जिसमें मुख्य अभियंता द्वारा विभिन्न वितरण केन्द्रो में शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति हेतु निदेश दिये गए जिसमें उनके द्वारा कैश डिमांड की शत प्रतिशत वसूली करते हुए कंपनी प्रबंधन द्वारा प्रदाय किये गए लक्ष्य प्राप्त करने हेतु बकायादारों के कुर्की वारेंट जारी करने, अकांउट फ्रीज करने, दैनिक स्तर पर डिस्कनेक्शन करने, शत प्रतिशत बकाया राशि वाले ट्रांसफार्मर की विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध करने एवं अवैधानिक रूप से विद्युत का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं पर विद्युत अधिनियत 2003 की विभिन्न धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किये जाने हेतु स्पष्ट निर्देश जारी किये गए है इसके अतिरिक्त समस्त शासकीय परिसरों पर बकाया राशि की वसूली हेतु नोटिस के माध्यम से समय सीमा प्रदान करते हुए भुगतान प्राप्त न होने की दशा में कनेक्शन विच्छेदन हेतु निर्देश प्रदान किये गए है। साथ ही मुख्य अभियंता जबलपुर क्षेत्र द्वारा घरेलू फीडरों पर 24 घंटे तथा कृषि फीडरों पर 10 घंटे विद्युत आपूर्ति बनाये रखने, त्रुटिपूर्ण विद्युत देयको को तत्काल सुधार करते हुए भुगतान कराये जाने एवं स्थाई कृषि पंप उपभोक्ताओं के शत प्रतिशत वसूली हेतु निर्देश प्रदान किये गए। इसके अतिरिक्त कटनी शहर अंतर्गत लगाये जा रहे स्मार्ट मीटरों की प्रगति एवं ट्रांसफार्मर पर मीटराईजेशन की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी व्यक्त की गई एवं माह अगस्त में निर्धारित समय सीमा में कार्य को पूर्ण किये जाने हेतु निर्देश प्रदान किये गए।

श्री राम ज्वेलर्स का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

कटनी (स्वतंत्रमत)

रैपुरा थाना क्षेत्र में बदमाशों के हौंसने लगातार बुलंद नजर आ रहे हैं। बीती रात चोरों ने कटनी तिराहा से रानी अवंती बाई चौक मार्ग पर स्थित डायमंड सिटी में एक ज्वेलरी दुकान को निशाना बनाकर पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अज्ञात शातिर चोरों ने श्री राम ज्वेलर्स का ताला व शटर तोडकर लाखों रुपये के सोने चांदी के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अज्ञात चोरों ने बीती देर रात सुनसान माहौल का फायदा उठाकर डायमंड सिटी स्थित श्री राम ज्वेलर्स की दुकान की शटर में लगे ताले तोड़ दिए, इसके बाद चोर दुकान के भीतर घुसे और तिजोरी व शो-केस में रखे लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के गहने लेकर आसानी से चंपत हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम को मौके पर बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम ने दुकान का शटर खुलवाकर चोरी हुए सोने चांदी के सामान का बारीकी से निरीक्षण किया और संदिग्ध स्थानों से अज्ञात चोरों के फिंगरप्रिंट के नमूने एकत्र किए। इस दौरान रैपुरा थाना प्रभारी सावित्री राजपूत अपने पूरे पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहीं और स्थिति का जायजा लिया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घटनास्थल को सील कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है, ताकि बदमाशों के आने-जाने के मार्ग और पहचान की सुरागदेही की जा सके। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही मामले का पर्दाफाश कर दिया जाएगा। मुख्य मार्ग पर स्थित प्रतिष्ठित ज्वेलरी दुकान में हुई इस बड़ी चोरी से क्षेत्र के व्यापारियों और आम नागरिकों में भारी आक्रोश के साथ ही दहशत का माहौल है। स्थानीय व्यापारिक संघ ने पुलिस प्रशासन से मामले का त्वरित खुलासा करने, आरोपियों को गिरफ्तार करने और चोरी गया माल बरामद करने की कड़ी मांग की है।

प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर से निकली भव्य कलश यात्रा, जयघोष से गूंजा नगर

कटनी (स्वतंत्रमत)

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के शुभारंभ अवसर पर शुक्रवार को प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर से भव्य कलश यात्रा श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति की अनुपम छटा के बीच निकाली गई। हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तों एवं महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर यात्रा में सहभागिता निभाई। पूरे मार्ग में राधे-राधे, जय श्रीकृष्ण, हर-हर महादेव और जय श्रीराम के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कलश यात्रा का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुआ। यात्रा में आगे-आगे ध्वज-पताकाएं लिए श्रद्धालु चल रहे थे, जबकि सैकड़ों महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर सुसज्जित कलश लेकर भक्ति गीतों का गायन करती हुई आगे बढ़ रही थीं। नगरवासियों ने विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर कलश यात्रा का स्वागत किया तथा शीतल पेय और प्रसाद की व्यवस्था की। यात्रा का विशेष आकर्षण सुसज्जित वाहन रहा, जिस पर पूज्य वेद व्यास श्री यज्ञगुरु स्वामी वर्धमानाचार्य जी महाराज विराजमान होकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान कर रहे थे। उनके दर्शन एवं सान्निध्य के लिए मार्गभर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। महाराज ने अपने संदेश में कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानव जीवन को संस्कार, सदाचार, भक्ति और ईश्वर से जोड़ने का दिव्य माध्यम है। भव्य कलश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कथा स्थल, बालाजी नगर स्थित नीरज दुबे निवास पहुंची, जहां वैदिक रीति-रिवाजों के साथ कलश स्थापना कर श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। आयोजन समिति ने बताया कि 7 अगस्त से 14 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन सायं 4 बजे से हरि इच्छा तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा। समिति ने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से कथा श्रवण कर धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की है। पूरे आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला इस अबसर पर इस धार्मिक आयोजन के पं. राजेश दुबे, पं. रमेश दुबे (अन्नू), पं. अनिल दुबे (पप्पू) एवं पं. नीरज दुबे (नीटू) सीमांत दुबे शहर कांग्रेस अध्यक्ष अमित शुक्ला, भूरा पाठक सहित समस्त दुबे परिवार सहित श्रद्धालु भक्तों सहित भारी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही।

139.29 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन हाईस्कूल भवन का किया निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत शुक्रवार को कलेक्टर आशीष तिवारी, एसपी अभिनय विश्वकर्मा, डीएफओ गर्वित गंगवार और जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर सहित अन्य अधिकारी पूल वाहनों से विकासखण्ड बड़वारा के ग्राम पंचायत खितौली के लिए निकले।

इस दौरान मार्ग के ग्राम बुजबुजा में करीब 1 करोड़ 39 लाख रुपए की लागत से हाईस्कूल के निर्माणाधीन भवन का अधिकारियों ने निरीक्षण किया। यहां पेयजल व्यवस्था और भवन निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान देने के निर्देश के साथ कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री उदल सिंह को तय समय-सीमा में भवन निर्माण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मानव विकास समिति के निर्भय सिंह से कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं वनमंडल अधिकारी ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

जब कलेक्टर और एसपी बने शिक्षक, तो कक्षा में खिल उठे बच्चों के चेहरे

कटनी (स्वतंत्रमत)

पीएम श्री एकीकृत शासकीय हाई स्कूल कुआं में शुक्रवार को नजारा कुछ अलग था। यहां जिले के दो वरिष्ठ अधिकारी कलेक्टर आशीष तिवारी और पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा अचानक शिक्षक की भूमिका में नजर आए। अधिकारियों को अपने बीच शिक्षक के रूप में देखकर विद्यार्थियों के चेहरे पर उत्साह और जिज्ञासा साफ दिखाई दी।

कलेक्टर की कक्षा में हार की जीत की सीख- कलेक्टर आशीष तिवारी ने कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए हिंदी और अंग्रेजी विषय के पाठ पढ़ाए। उन्होंने कक्षा 9वीं में हिंदी विषय की कहानी हार की जीत को बेहद सहज और संवादात्मक अंदाज में समझाया। पाठ पढ़ाने के साथ कलेक्टर ने विद्यार्थियों से कहानी के पात्रों, घटनाओं और उसके संदेश से जुड़े सवाल पूछे। बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक जवाब दिए। जहां किसी विद्यार्थी को उत्तर देने में कठिनाई हुई, वहां कलेक्टर ने उसे सही उत्तर तक पहुंचने में मदद की। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि पढ़ाई केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को समझने और सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने का जरिया है।

सही जवाब पर मिली मिठाई, बढ़ा बच्चों का उत्साह- कक्षा में पढ़ाई के साथ माहौल में आत्मीयता और अपनापन भी

देखने को मिला। सवालों के सही जवाब देने वाले विद्यार्थियों को कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने मिठाई देकर प्रोत्साहित किया। छात्रों को केला और बिस्किट भी वितरित किए गए। सही जवाब पर मिली यह छोटी-सी मिठास विद्यार्थियों के लिए बड़ी खुशी बन गई। बच्चों के चेहरे पर मुस्कान और कक्षा में बढ़ता उत्साह यह बता रहा था कि जब पढ़ाई संवाद, प्रोत्साहन और अपनत्व के साथ होती है, तो सीखना और भी आनंददायक बन जाता है।

एसपी ने अंग्रेजी को बनाया आसान- पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा ने कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को अंग्रेजी विषय के अध्याय-3 टू स्टोरीज अबाउट फ्लाइंग का पाठ पढ़ाया। उन्होंने विद्यार्थियों को पाठ के विषय और घटनाक्रम को सरल तरीके से समझाया तथा बीच-बीच में सवाल पूछकर उनकी समझ को परखा। एसपी ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए और उन्हें आत्मविश्वास के साथ पढ़ने तथा अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक को अपने बीच शिक्षक की भूमिका में देखकर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह दिखाई दिया।

प्रस्फुटन समितियों की विकासखंड स्तरीय मासिक बैठक एवं प्रशिक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संवाद योजनांतर्गत विकासखंड बड़वारा में प्रस्फुटन समितियों की विकासखंड स्तरीय मासिक बैठक सह प्रशिक्षण (प्रस्फुटन शक्ति संचय) का आयोजन ग्राम पंचायत बड़वारा सभागार में किया गया। कार्यक्रम में प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर संस्थाओं, परामर्श दाता, एवं सीएम सोशल इंटर्न उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद से जिला समन्वयक डॉ तेज सिंह केशवाल समग्र स्वच्छता अभियान से ब्लॉक समन्वयक बबीता सिंह, जनपद सदस्य विनय नागवंशी एवं ब्लॉक समन्वयक नंदिनी वाटिया थाना बड़वारा से, आर 634 रामचरण आरक्षक, ग्राम पंचायत बड़वारा सचिव संतोष चौधर, नरेश यादव, अशोक कुशवाहा, सुरेश सिंह, भोलू पटेल का तिलक एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। जिला समन्वयक डॉ. तेज सिंह केशवाल ने परिषद की आगामी कार्ययोजना पर प्रकाश डालते हुए 4 जुलाई से 12 अगस्त तक आयोजित स्वैच्छिकता पर्व/पखवाड़ा, विषय पर प्रकाश देते हुवे कहा कि स्वैच्छिकता पर्व मनाने के लिए यह समझना होगा कि स्वैक्षिकता क्या है उसे समझना होगा जैसे हमें कोई कार्य करना यदि वह हमें अच्छा लगता है तो उस कार्य को करने में हमें आनंद आता है और आनंद से करते भी हैं। और उसके लिए हम

मानसिक रूप से तैयार भी होते हैं तीसरा जब हम मानसिक रूप से तैयार होते हैं तो नेतृत्व के गुण अपने आप ही हमें आ जाते हैं और यदि हमारा संवाद कुशलता अच्छा हो खाने का आशय हमारे अंदर जो अहंकार होता है उसको त्यागना होगा जिससे आगे जो भी कार्य करेंगे वह पूरी निष्ठा भाव से हम सुरक्षितता से कर पाएंगे और निश्चित ही उसका परिणाम देखने लायक होगा। तदोपरांत उनके द्वारा दमोह जिले के हरदा ग्राम में समिति सदस्य के द्वारा किया गया प्रेरणादाई पॉलिथीन मुक्त ग्राम बनाने के संघर्ष को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की द्वितीय क्रम में सीएम इंटर्न के द्वारा प्रेरणादाई संघर्ष गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की तृतीय चरण में समग्र स्वच्छता अभियान से ब्लॉक समन्वयक द्वारा बताया गया की शासन हमेशा कोई भी कार्य के लिए आपके प्रोत्साहन राशि प्रदान करती है ना कि निर्माण कार्य के लिए जब तक हमारे भीतर में स्वच्छता का प्रभाव नहीं होगा हमारे मन में, घर में और आसपास भी गंदगी मिलेगी। साथ ही समिति से आग्रह किया गया की 15 अगस्त ग्राम सभा में सभी पॉलिथीन मुक्त ग्राम बनाए जाने हेतु प्रस्ताव रखेंगे। कार्यक्रम की चतुर्थ चरण जनपद सदस्य विनय नागवंशी के द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में विभिन्न प्लेटफार्म से जुड़कर हम जन सहयोग के साथ सहयोग कर बेहतर कार्य कर सकते हैं और हमें उसमें सफलता भी पूर्ण रूप से मिलती है बसंत साथ चलने वाले सभी व्यक्तियों की सोच एक जैसी होनी चाहिए उन्होंने आगे प्रस्फुटन समितियां का उदाहरण देते हुए कहा किए उनकी देखने में प्रस्तुत समितियां के माध्यम से विभिन्न आयामों में कार्य किया जा रहे हैं जैसे नशा मुक्ति पर्यावरण जल संरक्षण महिला सशक्तिकरण जैविक कृषि नर्सरी संस्कार केंद्र आदि स्वैच्छिकता आधारित कार्य किया जा रहा है जो निश्चित ही समाज के लिए बेहतर उदाहरण प्रस्तुत करती है। कार्यक्रम के पंचम चरण में थाना बड़वारा से आरक्षक रामचरण वर्मा जी द्वारा साइबर क्राइम के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई व साथ ही मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान की जानकारी देते हुए नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सभी को नशा मुक्ति से रोकने के शपथ दिलाई गई।

कलेक्टर-एसपी ने चखा मध्याह्न भोजन, परखी गुणवत्ता

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर आशीष तिवारी, एसपी अभिनव विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ एवं डीएफओ ने पीएम शासकीय हाईस्कूल कुआं के किचन का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों के लिए तैयार चना, आलू की सब्जी, दाल और रोटी स्वयं चखकर भोजन की गुणवत्ता परखी। भोजन ताजा, स्वादिष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण पाया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को प्रतिदिन स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

भारत के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन श्रीलंका ने बनाये 363 रन

कोलंबो

श्रीलंकाई एकादश ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ यहां शुरु हुए अभ्यास मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक 8 विकेट पर 363 रन बना लिए थे। श्रीलंकाई एकदश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी शुरु की और जमकर रन बटोरे पर अंत में भारतीय स्पिनरों ने वापसी करते हुए श्रीलंका के आठ विकट गिरा दिये। एक समय मेजबान टीम बड़े स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी पर अंतिम दिन के दो सत्रों में भारतीय स्पिनरों ने लगातार विकेट लेकर उसके इरादों पर पानी फेर दिया।

आज सुबह श्रीलंकाई एकादश ने तेज शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज निशान मदुस्का ने भारतीय तेज गेंदबाजों को जमकर पीटा।

उन्होंने केवल 65 गेंदों में 66 रनों की पारी खेली, जिसमें 11 शानदार चौके और एक लंबा छक्का शामिल था। वहीं उनके जोड़ीदार रविंदु रसंथा ने उनका अच्छा साथ दिया। इन दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 110 रनों की मजबूत साझेदारी करके भारतीय गेंदबाजों को पहले विकेट के लिए तरसा दिया। आखिरकार, 21वें ओवर में मदुस्का के रन आउट होने से भारत को पहली सफलता मिली ।

मदुस्का के पवेलियन लौटने के बाद भारतीय गेंदबाजों को उम्मीद थी कि वह जल्दी और विकेट निकाल पाएगा पर रसंथा ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाते हुए पारी को संभाले रखा। उन्होंने 143 गेंदों का सामना करते हुए 71 रन बनाए, जिसमें छह चौके और एक छक्का शामिल था। श्रीलंका के मध्यक्रम ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। पासिंदु सूरियाबंदारा ने 35 रन, पवन रत्नायके ने 39 रन और अहान विक्रमसिंघे ने 31 रन की उपयोगी पारियां खेलकर टीम के स्कोर को लगातार आगे बढ़ाया। इन पारियों की बदौलत एक समय ऐसा लग रहा था कि श्रीलंका इलेवन 400 से अधिक का स्कोर आसानी से पार कर जाएगी। लंच के बाद और दिन के अंतिम सत्रों में भी बल्लेबाजी का दबदबा जारी रहा। मध्यक्रम में कप्तान सोनल दिनुशा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 71 गेंदों में 52 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और एक छक्का शामिल था। उनके बाद आए रमेश मेंडिस ने भी 49 गेंदों पर 32 रन जोड़कर टीम को 350 रन के आंकड़े के पार पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि, दिन के आखिरी दो सत्रों में भारतीय स्पिनरों ने खेल का रुख पलटने में अहम भूमिका निभाई। रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और युवा स्पिनर मानव सुथार ने दो-दो विकेट लिए जबकि तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को एक सफलता मिली। उनकी कसी हुई गेंदबाजी और लगातार विकेट लेने की क्षमता ने मेजबान टीम की रन गति पर अंकुश लगाया और भारत को मैच में वापसी कराई। दिन का खेल समाप्त होने तक केशरा नुवांथा 9 रन और दिलुम सुदीरा 1 रन बनाकर खेल रहे थे। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल फिट नहीं होने के कारण मैदान पर नहीं उतरे जिससे के एल राहुल ने कप्तानी की।

टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन टेनिस में महिलाओं के युगल मुकाबले में भाग लेती हुईं चेक गणराज्य की मारिया बूजेडकोवा व लिंडा नोसकोवा की जोड़ी ।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज टर्नर ने संन्यास लिया

लंदन

इंग्लैंड के युवा तेज गेंदबाज जॉन टर्नर ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। टर्नर के 25 साल की उम्र में ही संन्यास लेने के कारण सभी हैरान हैं। टर्नर के समय से पहले संन्यास लेने का कारण लगातार चोटिल होना रहा है। वह लगातार स्ट्रेस फ्रैक्चर और चोटों के कारण परेशान रहे हैं। इसी कारण वह अपने करियर में केवल 4 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेल पाये हैं। घरेलू क्रिकेट में टर्नर ने साल 2023 के वाइटैलिटी ब्लास्ट टूर्नामेंट में केवल 11 मैचों में ही 21 विकेट लेकर सभी को प्रभावित किया था। 'द हंड्रेड' में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। साल 2023 में ही उन्हें पहली बार इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया था। वहीं लाल गेंद के प्रारूप में उन्हें अधिक सफलता नहीं मिलीहा। हैम्पशायर की काउंटी चैम्पियनशिप टीम में वह जगह नहीं बना पाये और अपने पूरे करियर में केवल 7 प्रथम श्रेणी मैच ही खेलने का अवसर उन्हें मिला। साल 2025 की शुरुआत में उन्होंने लेनकाशायर के लिए तीन मैच खेले पर चोटिल होने के कारण वह फिर बाहर हो गये। इसके बाद जून 2025 में उन्होंने अपना अंतिम मैच खेला था और तब से ही पीठ में खिंचाव के कारण वह टीम से बाहर हैं। टर्नर ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि पेशेवर और अंतराष्ट्रीय स्तर पर खेलना उनका बचपन का सपना रहा था, जिसे हैम्पशायर और इंग्लैंड के लिए खेलकर उन्होंने पूरा किया। टर्नर ने खेल को अलविदा कहने के इस फैसले को अपने जीवन का सबसे कठिन फैसल बताया। उन्होंने कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण ही उन्हें खेल से दूर होने का फैसला लेना पड़ा। इसी कारण उन्हें लगा कि अब खेल से आगे बढ़कर जीवन में अगली चुनौती की ओर बढ़ने का सही समय आ गया है। टर्नर ने हैम्पशायर में बिताए अपने पांच वर्षों को जीवन के सबसे बेहतरीन बताते हुए क्लब के समर्थन और विश्वास के लिए गहरा आभार व्यक्त किया।

अनमोल एक्का की कप्तानी में जूनियर एशिया कप में उतरेगी भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली

डिफेंडर अनमोल एक्का की कप्तानी में भारतीय पुरुष हॉकी टीम इस माह के अंत में चीन में शुरु हो रहे एफआईएच जूनियर एशिया कप में उतरेगी। हॉकी इंडिया ने 30 अगस्त से 13 सितंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए शुक्रवार को 18 सदस्यीय टीम घोषित कर दी। आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित एएचएफ जूनियर एशिया कप में भारतीय कप्तान के तौर पर अनमोल के चयन से साफ है कि हॉकी इंडिया ने डिफेंस को काफी महत्व दिया है। अनमोल से उम्मीद है कि वह टीम को एससाथ

लेकर चलते हुए मजबूत नेतृत्व प्रदान करेंगे। उनका चयन अनुभवी खिलाड़ियों के बीच तालमेल बिठाने की उनकी अच्छी क्षमता को दिखाता है।

चयनकर्ताओं ने जिस प्रकार से खिलाड़ियों को शामिल किया है उससे साफ है कि उसकी नजरें भविष्य के लिहाज से बेहतर टीम तैयार करना है। टूर्नामेंट के लिए अर्जुन संतोष हरगुडे और रितिक लाकड़ा को वैकल्पिक खिलाड़ियों के रूप में शामिल किया गया है। ये दोनो ही जरुरत पड़ने पर मुख्य टीम में जगह बना सकते हैं। टीम के नये कोच फ्रेडरिक सोयेज को भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। सोयेज के पास जूनियर स्तर पर खिलाड़ियों को तैयार करने का लंबा अनुभव है। सोयेज के नेतृत्व में भारतीय युवा टीम तीम बेहतर प्रदर्शन कर अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाना चाहती है। टीम अभी इस टूर्नामेंट के लिए खेल प्राधिकरण (साइ) के अत्याधुनिक केंद्र में सोयेज के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही है। इस शिविर में फिटनेस के साथ ही रणनीतिक कौशल और म वर्क सिखाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हाल ही में टीम ने बेल्जियम में भी अभ्यास मैच खेलकर अपने खेल का आंकलन किया था।

कोच फ्रेडरिक सोयेज ने टीम के चयन और उसकी तैयारी पर गहरा संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, जूनियर एशिया कप के लिए चुनी गई यह टीम बेहद संतुलित है, जिसमें रक्षा, मध्यपंक्ति और आक्रमण के बीच अच्छा समन्वय है। हमारे खिलाड़ियों ने पिछले कुछ महीनों में अत्यधिक कड़ी मेहनत और समर्पण दिखाया है।

टीम इस प्रकार

गोलकीपर: विवेक लाकड़ा, कुणाल तेवतिया।
डिफेंडर : अनमोल एक्का (कप्तान), रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, आशु मौर्य, संजीत टिर्की, सुखविंदर।
मिडफील्डर : अड़ोहित एक्का, हरपाल, जीतपाल, मनमीत सिंह राय
फॉरवर्ड : अजीत यादव, प्रभदीप सिंह, गुरसेवक सिंह, आर्यन जेस, लोवेनूर सिंह।
स्टेंडबॉय खिलाड़ी : अर्जुन संतोष हरगुडे, रितिक लाकड़ा।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20: भारत के अशफाक 400 मीटर दौड़ के सेमीफाइनल में पहुंचे

यूजीन। अमेरिका के यूजीन में जारी विश्व एथलेटिक्स अंडर-2 में भारत के मोहम्मद अशफाक और अमानत कंबोज ने अच्छा प्रदर्शन किया है। अशफाक ने जहां पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में एक नया अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। वहीं महिलाओं के डिस्कस थ्रो में मुकाबले में अमानत कंबोज ने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए फाइनल में छठा स्थान हासिल किया। अमानत के अलावा पुरुषों की ऊंची कूद में भारत के ही बसंत भी फाइनल में पहुंच गये हैं। अशफाक ने पुरुषों की 400 मीटर

स्पर्धा की अपनी हीट पांच में 45.81 सेकंड का समय निकालकर इसी वर्ष अप्रैल में बनाए गए अपने ही पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 46.05 सेकंड को तोड़ दिया। वह हीट में अमेरिका के जेडन डी लियोन 45.63 सेकंड के बाद दूसरे स्थान पर रहे और कुल मिलाकर चौथे सबसे तेज़ धावक के रूप में सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। वहीं इसी स्पर्धा में भारत के एक अन्य धावक पीयूष राज हीट छह में 47.78 सेकंड के समय निकालकर पांचवें और कुल मिलाकर 35वें स्थान पर रहने केस साथ ही बाहर हो गये। दूसरी ओर महिलाओं के चक्का फेंक फाइनल में अमानत ने अपने पहले प्रयास में ही 53.24 मीटर का थ्रो करके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छठा स्थान हासिल किया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे के कार्यक्रम में हुआ बदलाव

जोहांसबर्ग

भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जाएगी। दौरे के कार्यक्रम में कुछ बदलाव हुए हैं। इसी को लेकर क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने नया कार्यक्रम जारी किया है। इस दौरे में तीन टी20 मैच भी जोड़े गये हैं।

इस प्रकार देखा जाये तो इस दौरे में दोनो टीमें के बीच एक टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे। तीन टी20 मैचों को शामिल करने का फैसला अगले साल होने वाली पहली आईसीसी महिला चैम्पियंस ट्रॉफी को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। दोनों ही टीमों का लक्ष्य चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर करना रहेगा। भारतीय टीम अफ्रीका दौरे में अपना एकमात्र टेस्ट मैच 9 दिसंबर से गकेबरहा में खेलेगी। इसके बाद 16 दिसंबर से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। वहीं अंत में टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। ये सीरीज 26 दिसंबर बॉक्सिंग डे से शुरु होगी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा है कि टी20 सीरीज कार्यक्रम में इसलिए शामिल की गयी है। जिससे उनकी टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए, तैयारी का अवसर मिल सके।

अकासा एयर ने लॉन्च किया एलीवेट लॉयल्टी कार्यक्रम

नई दिल्ली। अपनी सफल उड़ान के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर एयरलाइन कंपनी अकासा एयर ने शुक्रवार को अपना नया लॉयल्टी कार्यक्रम 'अकासा एलीवेट' लॉन्च किया है। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव, व्यक्तिगत पहचान और विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराना है, साथ ही उनकी निष्ठा के प्रति आभार व्यक्त करना है। एयरलाइन ने 7 अगस्त, 2022 को उड़ान परिचालन शुरू किया था। कंपनी के एक अधिकारी ने अब तक के सफर को बेहद रोमांचक बताया। 'अकासा एलीवेट' कार्यक्रम के तहत, सदस्य पात्र उड़ानों के साथ-साथ सहायक उत्पादों और सेवाओं पर भी अंक अर्जित कर सकेंगे। कंपनी का कहना है कि इसे ग्राहकों को अधिक मूल्य और बेहतर यात्रा सुविधाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। कंपनी अधिकारी ने अकासा एयर को 'अनुभव आधारित विमानन सेवा' करार देते हुए कहा, हमने अपने ग्राहकों के लिए बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में काफी मेहनत की है। ऐसे में ग्राहक लॉयल्टी कार्यक्रम की शुरुआत उनके प्रति आभार व्यक्त करने का स्वाभाविक विस्तार है। उन्होंने आगे कहा कि तीसरे वर्ष में प्रवेश के साथ उनका ध्यान अनुशासित वृद्धि, परिचालन उत्कृष्टता और ग्राहकों को विशिष्ट अनुभव उपलब्ध कराने पर केंद्रित रहेगा।

वैश्विक तनाव के बीच भी सोना 497 रुपए चढा, चांदी 2,157 रुपए उछली

सोना 1,49,457 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,28,000 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में गहराते तनाव और चीन के संस्थागत निवेशकों की बढ़ती खरीददारी से सुरक्षित निवेश के रूप में सोना और चांदी आकर्षक बने हुए हैं। शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में इन कीमती धातुओं के वायदा भाव में जोरदार तेजी दर्ज की गई। शुक्रवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में शुक्रवार को इन धातुओं की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी सोने-चांदी के भाव में शानदार तेजी दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक सोने का अक्टूबर वायदा भाव 599 रुपये की मजबूती के साथ 1,49,457 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता रहा था। दिन के कारोबार में यह 1,49,554 रुपये के उच्च स्तर तक पहुंच गया। वहीं चांदी का सितंबर वायदा 2,164 रुपये की जोरदार तेजी के साथ 2,28,000 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास कारोबार कर रहा था, जिसने 2,28,095 रुपये का दिन का उच्च स्तर छुआ। यह उछाल वैश्विक रुझानों और घरेलू मांग दोनों का परिणाम है, जिससे दोनों धातुएं इस साल अपने रिकॉर्ड उच्चतम स्तर के करीब पहुंच रही हैं। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर सोना शुक्रवार को 4,320 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था, जिसमें 19 डॉलर से अधिक की तेजी देखी गई। वहीं चांदी भी 0.86 डॉलर की तेजी के साथ 62.50 डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी हुई थी। भू-राजनीतिक अनिश्चितता और आर्थिक स्थिरता की तलाश में निवेशक लगातार सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिसका सीधा फायदा इन कीमती धातुओं को मिल रहा है।

आरबीआई का निर्देश: कर्ज वसूली के नाम पर ग्राहक के गैजेट्स बंद नहीं कर सकेंगे बैंक

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कर्ज वसूली से जुड़े एक महत्वपूर्ण निर्देश में बैंकों को ग्राहकों के मोबाइल फोन, टैबलेट या लैपटॉप को निष्क्रिय करने पर रोक लगा दी है। यह फैसला 1 जनवरी 2027 से लागू होगा और इसका उद्देश्य कर्जदारों को उत्पीड़न से बचाना है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत, वाहन या आवास ऋण जैसे कर्ज न लौटाने पर बैंक अब ग्राहकों के इन उपकरणों को बंद या उनकी कार्यक्षमता सीमित नहीं कर पाएंगे।

यदि किसी बैंक ने विशेष रूप से किसी उपकरण की खरीद के लिए ही कर्ज दिया है, तो वह चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई कर सकता है, लेकिन इसमें भी आपातकालीन सुविधाएं जैसे इनकमिंग कॉल, एसएमएस और एसओएस सेवाएं किसी भी स्थिति में बंद नहीं की जा सकेंगी। आरबीआई ने यह कदम कर्ज वसूली और रिकवरी एजेंसियों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहकों के उत्पीड़न और अभद्र व्यवहार की बढ़ती शिकायतों के बाद उठाया है।

भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट

सेंसेक्स 438 अंक गिरकर खुला, निफ्टी भी फिसला

मुंबई

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख वैश्विक बाजारों में आई गिरावट के चलते शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार भारी दबाव में खुला। बेंचमार्क सेंसेक्स 438 अंक टूटकर 78,516 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 भी 21 अंक फिसलकर 22,614.65 पर कारोबार कर रहा है। सुबह से ही गिफ्ट निफ्टी ने 90 अंकों की गिरावट के साथ 24,647 के स्तर पर कारोबार करते हुए नरमी के संकेत दे दिए थे। जापान, दक्षिण कोरिया और हांगकांग सहित प्रमुख एशियाई शेयर बाजार भी आज दबाव में रहे। गुरुवार को अमेरिकी बाजारों में भी लगातार पांच दिनों की तेजी पर विराम लग गया, जहां डाउ जोन्स, एसएंडपी 500 और नैस्डैक तीनों सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए थे। शुरुआती कारोबार में निफ्टी 50 के कई दिग्गज शेयरों में तेज बिकवाली देखने को मिली। बजाज फाइनेंस (4.10 फीसदी गिरावट), बजाज फिनसर्व (2.97 फीसदी गिरावट), ट्रेंट (2.58 फीसदी गिरावट), श्रीराम फाइनेंस (2.05 फीसदी गिरावट) और मारुति सुजुकी (1.05 फीसदी गिरावट) जैसे शेयरों ने बाजार पर दबाव बढ़ाया। इसके विपरीत, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में हल्की तेजी देखी गई, वहीं निफ्टी आईटी सेक्टर में करीब 1 फीसदी का उछाल दर्ज हुआ, जो अन्य सेक्टर्स से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। हालांकि, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में कमजोरी बनी रही। वहीं वैश्विक बाजारों के मिले-जुले संकेतों के बीच गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे सत्र में बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस बीच सेंसेक्स में 374 अंकों की बढ़त दर्ज की गई, तो वहीं निफ्टी 24,600 से ऊपर बंद हुआ। इससे पहले मंगलवार की गिरावट से पहले भी घरेलू बाजार ने लगातार चार सत्रों में तेजी दर्ज की थी। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 373.76 अंक बढ़कर 78,954.76 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 11.35 अंक बढ़कर 24,636.00 पर बंद हुआ। व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 0.44 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.48 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

किसानों का कल्याण ही हमारा लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीहोर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव से वर्चुअली जुड़कर किसानों से किया संवाद

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार की मंशा है कि प्रदेश के हर किसान के खेत-खलिहान और उनके घरों में समृद्धि आए। किसानों का हर तरीके से कल्याण ही हमारा लक्ष्य है और इसके लिए हम सभी जरूरी प्रयास कर रहे है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चलाया जा रहा बलराम कृषि महोत्सव किसानों को खेती-किसानी की नई तकनीकों से जो?कर उन्हें वैज्ञानिक तरीके से खेती करने और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का एक व्यापक अभियान है। सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें हरसंभव सहायता देने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार इस किसान कल्याण वर्ष में किसान हितैषी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ हर किसान तक पहुंचा रही है।

किसानों के खेतों में पानी, बिजली, खाद-बीज, कृषि यंत्र पहुंचाने के साथ उनके खातों में फसल बीमा, सम्मान निधि और ब्याज मुक्त ऋण की राशि पहुंचाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को सीहोर जिले में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को छिंदवाड़ा से वर्चुअली जुड़कर यहां के किसानों से संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में हुई मंत्रि-परिषद् की बैठक में राज्य सरकार ने किसानों को सुरक्षा देते हुए ऐतिहासिक कवच योजना को मंजूरी दी है। इस योजना से ऐसे किसानों की चिंता दूर होगी, जिनके सहकारी खातों में पुरानी गड़बड़ियों और जांच में देरी के कारण उन्हें नया ऋण और शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। अब ऐसे किसानों को मुख्य धारा में लाकर उन्हें नया कृषि ऋण और सभी किसान हितैषी योजनाओं का पूरा लाभ दिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अब छह-छह महीने के स्थान पर एक साल में खातों को पलटने की व्यवस्था लागू कर दी है। किसानों को अपने ऋण खाते क्लियर करने के लिए 31 मार्च तक की बाध्यता को भी समाप्त कर दिया गया है। अब किसान, जब पैसा हो, तब अपने ऋण खाते में राशि जमा कर सकते हैं।

खेती और कृषि यांत्रों का विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाने के साथ आधुनिक खेती, प्राकृतिक खेती और कृषि यंत्रों का विस्तार कर रही है। उन्होंने आय बढ़ाने के लिए किसानों को फसल विविधिकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पशुपालन, मत्स्य पालन वर्तमान समय की मांग है, राज्य सरकार इन क्षेत्रों में हर संभव प्रोत्साहन दे रही है। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए हमने दुग्ध समितियों का गठन किया है। उन्होंने कहा कि खेत में बोहनी से लेकर बाजार में दाम दिलवाने तक सरकार किसानों के साथ खड़ी है। गेहूं उत्पादक किसानों की चिंता हमने एमएसपी और बोनस के साथ रिकॉर्ड 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद कर दूर कर दी है। सोयाबीन उत्पादक किसानों की चिंता भावांतर भुगतान योजना से दूर की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार श्रीअन्न (कोदो-कुटकी) की एमएसपी पर खरीदी हुई और किसानों को इसका बोनस भी मिला है। किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए पात्र किसानों से मूंग उपार्जन की सीमा 25 प्रतिशत से बढाकर 60 प्रतिशत कर दी गई है।

किसानों को चार गुना मुआवजा

राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किसानों के हित में अनेक निर्णय लिए जा रहे हैं। अब यदि किसी किसान की जमीन सड़क, नहर या अन्य शासकीय परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित की जाएगी, तो उस किसान को चार गुना मुआवजा मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश में राजस्व के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए राजस्व महाभियान एवं साइबर तहसील जैसी नवाचारी पहलें प्रारंभ की गई हैं। राजस्व महाभियान के अंतर्गत अब तक प्रदेश में एक करोड़ से अधिक राजस्व संबंधी प्रकरणों का निराकरण कर दिया गया है। सीहोर में हुए कार्यक्रम में मप्र राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के सदस्य सीताराम यादव, जनपद अध्यक्ष सीहोर श्रीमती नावड़ी बाई सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित थे।

ब्रिक्स डेलीगेट्स का भोपाल के पर्यटन स्थलों ने मोहा मन

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश का दिल और झीलों की नगरी भोपाल इन दिनों ऐतिहासिक और गौरवशाली आयोजन का साक्षी बन रहा है। ब्रिक्स सम्मेलन न केवल देशों के बीच सांस्कृतिक सेतु का कार्य कर रहा है, बल्कि 'सर्वे भवन्तु सुखिनः ङ्क हार्मनी फॉर ऑल' की पावन भावना को भी जीवंत कर रहा है। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ब्रिक्स देशों की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और प्राचीन परंपराओं को एक मंच पर पिरोना, कलात्मक सहयोग को बढ़ावा देना और पारंपरिक मानवीय मूल्यों को विश्व पटल पर स्थापित करना है।

भोपाल के पर्यटन स्थलों एवं अनुभव ने ब्रिक्स डेलीगेट्स का मन मोह लिया है। मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा अतिथियों के लिए विशेष भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। डेलीगेट्स ने हैरिटेज वॉक के माध्यम से भोपाल के ऐतिहासिक स्थल गौहर महल, इकबाल मैदान और ऐतिहासिक मोती मस्जिद के वास्तुशिल्प का अनुभव प्राप्त हुआ।

प्राकृतिक सौंदर्य से परिचित होते हुए, डेलीगेट्स ने वन विहार नेशनल पार्क की जैव-विविधता को सराहा और अपर लेक (बड़ा तालाब) में शिकारा की सैर का आनंद लिया। इसी दौरान बर्ड वाचिंग को उन्होंने अपने जीवन का एक यादगार और अद्वितीय अनुभव बताया। भ्रमण के अगले चरण में, अतिथियों ने भोपाल के जीवंत बाज़ारों-चौक बाज़ार, नया बाज़ार और भोपाल हाट-में हस्तकला और स्थानीय संस्कृति की अद्भुत झलक देखी। अपनी भारत यात्रा और विशेष रूप से भोपाल के हार्दिक आदर-सत्कार की प्रशंसा करते हुए डेलीगेट्स ने माना कि भोपाल न केवल अपने गौरवशाली अतीत को संजोए हुए है, बल्कि यह मेहमाननवाज़ी के मामले में भी विश्व के बेहतरीन केंद्रों में से एक है।

ब्रिक्स डेलीगेट्स ने की प्रदेश की समृद्ध लोक विरासत प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता की सराहना

भोपाल की यादें, सांस्कृतिक सेतु और आत्मीयता का संगम

अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं संगठनों के महानिदेशक हामिद मोस्तफवी ने भोपाल की अपनी यात्रा को एक बेहद खूबसूरत और यादगार अनुभव बताया है। वन विहार नेशनल पार्क के भ्रमण के उपरांत उन्होंने न केवल इस स्थल की प्राकृतिक विशेषताओं और वैज्ञानिक महत्व की सराहना की, बल्कि यहाँ की ज्ञानवर्धक जानकारी को भी अत्यंत सराहा।

राज्यमंत्री लोधी ने सुनी क्षेत्रवासियों की समस्याएं

दमोह (स्वतंत्र मत)। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने नोहटा में जबेरा विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों से आत्मीय सौजन्य भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों की समस्याएं एवं सुझाव भी सुने। राज्यमंत्री ने ग्राम पटेरिया के नागरिकों को क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए विधायक निधि से 2 लाख रुपये की स्वीकृति पत्र प्रदान की। उन्होंने कहा क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के लिए आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार जनसेवा और विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है तथा जबेरा विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं।

तीन बार पलटकर खेत में सीधी खड़ी हुई स्कॉर्पियो

चार गंभीर घायल जिला अस्पताल रेफर

दमोह/हटा (स्वतंत्र मत)।

दमोह से सिमरिया जा रही एक स्कॉर्पियो गुरुवार रात लुहारी के पास अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई और करीब तीन बार पलटने के बाद खेत में जाकर सीधी खड़ी हो गई। भीषण हादसे में वाहन में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में कुंज बिहारी गुप्ता 48 वर्ष पिता कुंदनलाल गुप्ता, अशोक जैन 45 वर्ष पिता शीलचंद जैन पुष्प गुप्ता 26 वर्ष पिता गजेंद्र गुप्ता तथा रमेश अहिरवार 50 वर्ष पिता सुकलाल अहिरवार शामिल हैं। सभी निवासी सिमरिया हैं। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को वाहन से बाहर निकाला। सूचना मिलने पर पहुंची 108 एंबुलेंस से सभी घायलों को सिविल अस्पताल हटा लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चारों की गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल दमोह रेफर कर दिया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दुर्घटना स्कॉर्पियो के अनियंत्रित होने से हुई। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

हर घर तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा की संगठनात्मक बैठक संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिला भाजपा कार्यालय में उच्च शिक्षा एवं आयुष मंत्री एवं दमोह जिले के प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार के मुख्य आतिथ्य में आगामी कार्यक्रमों को लेकर एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में 9 अगस्त से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले हर घर तिरंगा अभियान तथा 7 अगस्त से 15 अगस्त तक संत शिरोमणि रविदास जी की कलश यात्रा की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, पर्यटन, धार्मिक एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी, आनंद विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल, हटा विधायक श्रीमती उमादेवी ,कए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजीता पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू कटारे, किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री गोपाल पटेल, पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष राम पटेल, जिला महामंत्री रामेश्वर चौधरी, महेश पटेल एवं अरूण तिवारी मंचासीन रहे।

प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहींए बल्कि राष्ट्रभक्ति की भावना को जन जन तक पहुंचाने का महाअभियान है। हमें इसे उत्सव के रूप में मनाते हुए हर घर में तिरंगा फहराने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। वहीं संत शिरोमणि रविदास की कलश यात्रा सामाजिक समरसता और संत परंपरा के सम्मान का प्रतीक हैए इसे भी व्यापक रूप से सफल बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि भाजपा हमेशा से राष्ट्रीय और सामाजिक कार्यक्रमों में अग्रणी भूमिका निभाती रही है। 9 से 15 अगस्त तक चलने वाले हर घर तिरंगा अभियान को लेकर प्रत्येक बूथ स्तर तक कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभायेगा।

सार्वजनिक स्थान पर कचरा फेंकने वालों पर लगा 3000 का जुर्माना

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेंद्र सिंह लोधी के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद दमोह द्वारा शहर में स्वच्छता बनाए रखने एवं सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वालों के विरुद्ध विशेष चालानी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जेल रोड स्थित देसी कलाकार विवेक राजपूत की चाट दुकान द्वारा सार्वजनिक स्थान पर कचरा फैलाते पाए जाने पर स्पॉट फाइन की कार्रवाई की गई। इसी प्रकार विजय नगर के पास स्थित डोमिनोज पिज्जा शॉप द्वारा भी कचरा फेंके जाने पर नगर पालिका की टीम ने नियमानुसार चालानी कार्रवाई करते हुए स्पॉट फाइन वसूला। इस अभियान में स्वास्थ्य अधिकारी जावेद खान के नेतृत्व में सफाई दरोगा सतीश नामदेव, अभिषेक शुक्ला विनोद करोसिया मनीष करोसिया, सुरेंद्र करोसिया, संदीप पारोचे सहित नगर पालिका के अन्य कर्मचारियों ने सहभागिता की। कार्रवाई के दौरान दोनों प्रतिष्ठानों से स्पॉट फाइन के रूप में कुल 3000 की राशि की रसीद काटी गई। नगर पालिका परिषद ने शहरवासियों एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फैलाएं तथा निर्धारित डस्टबिन का ही उपयोग करें। स्वच्छ शहर बनाने में सभी नागरिकों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार नियमित रूप से चालानी कार्रवाई जारी रहेगी।

तहसील, जनपद एवं ग्राम स्तर तक पहुंचेगा तिरंगा अभियान

दमोह (स्वतंत्र मत)। तहसील मैदान में 13 अगस्त को बड़ी तिरंगा यात्रा निकाली जायेगी। प्रभारी मंत्री ने इस यात्रा में अधिक से अधिक लोगों से सहभागिता का आग्रह किया है। उन्होने कहा तहसील.जनपद मुख्यालयों एवं ग्राम स्तरो पर भी यात्रा निकाली जायेगी। अभियान को गति देने के लिए सभी की सहभागिता का आव्हान किया। आज सर्किट हाउस में प्रदेश के उच्च शिक्षाए तकनीकी शिक्षा, आयुष विभाग एवं दमोह जिले के प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार ने इस संबंध में आयोजित बैठक में चर्चा करते हुए गरिमामय आयोजन की बात कही। इस अवसर पर राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, आनंद विभाग के राज्यमंत्री लखन पटेल, मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, विधायक उमा देवी खटीक, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल, कलेक्टर प्रताप नारायण यादव, पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी, वनमंडलाधिकारी ईश्वर जरांडे, महेश पटेल सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे सहित अन्य जनप्रतिनिधि.अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यमंत्री के प्रयासों से मिली स्वीकृति, पथरिया विधानसभा की वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

दमोह (स्वतंत्र मत)। पथरिया विधानसभा क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। क्षेत्र के चार शासकीय विद्यालयों में कृषि संकाय प्रारंभ करने की स्वीकृति शासन द्वारा प्रदान कर दी गई है। इससे अब विद्यार्थियों को कृषि विषय की पढ़ाई के लिए दूरस्थ क्षेत्रों का रुख नहीं करना पड़ेगा और उन्हें अपने क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण कृषि शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय विद्यालय पथरिया खडेरी असलाना एवं बेलापुरवा में कृषि संकाय प्रारंभ किए जाएंगे। इस महत्वपूर्ण निर्णय के पीछे आनंद विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल के निरंतर प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने पथरिया विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा एवं कृषि क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देते हुए शासन स्तर पर लगातार पहल कीए जिसके परिणामस्वरूप इन विद्यालयों में कृषि संकाय प्रारंभ करने की स्वीकृति प्राप्त हुई।

हर नवजात को मिले माँ के दूध का अमृत

विश्व स्तनपान सप्ताह में आयोजित हो रहे जागरुकता कार्यक्रम

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश राय ने बताया कि विश्व स्तनपान सप्ताह दौरान जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं एवं मैदानी स्तर पर नवजात शिशुओं के समग्र स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने तथा माताओं को स्तनपान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। गर्भवती महिलाओं, नवप्रसूता एवं धात्री माताओं को जन्म के प्रथम एक घंटे के भीतर स्तनपान प्रारंभ कराने तथा जीवन के पहले छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाने के महत्व एवं स्वच्छता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी जा रही है। विभाग द्वारा यह संदेश दिया जा रहा है कि ष्हर नवजात को मिले माँ के दूध का अमृत, यही स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। सिविल अस्पताल हटा में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अमन श्रीवास्तव द्वारा एएनसी ओपीडी, प्रसवोत्तर वार्ड में आयोजित परामर्श सत्रों में उपस्थित माताओं एवं परिजनों को बताया कि माँ का दूध नवजात शिशु के लिए संपूर्ण एवं सर्वोत्तम आहार है जो उसे आवश्यक पोषण प्रदान करने के साथ-साथ विभिन्न संक्रमणों एवं बीमारियों से सुरक्षा भी देता है। जन्म के तुरंत बाद का स्तनपान शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, स्वस्थ शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा माँ और शिशु के बीच भावनात्मक संबंध को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रीता चटर्जी ने बताया कि माँ का पहला गाढ़ा पीला दूध कोलोस्ट्रम नवजात के लिए प्राकृतिक टीके के समान होता है, जन्म के एक घंटे के भीतर नवजात के जीवन की सुरक्षा के लिए स्तनपान अवश्य कराएं। जीवन के पहले छः माह तक केवल माँ का दूध ही देना चाहिए। इस अवधि में शिशु को पानीए शहदए घुट्टीए अन्य खाद्य पदार्थ या पेय देने की आवश्यकता नहीं होती। छः माह के बाद आयु अनुरूप पूरक आहार प्रारंभ करते हुए दो वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखना शिशु के सर्वांगीण विकास के लिए लाभकारी होता है।

वाहन ट्रांसफर संबंधी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी दो एक्टीवा है। जो कि सफेद रंग की है। जो नाम ट्रांसफर के लिए हैं 1. रंग सफेद है। चैचिस नं. ME4JF505CG8066168, गाड़ी नं. MP20SM1951 (2.) रंग सफेद है। चैचिस नं. ME4JF502HE8198451, गाड़ी नं. MP20SH9451 मेरे पिता के नाम हैं स्व. किशनचंद पारवानी जिनकी मृत्यु हो गई है अब उनकी गाड़ी मेरी बेटी के नाम पर हो गई है जिनका नाम है दुर्गा मदनानी है आरटीओ जबलपुर में दर्ज किया जा रहा है अतः किसी को आपत्ति हो तो 15 दिन के अंदर आरटीओ जबलपुर (म.प्र.) को सूचित कर सकते हैं समयावधि पश्चात् कोई सुनवाई नहीं होगी।

दुर्गा मदनानी
दिनांक 08/08/2026

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जबेरा में कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

दमोह (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप प्रदेश में संचालित जन विश्वास अभियान के माध्यम से शासन की योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अभियान के तहत केवल सर्वे अथवा जानकारी एकत्रित करने तक सीमित न रहते हुए पात्र लोगों तक पहुंचकर उन्हें संबंधित योजनाओं से जोड़ने और समस्याओं का मौके पर निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा। इस आशय के विचार उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, आयुष विभाग एवं दमोह जिले के प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार ने मंगल भवन जबेरा में आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियानके तहत आयोजित गरिमामय जनसंवाद कार्यक्रम में व्यक्त किए। प्रभारी मंत्री श्री परमार ने कहा इतने लंबे समय तक चलने वाला अभियान पहले कभी नहीं चला है। इसके पीछे मुख्य भावना लोक कल्याण की है। हर शुक्रवार को प्रशासनिक अमला ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर आमजन से सीधे संवाद करेगा और उनकी समस्याओं को समझकर समाधान की दिशा में कार्रवाई करेगा।

जमीन से संबंधित नामांतरण, बंटवारा, अतिक्रमण सहित अन्य राजस्व मामलों के निराकरण को भी अभियान में शामिल किया गया है।

उन्होने कहा जन विश्वास अभियान के दौरान गांवों में सड़क, नाली, पेयजल और नल जल योजना की स्थिति का जायजा लिया जाएगा। यह देखा जाएगा कि नल जल योजना का कार्य पूर्ण हुआ है अथवा नहीं और यदि कार्य पूर्ण होने में समय लग रहा है तो तब तक ग्रामीणों के लिए वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था उपलब्ध है या नहीं। इसी प्रकार आंगनवाड़ी केंद्रों की व्यवस्था, साफ सफाई, संचालन और बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं की समीक्षा की जाएगी। स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति, व्यवस्थाओं और आवश्यक सुविधाओं से संबंधित समस्याओं को भी अभियान के दायरे में शामिल किया गया है। गांवों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और सिविल अस्पतालों की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया जाएगा।

संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मेस्व विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा जबेरा विधानसभा क्षेत्र से प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार के नेतृत्व में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का शुभारंभ हुआ। यह प्रसन्नता का विषय है कि मुख्यमंत्री डॉण् मोहन यादव की मंशा के अनुरूप अब अधिकारी कर्मचारी स्वयं फील्ड में पहुंचकर जनता की समस्याओं को सुनेंगे और उनके निराकरण के लिए प्रभावी कार्रवाई करेंगे।

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी नगर जबलपुर में स्थित भवन कमांक **MIG duplex-55** श्री तरूण कुमार मिश्रा पिता श्री धनेश प्रसाद मिश्रा एवं श्रीमती संध्या मिश्रा पति श्री तरूण कुमार मिश्रा के नाम आवंटित है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 15.02.2019 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री तरूण कुमार मिश्रा पिता श्री धनेश प्रसाद मिश्रा एवं श्रीमती संध्या मिश्रा पति श्री तरूण कुमार मिश्रा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 10.07.2026 के माध्यम से श्री महेन्द्र सिंह लोधी पिता श्री भूपत सिंह लोधी को विक्रय किया है। अतः श्री महेन्द्र सिंह लोधी पिता श्री भूपत सिंह लोधी द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क./0773/अ-6/2026-27

▪ आम इश्तहार ▪

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका/ श्रीमति मीनू सिंह वगै. पिता/पति- श्री विनय सिंह निवासी 5,1496 राईट टाउन, देना बैंक के सामने जबलपुर द्वारा ग्राम परसवारा प.ह.न.-- नं.ब.-- प्लाट-- ख.नं. 63/1 में से रकबा 1500 वर्गफुट/हेक्टे. रजिस्टर्ड विक्रयपत्र/वसीयतनामा/सहमति पत्र के आधार पर शासकीय अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त भूमि आवेदक/आवेदिका के नाम दर्ज किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति/एतराज हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति तहसील रांझी के कक्ष क्र. 32 में तारीख पेशी के पूर्व पेश कर सकता है। समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं हस्ताक्षर से आज दिनांक 17/07/2026 को जारी।

जारी दिनांक 17/07/2026
पेशी दिनांक 10/08/2026
अतिरिक्त तहसीलदार रांझी जबलपुर

आम सूचना

मकान नंबर 1202 बहोराबाग, गोहलपुर मोतीलाल नेहरू वार्ड अंसार नगर जबलपुर का एकमात्र मालिक काबिज हमारा पक्षकार नसीम अहमद पिता स्व. बाबू आसिफ निवासी गोहलपुर, जबलपुर है। नसीम इस पूरी सम्पत्ति पर हमेशा से अकेला काबिज है। श्रीमति अजहर सुल्ताना निवासी बड़ी मदार टेकरी, अब्दुल कलाम आजाद वार्ड थाना हनुमानताल, जबलपुर द्वारा इस सम्पत्ति को हड़पने का काफी समय से प्रयास कर रही हैं, कई दलालों के साथ वह इस सम्पत्ति को बेचने का भी प्रयास कर रही हैं उसने नसीम अहमद को बेदखल करने की भी धमकी दी है, ऐसी परिस्थिति में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दर्शायी सम्पत्ति को बेचने का श्रीमति अजहर सुल्ताना को कोई अधिकार नहीं है। यदि इस सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से कोई सौदा या इकरार किया जाएगा तो वह मेरी सहमति के बगैर शून्य व प्रभावहीन होगा। इस सम्पत्ति से संबंधित न्यायालय में भी प्रकरण विचाराधीन है। अतः कोई भी सर्वसाधारण इस सम्पत्ति का कोई सौदा न करे और ना ही सौदे के तौर पर कोई राशि अजहर सुल्ताना को प्रदान करें। अजहर सुल्ताना द्वारा की गई कोई भी कार्यवाही मेरे पक्षकार नसीम अहमद पर बंधनकारी नहीं होगी।

जबलपुर
दिनांक 07/08/2026

अनिल गुप्ता
अधिवक्ता
779, गली नं.17 शांति नगर, दमोहनाका, जबलपुर

समीक्षा बैठक में दवा, डॉक्टर, जांच आदि पर हुई चर्चा

बेहतर होंगी सिविल अस्पताल की व्यवस्थाएं

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिविल अस्पताल सिहोरा की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को अस्पताल परिसर में अधिकारियों और संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में अस्पताल की व्यवस्थाओं से जुड़े कई जरूरी मुद्दों पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में विधायक संतोष बरकड़े, नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दुबे, एसडीएम ज्योति परस्ते, बीएमओ डॉ. अर्शिया खान और सिविल अस्पताल प्रभारी डॉ. सुनील लटियार के साथ सभी चिकित्सक एवं अस्पताल स्टाफ मौजूद रहा।

हजारों का स्पॉट फाइन लगाकर 2 वाहन किए जब्त

करौंदा चौक पर लगाई गई मोबाइल ई-कोर्ट

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।करौंदा चौक पर मोबाइल ई-कोर्ट के माध्यम से यातायात एवं अतिक्रमण व्यवस्था के संबंध में नगर निगम मजिस्ट्रेट अरूण कुमार गोयल की अगुवाई में कार्रवाई की गई। इस संबंध में मजिस्ट्रेट अरुण गोयल ने बताया कि यातायात व्यवस्था में अव्यवस्थित रूप से खड़े पाए गए वाहन चालकों के विरुद्ध स्पॉट फाइन की कार्यवाही की गई। साथ ही सड़क किनारे संचालित ढाबों, नाश्ता एवं चाय की दुकानों पर भी नियमानुसार स्पॉट फाइन किया गया। कार्यवाही के दौरान 02 वाहनों को जब्त किया गया।

हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफल आयोजन

फार्मास्यूटिकल एनालिटिकल उपकरण एवं प्रयोगशाला तकनीक विषय पर हुआ आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी में दिनांक 31 जुलाई से 7 अगस्त तक फार्मास्यूटिकल एनालिटिकल उपकरणों एवं प्रयोगशाला तकनीकों विषय पर एक सप्ताहीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी के अध्यक्ष एचएस ओबेरॉय सिंह के मार्गदर्शन एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कविता शुक्ला के नेतृत्व में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक विश्लेषणात्मक उपकरणों के संचालन, अंशांकन, रखरखाव, समस्या निवारण तथा अच्छी प्रयोगशाला कार्यप्रणाली के विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराना था। कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों के तकनीकी ज्ञान को अद्यतन करने के साथ साथ उनके प्रयोगशाला कौशल को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया गया। एक सप्ताह तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को विभिन्न आधुनिक फार्मास्यूटिकल विश्लेषणात्मक उपकरणों पर प्रत्यक्ष एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान टैबलेट डिसइंटीग्रेशन एपरेटस, डिजिटल पीएच मीटर, टैबलेट पंचिंग मशीन, डिजिटल फ्लेम फोटोमीटर, पोलारीमीटर, डिजिटल मेल्टिंग एवं बॉयलिंग पॉइंट एपरेटस, एब्बे रिफ्रैक्टोमीटर तथा लैमिनार एयर फ्लो जैसे आधुनिक उपकरणों के संचालन, अंशांकन, रखरखाव एवं प्रयोगशाला में उनके उचित उपयोग की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को इन उपकरणों पर स्वयं कार्य करने का अवसर भी प्रदान किया गया, जिससे उन्हें उपकरणों के व्यावहारिक उपयोग एवं प्रयोगशाला तकनीकों की बेहतर समझ प्राप्त हुई।

नई शिक्षा नीति पर डाला प्रकाश

कार्यक्रम में विनय रंजन सिंह, पूजा रोहितास, ज्ञानेन्द्र कुमार साकेत, अनुजा अवस्थी, डॉ. सोनल जैन, शिरीष तिवारी एवं प्रकाश कुमार गुप्ता ने रिसोर्स पर्सन के रूप में अपने विशेषज्ञ ज्ञान, तकनीकी दक्षता एवं व्यावहारिक अनुभव से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। दिनांक 7 अगस्त को आयोजित समापन एवं वैलेडिक्टरी समारोह में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र के सहायक निदेशक संजीव कुमार पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में संजीव कुमार पाण्डेय ने नई शिक्षा नीति 2020 के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति देश की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा प्रदान कर रही है और भारत को नई ऊंचाइयों की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रशंसा-पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कविता शुक्ला ने मुख्य अतिथि संजीव कुमार पाण्डेय, सभी रिसोर्स पर्सन्स एवं कार्यक्रम में सहभागी सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शिक्षकों को आधुनिक तकनीकों एवं नवीनतम ज्ञान से निरंतर अद्यतन रखने के साथ साथ विद्यार्थियों को बेहतर व्यावहारिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समापन समारोह में कार्यक्रम के सभी रिसोर्स पर्सन्स को प्रशंसा-पत्र प्रदान कर उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

क्रूरता और प्रताड़ना के कोई साक्ष्य ही नहीं तब नहीं बनता मामला

घरेलू हिंसा से संबंधी मामले में अपीलीय न्यायालय ने विचारण न्यायालय पर मुहर लगाते हुए खारिज की अपील

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अपर सत्र न्यायाधीश एमडी रजक की अदालत ने घरेलू हिंसा को लेकर दायर मामले में निचली अदालत द्वारा दिये गये फैसले को चुनौती देने वाली अपील खारिज कर दी है। दरअसल अपीलीय न्यायालय ने पाया कि अपीलकर्ता ने जो आरोप अपनी बहू के रिश्तेदारों पर लगाये है, वह किसी तरह से साबित नहीं होने पर ही विचारण न्यायालय ने उनके खिलाफ संज्ञान न लेते हुए उनके पक्ष में राहतकारी आदेश दिया है। जिस पर अपीलीय न्यायालय ने अपनी मुहर लगाते हुए दायर अपील खारिज कर दी।

ये है पूरा मामला

दरअसल यह अपील पनागर परियट निवासी शीला पालीवाल की ओर से दायर की गई थी। जिसमें उनके पुत्र प्रियंक पालीवाल की मौत के बाद उनकी बहू निकिता व उनके रिश्तेदार घमापुर लालमाटी निवासी संतोष शुक्ला, उनकी पत्नी मीना शुक्ला, सुश्री अंकिता शुक्ला व शरद तिवारी के खिलाफ घरेलू हिंसा से संबंधित प्रकरण दर्ज किया गया था। जिसमें आरोप था कि बहू के साथ मिलकर उनके रिश्तेदार उन्हें प्रताड़ित करते है, जिस पर यह परिवाद दायर किया गया है।

रिश्तेदारों की सहभागिता नहीं हो सकी साबित

मामले में अनावेदक संतोष शुक्ला, शरद तिवारी की ओर से अधिवक्ता संजय शर्मा व मीना शुक्ला, अंकिता शुक्ला की ओर से अधिवक्ता प्रतिमा गुप्ता ने पक्ष रखा। जिन्होंने विचारण न्यायालय को बताया कि अनावेदकगणों का उक्त मामले से कोई संबंध नहीं है, वह सिर्फ आवेदिका की बहू के रिश्तेदार है, जो कि अलग-अलग स्थानों पर रहते है। इतना ही नहीं मामले में जो आरोप लगाये गये है, उससे संबंधित न तो कोई शिकायत पुलिस में आवेदिका की ओर से दर्ज करायी गई और न ही कोई ऐसे दस्तावेज व प्रमाण न्यायालय के समक्ष पेश किये गये।

विचारण न्यायालय के आदेश पर लगी मुहर

जिस पर विचारण न्यायालय ने 17 मई 2025 को अनावेदकों के पक्ष में राहतकारी आदेश दिया था। जिसे चुनौती देते हुए शीला पालीवाल की ओर से उक्त अपील दायर की गई थी। मामले में अनावेदकों की ओर से अधिवक्ता संजय शर्मा, प्रतिमा गुप्ता की दलीलों को सुनने के बाद न्यायालय ने विचारण न्यायालय ने विधि सम्मत पाते हुए उसे उचित करार देते हुए दायर अपील अस्वीकार कर दी।

कलेक्टर ने 10 अगस्त को नगर निगम क्षेत्र में संचालित सभी विद्यालयों में अवकाश घोषित किया

संस्कार कांवड़ यात्रा के मद्देनजर जिला प्रशासन ने लिया निर्णय

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कार कांवड़ यात्रा एवं गुप्तेश्वर शाही सवारी यात्रा के दौरान स्कूली विद्यार्थियों को स्कूल आने और जाने में होने वाली कठिनाइयों के मद्देनजर कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी ने सोमवार 10 अगस्त को नगर निगम क्षेत्र जबलपुर में संचालित सभी शासकीय, अशासकीय, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई एवं आईसीएसई विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया है। संस्कार कांवड़ यात्रा सोमवार 10 अगस्त को सुबह 7 बजे ग्वारीघाट स्थित सिद्धघाट से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए पनागर तहसील के ग्राम मटामर स्थित भगवान नर्मदेश्वर भोलेनाथ मंदिर (कैलाशधाम) तक पहुंचेगी। यात्रा के दौरान शहर में व्यापक यातायात प्रभावित होने की संभावना को देखते हुए नगर निगम क्षेत्र में संचालित सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिये अवकाश घोषित करने का यह निर्णय लिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने इस बारे में जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि अवकाश के कारण प्रभावित होने वाले शैक्षणिक पाठ्यक्रम की भरपाई आगामी कार्यदिवसों में अतिरिक्त कक्षाएं लगाकर की जायेगी।

कृषि दुकानों का औचक निरीक्षण, मचा हड़कंप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की टीम ने शुक्रवार को विकासखण्ड पाटन की ग्राम पंचायत उड़ना सड़क के कृषि आदान विक्रेता प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान पीओएस मशीन में दर्ज खाद की मात्रा और भौतिक रूप से उपलब्ध खाद का मिलान सही पाया गया।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठीए तहसीलदार सच्चिदानंद त्रिपाठी एवं उर्वरक निरीक्षक पंकज कुमार श्रीवास्तव की संयुक्त टीम ने आज्ञा कृषि केंद्रए श्री जगदंबा कृषि केंद्र तथा जय माता एग्रो का गहन निरीक्षण किया। अधिकारियों ने दुकानों के लाइसेंसए प्रिंसिपल सर्टिफिकेटए बिल बुक और स्टॉक रजिस्टर का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी डॉण् इंदिरा त्रिपाठी ने सभी निजी उर्वरक विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए कि एसडीएम कार्यालय से जारी टोकन के आधार पर ही किसानों को खाद का वितरण किया जाए। बिना टोकन किसी भी किसान को खाद न दी जाए और प्राप्त टोकन को विक्रेता अपने पास रिकॉर्ड के तौर पर सुरक्षित रखें।

प्रमुख सचिव ऊर्जा ने उपभोक्ताओं से किया सीधा संवाद

जबलपुर। प्रदेश में विद्युत सेवाओं को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और उपभोक्ता-केंद्रित बनाने की दिशा में ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव मनीष सिंह ने शुक्रवार को सीहोर जिले का दौरा कर विद्युत वितरण व्यवस्था की जमीनी हकीकत का जायजा लिया। उन्होंने मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के संपर्क अभियान-2026 के अंतर्गत आयोजित उपभोक्ता संपर्क शिविर में पहुंचकर उपभोक्ताओं से सीधे संवाद किया, उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने और अधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण तथा समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जबलपुर-सतना रेलखंड पर मॉक ड्रिल कर परखी कार्यक्षमता

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल द्वारा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने, राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों और विभिन्न विभागों के परस्पर समन्वय को परखने के उद्देश्य से आज एक बृहद मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। यह अभ्यास जबलपुर-सतना मुख्य रेलखंड के अंतर्गत सिहोरा रोड और डुंडी स्टेशनों के मध्य स्थित समपार फाटक संख्या 338 पर आयोजित हुआ। अपराह्न 12.07 बजे सिहोरा रोड के ऑन-ड्यूटी उप स्टेशन अधीक्षक द्वारा समपार फाटक के समीप एम्बुलेंस और ट्रक के बीच भीषण टक्कर होने, हताहतों की स्थिति बनने तथा अप एवं डाउन दोनों रेल लाइनों के बाधित होने की काल्पनिक सूचना दी गई। सूचना मिलते ही जबलपुर मंडल में त्वरित आपदा प्रबंधन प्रोटोकॉल सक्रिय किया गया। तत्काल प्रभाव से जबलपुर से दुर्घटना राहत चिकित्सा यान व दुर्घटना राहत गाड़ी तथा न्यू कटनी जंक्शन से स्व-संचालित को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। साथ ही स्थानीय नागरिक प्रशासन, पुलिस, निकटतम चिकित्सालयों एवं एम्बुलेंस सेवाओं को तत्काल सूचित किया गया। वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी जबलपुर द्वारा 13.03 बजे इस संपूर्ण घटनाक्रम को आधिकारिक रूप से मॉक ड्रिल घोषित किया गया। इसके पश्चात रेलवे टीम द्वारा आसपास मौजूद आम जनता को समपार फाटक सुरक्षा, आपातकालीन नियमों और संरक्षा मानकों के प्रति जागरूक करने हेतु काउंसलिंग भी की गई। इस अभ्यास के माध्यम से राहत टीमों के टर्न-आउट समय, त्वरित संचार प्रणाली, राहत उपकरणों की कार्यकुशलता और जिला प्रशासन के साथ समन्वय का गहन मूल्यांकन किया गया, ताकि भविष्य में किसी भी वास्तविक दुर्घटना के समय त्वरित एवं प्रभावी राहत कार्य सुनिश्चित किया जा सके।

स्वर्णिम इतिहास को नमन, अगस्त क्रांति दिवस पर जबलपुर में देशभक्ति से सराबोर आयोजन होंगे

कांग्रेस सेवादल के तत्वावधान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सेठ गोविंद दास को दी जाएगी श्रद्धांजलि

शहीद स्मारक से निकलेगी प्रभात फेरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 9 अगस्त 1942 का दिन स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। इसी दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में अंग्रेजों के विरुद्ध भारत छोड़ो आंदोलन का शंखनाद हुआ था। इस ऐतिहासिक आंदोलन ने देश की स्वतंत्रता की लड़ाई को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान की। इसी गौरवशाली ऐतिहासिक दिवस की स्मृति में शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस सेवादल द्वारा 9 अगस्त (रविवार) को अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर ध्वज वंदन, श्रद्धांजलि एवं प्रभात फेरी का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजकों द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार आयोजन का शुभारंभ प्रातः 10 बजे शहीद स्मारक, गोल बाजार में राष्ट्रीय ध्वज वंदन के साथ होगा। इसके पश्चात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रख्यात साहित्यकार एवं जननेता सेठ गोविंद दास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानियों को नमन करते हुए राष्ट्रगान एवं देशभक्ति के गीतों का भी आयोजन रहेगा।

संघर्ष और बलिदान को किया जाएगा स्मरण - ध्वज वंदन के उपरांत प्रभात फेरी शहीद स्मारक, गोल बाजार से प्रारंभ होगी। यह फेरी मालवीय चौक, बड़ा फुहारा, तिलक भूमि तलैया, अंधेरदेव एवं विक्टोरिया मार्ग से होते हुए गांधी स्मारक (टाउन हॉल) पहुंचेगी, जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित कर कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। प्रभात फेरी के दौरान स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों के जयघोष, देशभक्ति के नारों तथा राष्ट्रीय एकता एवं संविधान के मूल्यों को समर्पित संदेशों के माध्यम से नागरिकों में राष्ट्रप्रेम और जनजागरण का वातावरण निर्मित किया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी, पं जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, मौलाना अबुल कलाम आजाद, सेठ गोविंद दास सहित उन सभी ज्ञात एवं अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को स्मरण किया जाएगा, जिन्होंने भारत की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस सेवादल ने जबलपुर संभाग के सभी जिलों के कांग्रेसजनों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित समय पर शहीद स्मारक पहुंचकर कार्यक्रम में सहभागी बनें।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन ने की बैठक

जबलपुर। शहर जिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के शहरी एवं ग्रामीण स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशजों की महत्वपूर्ण बैठक गांधी भवन, टाउन हॉल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शहर सेवादल कांग्रेस के मुख्य संगठक पं. सतीश तिवारी ने की तथा मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज नामदेव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर जिला कलेक्टर को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके वंशजों की समस्याओं से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में संगठन के नगर अध्यक्ष राजेन्द्र रज्जू सराफ, जिला ग्रामीण अध्यक्ष नारायण सिंह शर्मा, एड. प्रकाशचंद गौलछा, वी. हनुमत राव, आशा मालवीय, केशव प्रसाद चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**